शुभ लाभ
DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विधानसभा में घोटालों को लेकर हंगामा जारी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 20 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-201

माइक्रोसॉफ्ट में तकनीकी खराबी से पूरी दुनिया में कामकाज प्रभावित

उड़ानें, बैंकिंग सेवा, शेयर और व्यापारिक गतिविधियां रुकीं

आभासी जगत की खामी से ठप्प पड़ी भौतिक दुनिया

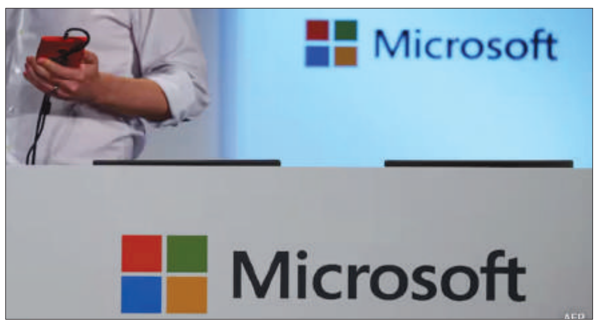

माइक्रोसॉफ्ट विंडोज़ का सर्वर खराब हुआ
भारत समेत कई देशों में कामकाज रुका

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी आने से पूरी दुनिया एकबारगी ठप्प पड़ गई। दुनियाभर में लाखों विंडोज यूजर्स को 19 जुलाई 2024 को भीषण एरर का सामना करना पड़ा। विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में अचानक आई इस दिक्कत से डेस्कटॉप, पीसी, लैपटॉप अचानक शट डाउन (बंद) हो गए। माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में खराबी की वजह से दुनियाभर की विमान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कई एयरलाइंस की फ्लाइट्स उड़ान नहीं भर पा रही हैं। एयरलाइंस सर्वर में आई यह खराबी भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में रिपोर्ट की गई है। सर्वर में खराबी की वजह से बैंकों में भी कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पूरी दुनिया में शेयर बाजार और व्यापारिक गतिविधियों पर बुरा असर पड़ा।

माइक्रोसॉफ्ट सर्वर में खराबी की वजह से पूरी दुनिया में हवाई सेवाओं सहित कई बिजनेस सेवाएं प्रभावित हुईं हैं। माइक्रोसॉफ्ट कारपोरेशन की क्लाउड सेवाओं में बड़ी गड़बड़ी की वजह से शुक्रवार को भारत में भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंडिगो, अकासा एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट समेत कई एयरलाइनों ने कहा है कि वे सभी तकनीकी गड़बड़ियों का सामना कर रही हैं, जिससे टिकट बुकिंग और वेब चेक-इन जैसी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। भारत में स्पाइस जेट ने जानकारी दी कि वे तकनीकी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिससे बुकिंग, चेक-इन और बुकिंग कार्यक्षमताओं सहित ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इस वजह से स्पाइस जेट ने हवाई अड्डों पर मैनुअल चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया शुरू कर दी हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से जानकारी दी गई कि ग्लोबल आईटी कोलैप्स की वजह से दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुई हैं। चेन्नई एयरपोर्ट पर भी रुटीन काम प्रभावित हुआ और नियमित यात्री-केंद्रित गतिविधियों पर असर पड़ा। इस संकट को लेकर माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है, हमारी सेवाओं में अभी भी निरंतर सुधार हो रहा है, हम मिटिगेशन एक्शन रख रहे हैं।

▶10पर

अचानक स्तब्ध हो गई तकनीकी दुनिया

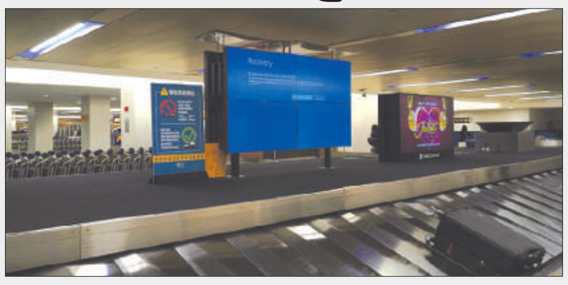

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आभासी दुनिया में आई तकनीकी खराबी ने तकनीक के भरोसे रहने की आदत को हिला कर रख दिया। बताया जा रहा है कि इस तकनीकी खराबी की वजह एक बड़ा बग है, जो माइक्रोसॉफ्ट में घुस गया या घुसा दिया गया।

इस बग के कारण दुनियाभर के विंडो यूजर्स के सिस्टम की स्क्रीन अचानक ब्लू हो गई। यानी, विंडोज़ सिस्टम में ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ का एरर दिखने लगा। नतीजतन पूरी दुनिया में जल्दी जल्दी सारे कम्प्यूटर सिस्टम बंद करने पड़े। जो सिस्टम बंद नहीं हुए वह अपने आप बंद होने और री-स्टार्ट होने लगे। कहा जा रहा है कि यह बग माइक्रोसॉफ्ट के हालिया क्राउड-स्ट्राइक अपडेट के बाद सिस्टम में आया।

हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने इस बग पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इससे सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलिया के यूजर्स प्रभावित हुए हैं।

▶10पर

हिमंत बिस्व सरमा ने देश को किया सतर्क

2041 तक मुस्लिम स्टेट बन जाएगा असम

सम्पूर्ण भारतवर्ष में सख्त जनसंख्या कानून आवश्यक

गुवाहाटी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पूरे देश को सतर्क किया है। सरमा ने कहा है कि आने वाले कुछ साल में असम मुस्लिम स्टेट में तब्दील हो जाएगा। असम में मुस्लिमों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ रही है। 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा।

एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सांख्यिकीय तथ्य पेश किए। उन्होंने दावा किया कि राज्य में मुस्लिम आबादी हर 10 साल में लगभग 30 प्रतिशत बढ़ रही है। इस हिसाब से असम में मुस्लिम 2041 तक बहुसंख्यक बन जाएंगे। उन्होंने सांख्यिकीय तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि मुस्लिम अब असम की आबादी का 40 प्रतिशत हो चुके हैं। यह वास्तविकता है और इसे होने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि हर दस साल में हिंदुओं की आबादी 16 प्रतिशत ही बढ़ रही है। उन्होंने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने मुस्लिम समुदाय के बीच जनसंख्या वृद्धि को कम करने के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन वे कारगर नहीं हो रहे। इसके लिए सम्पूर्ण भारतवर्ष में सख्त जनसंख्या कानून की आवश्यकता है।

हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में कांग्रेस की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड एंबेसडर बन जाते हैं, तो यह स्थिति नियंत्रित हो सकती है। क्योंकि यह समुदाय केवल उनकी बात सुनता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा लगातार यह बात कह रहे हैं कि देश में सारी प्राथमिकताओं के ऊपर जनसंख्या नीति का निर्धारण होना चाहिए। क्योंकि जनसंख्या का असंतुलन अब धैर्य की सीमा से बाहर हो गया है। देश में शीघ्र ऐसा कानून बनना चाहिए, जिससे घुसपैठिए वनवासियों की

▶10पर

चुनाव में हार तो मुसलमानों पर प्रहार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि भारत में मुसलमानों को रहने देना भारी भूल रही। जब धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ था तो मुसलमानों को यहां नहीं रहने देना था। मुसलमानों को यहां रहने दिया गया, यह सबसे बड़ी गलती हुई। जब देश का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ था, फिर मुसलमानों को यहां क्यों रहने दिया गया? अगर उन्हें (मुसलमानों) यहां न रहने दिया गया होता तो आज यह नौबत ही नहीं आती। गिरिराज सिंह ने चुनाव से पहले भी कहा था, मुझे देशद्रोहियों का वोट नहीं चाहिए।

इससे पहले पश्चिम बंगाल भाजपा की कार्यसमिति में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था, सबका साथ, सबका विकास का नारा बंद होना चाहिए। अब जो हमारे साथ, हम उनके साथ का नया नारा चलना चाहिए। अधिकारी ने यह भी कहा था कि भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा तत्काल भंग कर देना चाहिए।

▶10पर

राज्यपालों को क्यों मिले आपराधिक अभियोजन से छूट!

समीक्षा की मांग, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों को आपराधिक अभियोजन से छूट देने वाले संवैधानिक प्रावधान की समीक्षा करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जता दी है। संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत राज्यपाल को आपराधिक अभियोजन से छूट मिली हुई है। कोर्ट ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाली महिला कर्मचारी की याचिका पर पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही कोर्ट मामले से निपटने में अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि से सहयोग करने को कहा। कोर्ट ने बंगाल राजभवन की महिला कर्मचारी से कहा कि वह अपनी याचिका में केंद्र को भी पक्षकार बनाए। दरअसल, महिला ने राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने मामले की सुनवाई करने पर सहमति जताई। यह अनुच्छेद संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का अपवाद है और प्रावधान करता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद के तहत प्राप्त शक्तियों के इस्तेमाल और कर्तव्यों के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं हैं। महिला याचिकाकर्ता ने राज्यपालों को आपराधिक अभियोजन से छूट प्रदान करने के संबंध में विशिष्ट दिशा-निर्देश तैयार करने के निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया है।

● अब हरियाणा में कांग्रेस का 1400 करोड़ का बैंक फ्रॉड

कांग्रेस विधायक पर कसा ईडी का शिकंजा

कर्नाटक और आंध्र के बाद कांग्रेस का नया अध्याय

चंडीगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ के शंकर कॉलोनी में कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के घर, उनके भाई के आवास और रेवाड़ी रोड पर उनके फार्म हाउस की तलाशी ली। कांग्रेस के चार बार के विधायक राव दान सिंह हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के करीबी माने जाते हैं। राव दान सिंह ने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन हार गए थे।

तलाशी के दौरान इन सभी स्थानों पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था और किसी को भी परिसर में प्रवेश करने या बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गयी थी। सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमें सुरक्षाकर्मियों के साथ गुरुवार सुबह करीब चार बजे सात गाड़ियों में महेंद्रगढ़ स्थित राव दान सिंह के दोनों परिसरों पर पहुंचीं थीं।

ईडी की टीम ने 1,392 करोड़ रुपए के बैंक लोन फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत एक मेटल फैब्रिकेटिंग कंपनी, एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) और उसके प्रमोटरों मोहिंदर अग्रवाल, गौरव अग्रवाल और कुछ अन्य के ठिकानों की भी तलाशी ली। हरियाणा के बहादुरगढ़, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और गुरुग्राम में लगभग 15 स्थानों पर यह तलाशी ली गई। लगभग 15 लोगों की टीम सुबह लगभग 7 बजे बहादुरगढ़ में एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) पहुंचीं जब काफी संख्या में कर्मचारी वहां काम कर रहे थे। कंपनी परिसर को तुरंत अर्धसैनिक बलों के जवानों ने घेर लिया और किसी भी कर्मचारी को प्रवेश या निकास की अनुमति नहीं दी गई।

कंपनी पर बैंक लोन फ्रॉड में शामिल होने का आरोप है। जिस पर 2022 में सीबीआई द्वारा मामला दर्ज किया गया था। राव दान सिंह के बेटे राव अक्षत का नाम भी इस मामले में सामने आया था। जांच के दौरान ईडी ने पाया था कि राव दान सिंह के बेटे के स्वामित्व वाली कुछ कंपनियों ने एएसएल से ऋण लिया था जिसे बाद में माफ कर दिया गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, राव दान सिंह के परिवार का नाम आदर्श सहकारी सोसायटी घोटाले में ईडी की जांच में सामने आया था। 2019 में ईडी की जयपुर शाखा ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। जांच में एक कंपनी का नाम सामने आया था जिसने हरियाणा के रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और नारनौल इलाकों में जमीन खरीदी थी। मामले में राव दान सिंह के बेटे अक्षत राव समेत 100 से ज्यादा लोग ईडी के रडार पर हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार के दौरान राव दान सिंह ने कहा था कि उनके परिवार का इस मामले से कोई संबंध नहीं है

▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का न्याय

बलात्कारी और हत्यारे की फांसी पर रोक

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नूपुर शर्मा का सिर कलम करने की खुलेआम धमकियां देने वाले अजमेर शरीफ के काजी समेत छह लोगों को अजमेर की अदालत ने पिछले दिनों बाइज्जत बरी करके न्याय का नायाब उदाहरण पेश किया था। अब छोटी अदालत की बात छोड़िए, खुद सुप्रीम कोर्ट का न्यायिक स्तर देखिए। केरल में एक दलित हिंदू छात्रा की बलात्कार के बाद नृशंस हत्या करने के दोषी मोहम्मद अमीर उल इस्लाम को मिली मौत की सजा पर रोक लगा कर न्याय का प्रतिमान स्थापित किया है। अमीर उल इस्लाम को अप्रैल 2016 में कानून की छात्रा जिशा सूर्या के बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने 16 जुलाई के अपने आदेश में कहा, वर्तमान अपील की सुनवाई और अंतिम फैसले तक मौत की सजा पर रोक रहेगी। अदालत केरल उच्च न्यायालय के 20 मई 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली दोषी की अपील पर विचार कर रही थी, जिसमें निचली अदालत द्वारा दी गई मौत की सजा की पुष्टि की गई थी। एर्नाकुलम जिले के पेरुंबवूर की तीस वर्षीय कानून की छात्रा जिशा का 28 अप्रैल 2016 को कुरुप्पमपडी में उसके घर पर बेरहमी से बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

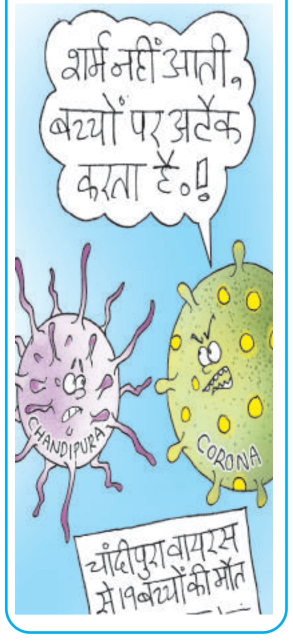

सरकार बताए, आत्महत्या क्यों कर रहे अग्निवीर?

सालभर में 9 अग्निवीरों ने आत्महत्या कर ली, 6 अग्निवीर शहीद

श्रीकांत चौधरी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश में अग्निपथ योजना के जरिए सेना में भर्ती हो रहे अग्निवीरों के शहीद होने का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। पिछले एक साल में 15 अग्निवीर शहीद हो चुके हैं।

दूसरी तरफ अग्निवीरों की आत्महत्या के मामले भी बढ़ रहे हैं। गुरुवार को जम्मू कश्मीर के अखनूर में हिमाचल प्रदेश के अग्निवीर निखिल डडवाल ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। एक साल के अंदर शहीद हुए 15 अग्निवीरों में 9 आत्महत्या के मामले भी जुड़े हैं।

इसी महीने अग्निवीर श्रीकांत चौधरी ने भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी। यह सवाल उठ रहे हैं कि सेना में अग्निवीर जवान लगातार सुसाइड क्यों कर रहे हैं? क्या अग्निवीरों को पर्याप्त ट्रेनिंग मिल पा रही है? क्या छह महीने का प्रशिक्षित अग्निवीर सेना में काम करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से सक्षम है? पिछले एक साल में कितने सामान्य सैनिकों ने सुसाइड किया? इसी दौरान कितने अग्निवीरों ने सुसाइड किया है? इन सवालों पर सरकार फिलहाल मौन साधे हुई है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने अग्निवीर योजना लाकर, हिंदुस्तान के जवानों को दिहाड़ी श्रमिकों की स्थिति में ला दिया। अग्निवीर योजना में शहीद होने पर उन्हें शहीद का दर्जा नहीं मिलता और न पेंशन मिलती है। चार साल बाद अग्निवीर फिर बेरोजगारों की लाइन में खड़े हो जाते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में बताया कि 158 संगठनों से सुझाव लेने के बाद अग्निपथ योजना लागू की गई थी।

▶10पर

लेह लद्दाख में उत्तरकाशी के जवान की मौत

देहरादून, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना में लेह लद्दाख सीमा पर तैनात उत्तरकाशी जिले की बड़कोट तहसील के लाल श्रवण चौहान की अचानक तबीयत बिगड़ने से मृत्यु हो गई। श्रवण के निधन की सूचना से गांव सहित क्षेत्र में शोक की लहर है। श्रवण कुमार चौहान पुत्र शूरवीर चौहान भारतीय सेना की 14वीं बटालियन में लेह लद्दाख सीमा पर तैनात थे। गुरुवार को अचानक उनका स्वास्थ्य खराब होने पर सेना ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां उपचार के दौरान श्रवण का देहांत हो गया। श्रवण का पार्थिव शरीर आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचाया गया। चंडीगढ़ से भारतीय सेना एंबुलेंस के जरिए सड़क मार्ग से मृतक जवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव सरनौल लेकर गई। लेह लद्दाख में उत्तराखंड की विधानसभा यमुनोत्री के ग्राम सरनौल निवासी जवान श्रवण चौहान बलिदान हो गए हैं।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,604.65
-738.81 -0.91% ↓
एनएसई :24,530.90
-269.95 (-1.09%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 20°

सफल कार्य करने के लिए कोई जादुई फॉर्मूला नहीं : महेंद्र चौहान

जीतो प्रोफेशनल फोरम एवं जीतो बिजनेस नेटवर्क सेमिनार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट जीतो प्रोफेशनल फोरम एवं जीतो बिजनेस नेटवर्क सेमिनार का आयोजन अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में यशवंतपुर स्थित एक होटल में किया गया। मुख्य प्रशिक्षक उन्नति ग्रुप से मुख्य समन्वयक महेंद्र चौहान ने विषय -पैशन टू प्रोफेशन-प्रोफेशन टू प्रॉफिट पर कहा कि जब तक जोश फॉर पैशन नहीं होगा, तब तक कुछ भी संभव नहीं है। सफल कार्य करने के लिए कोई जादुई फॉर्मूला नहीं है। प्रोफेशन की सही जानकारी, तरीके, उपकरण और रणनीति की जरुरत होगी। जो इसमें लाभ कमाना सीखा सकती है। अपना जुनून अपने व्यवसाय के लिए एक ठोस आधार तैयार करने और मुख्य मूल्यों को स्थापित करने में मदद करता है। क्योंकि कार्य के प्रति जुनून प्रेरणा और आत्मविश्वास देता है, जिससे मिशन और उद्देश्य पूरा होता है। अपने व्यवसायिक अनुभव को साझा करते हुए प्रोफेशन के मूल मंत्र बताएं, लागत कम करना, व्यवसाय में आपका लाभ सीधे तौर पर इस बात से प्रभावित हो सकता है कि आप अपनी लागतों

का प्रबंधन कितनी अच्छी तरह करते हैं। कारोबार में वृद्धि-बाजार और ग्राहकों की माँग देखते हुए वृद्धि करते जाये और उत्पादकता बढ़ाते जाये। मुख्य मंत्र है अपनी कार्यकुशलता बढ़ाना-बिक्री लागत कम होने पर आपका मुनाफा बढ़ेगा। ग्राहक को कॉल समय- समय पर करने से कार्यकुशलता बढ़ती है, व्यापार में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि जीतो नॉर्थ महिला विंग द्वारा एक सुयोग्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ है, जो भविष्य के उद्यमियों के रूप में प्रोफेशनल गतिविधि के सशक्तिकरण और प्रदर्शन के साथ, नारी के लिए विभिन्न गतिविधियों को सशक्त मंच प्रदान करेगा। पैशन 2 प्रोफेशन और प्रोफेशन 2 प्रॉफिट आज के उभरते उद्यमियों के लिए एक बहुत ही उपयुक्त विषय, विशेष रूप से महिलाओं के बीच, जहां उनके पास देने के लिए बहुत सारे रचनात्मक विचार हैं, उसको आगे बढ़ने हेतु जीतो मंच जेबीएन के माध्यम से एक जगह देता है। जीतो महिला विंग में जुड़े सदस्यों में नीलू जैन, कल्पना जैन, प्रेरणा दुमावत, शीतल वी, पूजा जैन, पिंकी श्रीश्रीमाल, प्रिया लुनिया, सुनीता जैन ने अपने-अपने प्रेफेशन का विवरण दिया। मुख्य प्रशिक्षक का परिचय कार्यक्रम सह-संयोजिका मनीषा डोशी द्वारा दिया गया। जीतो द्वारा उनका सम्मान किया गया। प्रोफेशनल चर्चा-परिचर्चा संयोजिका साधना धोका द्वारा दिया गया। सेमिनार के द्वितीय सत्र में जीतो एपेक्स द्वारा निर्देशित राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी, महामंत्री शीतल दुगड़, जेबीएन संयोजिका ज्योति जैन के मार्गदर्शन से जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा ऊर्जा (बिजनेस) ई डायरेक्टरी का विमोचन हुआ। चैप्टर चेयरमैन इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, महिला विंग उपाध्यक्ष लक्ष्मी जयचंद बाफना ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया के संदेश का वाचन उपाध्यक्ष रेश्मा पुनमिया ने किया। ई- डायरेक्टरी संपादकीय टीम तनुजा मेहता के निर्देशन में सुष्मिता सेठिया, भाविका कोठारी, सुमन रांका, पिंकी मेहता ने तकनीकी कार्यभार में सहयोग किया। जीतो साउथ महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी ने कहा कि एक छोटा व्यवसाय भी ई डायरेक्टरी के माध्यम से सब तक पहुँच सकता है।

एक विस्तृत श्रृंखला के साथ जोड़ता है

यह एक शक्तिशाली ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के रूप में उजागर होगा। जीतो बेंगलूरु महिला विंग पूर्व अध्यक्ष मधु डोशी ने कहा कि ई डायरेक्टरी उनके व्यवसाय को, विभिन्न उद्योगों के अन्य व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ जोड़ता है, जिससे लोगों के लिए आपके व्यवसाय को ढूंढना और उससे जुड़ना आसान हो जाता है। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ कोषाध्यक्ष मधु कटारिया ने कहा कि ई डायरेक्टरी डिजिटल रोलोडेक्स है। सिंपल हिंगड़, अल्का लोढ़ा, स्वीटी नाहर, संगीता मुथा, दीपू मांडोत ने व्यवस्था में सहयोग दिया। दो सत्रों में विभाजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। संचालन महामंत्री सुमन वेदमुथा व सहमंत्री पिंकी मेहता ने किया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। प्रायोजक मधु विमल, कशिश, चिराग, यश कटारिया परिवार का सम्मान किया गया।

आत्मा को बोध करवाने हेतु आते हैं चातुर्मास पर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि देव गुरु और धर्म ही हमें सच्चा सुख प्रदान कर सकते हैं। समय समय पर हमारी आत्मा को बोध करवाने के लिए पर्व आते हैं। आषाढ़ी चातुर्मास के दौरान अनेक आध्यात्मिक विशिष्ट पर्व आते हैं। इसी चातुर्मास के दौरान पर्युषण महापर्व आते हैं। इन पर्व के दिनों में हमें धर्म आराधना करते हुए विराधना से बचना है। हमें तीन निवृतिपूर्ण यानि सामायिक, प्रतिक्रमण और पौषध, तीन पृवत्तिपूर्ण यानि करने जैसे परमात्मा की पूजा, स्नात्र महोत्सव करना, अन्तर यात्रा करना और तीन आवृतिपूर्ण यानि बार बार करने जैसे दान देना, ज्ञान प्राप्त करना, यथाशक्ति तप करने जैसे अलंकारों को धारण करना है।

साध्वी मुद्रांजनाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि परमात्मा हमारी आत्मा को जगत से तारने के लिए धर्म देशना देते हैं। इस संसार ने हमें पकड़ के नहीं रखा है, बल्कि हमने इस संसार को पकड़ कर रखा है। इस संसार से बाहर आने पर ही हमारी आत्मा का कल्याण होगा। चार गतियों की 84 लाख जीव योनियों में हमारी आत्मा ने असंख्य बार भ्रमण किया है, उसके पश्चात हमें मनुष्य जन्म प्राप्त हुआ है। अगर हम इस मनुष्य जन्म में सही मार्ग नहीं अपनाएंगे तो पुनः 84 लाख योनियों में आत्मा की भव भ्रमणा शुरू हो जाएगी। हमारी आत्मा के गुण ज्ञान, दर्शन और चारित्र को अनावरित करने के लिए हमें पुरुषार्थ करना है। संसार के संबंधों में हमें उलझना नहीं है। चातुर्मास के दौरान दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा चालीस दिवसीय सौभाग्य कल्पवृक्ष दारिद्रहरण तप करवाया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिदिन सांकली आयम्बिल तप और सांकली अट्ठम तप करवाया जाएगा।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ जीएउसीजी संगठन द्वारा श्रीरामपुरम स्थित जीएउसीजी भवन के हिमालय सभागार में एफपीए इंडिया, मणिपाल हॉस्पिटल, लायंस क्लब, केएलई डेंटल कॉलेज, श्री वैष्णवी साईं आई हॉस्पिटल के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व मंत्री सुरेश कुमार, समाजसेवी महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस शिविर में सैकड़ों जरूरतमंद मरीज लाभान्वित हुए। इस अवसर पर संगठन के 25 से भी ज्यादा डॉक्टर उपस्थित थे। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किय।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ महा तीर्थ गुजरात ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीयाक ने शुक्रवार को दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे का दौरा कर सेवा पूजा का लाभ लिया। बेंगलूरु निवासी योगेश के साथ तीर्थ पर उन्होंने संपूर्ण तीर्थ परिसर का मुआयना करते हुए कहा कि पावन भूमि देव तत्व से परिपूर्ण सकारात्मक प्रभाव प्रेषित कर रही है। सदस्यों ने श्रीयाक का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष अशोककुमार सुराना, उपाध्यक्ष पारसमल वेद मुथा, सचिव मांगीलाल मेहता, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ.विजय कुमार सुराना, ट्रस्टी दुर्लभचंद खांटेड, दानमल नाहर, रमेश कटारिया, ज्ञानेश मेहता, जयंतीलाल बोहरा, श्रीपाल गांधी, मैनेजर नवरतन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण सम्पन्न

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
लायंस क्लब ऑफ हुब्बल्ली परिवार का वर्ष 2024-25 के नविन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। जिसमें डॉ संजय गणेशकर ने अध्यक्ष पद की शपथ ली। साथ ही कार्यदर्शी आनंद बूमरेड्डी, कोषाध्यक्ष अशोक गोयल और निदेशक मंडल ने भी अपने पद की शपथ ग्रहण की।

सभी को लायंस के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. रवि नादगीर ने शपथ ग्रहण करवाई और लायंस इंटरनेशनल के कार्यो के बारे में विस्तार से समझाया। मुख्य अतिथि के रूप में धारवाड़ जिल-ाधीश आईएएस अधिकारी दिव्या

प्रभु, दक्षिण पश्चिम रेलवे हुब्बल्ली मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक संतोष हेगड़े सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी दिव्या प्रभु ने लायंस परिवार द्वारा की जा रही समाज सेवा और मानवीय सेवा की सराहना की। साथ ही दिव्यांगों के लिए पिछले कई वर्षो से कृत्रिम पैर लगाने की निस्वार्थ सेवा के लिए प्रभु ने महावीर लिम्ब सेंटर की सराहना की। क्लब द्वारा पिछले कई वर्षो से सेवारत हुब्बल्ली के अनेक चिकित्सक, जिसमें डॉ आर.एन. जोशी, डॉ एस.के. जोशी, डॉ.एन. आर. पाटिल, डॉ. सुरेश दुग्गानी, डॉ. सीएस पाटिल सहित अन्य शामिल थे, का सम्मान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता श्रीकांत कारी ने की। इस अवसर पर कार्यदर्शी संतोष पाटिल ने वर्ष 2023-24 के वर्षभर में किए गए सेवा कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने वर्ष 2024-25 में वर्षभर में की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान आनंद मेहरवाड़े, गिरीश सुंकड, डॉ. शशांक करी, विक्रम तेंगिनाकाई ने लायंस परिवार के नए सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण की।

तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन शुक्रवार को किया गया।

साधारण सभा का शुभारंभ अध्यक्ष सुमन पटावरी द्वारा नमस्कार महामंत्र से किया गया। मंडल की बहनों ने मंगलाचरण में महाश्रमण अष्टम का संगान किया। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया।

सर्वप्रथम सह मंत्री वंदना भंसाली ने पिछले साधारण सदन के मिनट्स का वचन किया एवं सभी बहनों ने ओम अर्हम की ध्वनि से उसे पारित किया।

अध्यक्ष सुमन पटावरी ने साधारण सभा में पधारी सभी बहनों का स्वागत तथा अभिनंदन किया। अपनी एक वर्ष के कार्यकाल में सभी संस्था तथा पूर्व अध्यक्ष समेत सभी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया गया। कोषाध्यक्ष सुधा दूगड़ ने आय व्यय का ब्यौरा दिया, जिसे सदन की सहमति से पारित किया गया। साधारण सभा की प्रायोजक प्रेम संजय बैद का मंडल द्वारा सम्मान किया गया। संविधान का वाचन उपाध्यक्ष मधु कटारिया ने किया तथा नियमों के बारे में संक्षिप्त में जानकारी दी। कर्मठ मंत्री पदमा महेर ने प्रतिवेदन का वाचन किया तथा अपनी भावना प्रकट की। साल भर की गतिविधियों पर एक झलक की प्रस्तुति दी। वंदना भंसाली ने संविधान के कुछ प्रश्नों के ऊपर बहनों से प्रश्न पूछे। कन्या मंडल की प्रभारी पूनम दुगड़ ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा किए गए कार्यों की जानकारी दी। आभामंडल सदस्यों का सम्मान अध्यक्ष तथा पूरी टीम ने किया। सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरोज आर बैद, पूर्व अध्यक्ष कंचन छाजेड़, लता बाफना ने बधाई दी। उपाध्यक्ष मंजू बोथरा ने आभार ज्ञापित किया। कुशल संचालान पूनम दक ने किया।

प्रथम कार्यसमिति की बैठक में योजनाओं पर चिंतन मनन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर के नव मनोनीत अध्यक्ष कमलेश चौरडिया की अध्यक्षता में प्रथम कार्यसमिति की बैठक तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत सामूहिक जप से हुई। तेयुप संस्थापक अध्यक्ष सुनिल बाफना द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। विजय गीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा हुआ। उपाध्यक्ष संजय मांडोत ने सत्र 2023-24 की षष्ठम् कार्यकारिणी बैठक का वाचन किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए तेयुप के त्री-आयामी सूत्र

सेवा-संस्कार-संगठन के अंतर्गत आने वाले कार्य एवं अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों का निष्ठा पूर्वक कार्य करने व एक और आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर खोलने का लक्ष्य रखा। संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यों को जोड़ने का आह्वान किया। साथ ही आने वाले दिनों में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रदान की। तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी द्वारा अभातेयुप द्वारा निर्देशित आयामों के प्रभारी एवं सह-प्रभारी की नियुक्ति की गई। संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा तेयुप राज-ाजीनगर सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। युवाओं को आगे आकर संघ के आयामों में अपनी ज्यादा से ज्यादा सहभागिता प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, प्रबुद्ध विचारक सतीश पोरवाड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया और युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया। राजेश देरासरिया ने एटीडीसी में होने वाले कैंप के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर कार्यसमिति के सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन जयंतीलाल गांधी ने किया।

मंत्र दीक्षा के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु, राजाजीनगर, हनुमंतनगर, यशवंतपुर एवं टी. दासरहल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तेरापंथ भवन गांधीनगर में मंत्र दीक्षा के बैनर

का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, भूतपूर्व अध्यक्ष कमलेश गन्ना, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल, तेयुप यशवंतपुर अध्यक्ष महावीर गन्ना, टी दासरहल्ली अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी, तेयुप राजाजीनगर से जयंतीलाल गांधी एवं रवि चौधरी के साथ चारों परिषदों के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

प्रणाम से पुण्य का होता हैं उपार्जन : डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजाजीनगर स्थानक में विराजित उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि मनुष्य के जीवन में सुख भी आता है और दुःख भी। खुशी भी आती है और गम भी। हमारे जीवन में समस्याएं आती रहती है और समाधान भी होते रहता है। जब समस्याएं आती है तो

समाधान हेतु हम प्रभु शरण में जाते है। जहाँ हर समस्याओं का समाधान हो जाता है। प्रभु की भक्ति से हमारे उपसर्ग दूर हो जाते है। प्रणाम से पुण्य का उपार्जन होता है। लेकिन प्रणाम सम्यक् होना चाहिए। असम्यक् प्रणाम से पाप की प्राप्ति होती है। असम्यक् प्रणाम नरक का द्वार खोल देता है और सम्यक् प्रणाम से नरक के द्वार बंद हो जाते है। हमारा वंदन सम्यक् होना चाहिए और सम्यक् वंदन विवेकवान व्यक्ति ही कर सकता है अहंकारी नहीं। इसके पूर्व रूपेशमुनि ने स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। शनिवार को चातुर्मास प्रारंभ के अवसर पर 24 घंटे का नवकार महामंत्र का अखंड जाप का आयोजन रहेगा। राज-ाजीनगर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

विधानसभा में घोटालों को लेकर हंगामा जारी

विपक्ष का धरना और कार्यवाही स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर वाल्मीकि विकास निगम में हुए कथित अवैध धन हस्तांतरण के संबंध में चर्चा का उचित जवाब नहीं देने का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों ने शुक्रवार को विधानसभा में अपना धरना जारी रखा। जिसके परिणामस्वरूप सदन को 10 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा।

सुबह जब सदन चल रहा था, तो भाजपा और जेडीएस विधायक स्पीकर की कुर्सी के बगल वाले वेल में चले गए और धरना जारी रखा। इस मौके पर स्पीकर यूटी खादर ने बात की और उनसे धरना छोड़ने का अनुरोध किया और अपने-अपने स्थानों में जाकर कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में मदद करने का आग्रह किया।

विपक्ष के नेता आर. अशोक और जेडीएस विधायक दल के नेता सीबी सुरेश बाबू खड़े हुए और बोलना शुरू किया। इसी बीच कांग्रेस के कई विधायक खड़े हो गए और बोलने लगे। उस समय सदन में अफरा-तफरी मच गई और पता ही नहीं चला कि कौन क्या बात कर रहा है। सुरेश बाबू ने बात की और नाराजगी जताई कि मुख्यमंत्री का जवाब पर्याप्त नहीं था। आर अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सत्ता पक्ष के विधायकों को अपना बचाव करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यवाही में कांग्रेस विधायक शोर मचा रहे हैं। इस मौके पर जब विपक्षी दल धरना दे रहा था तो स्पीकर ने हस्तक्षेप किया।

उन्होंने कहा सत्ता पक्ष के विधायक क्यों खड़े हैं? अपना आसन ग्रहण करें। उन्होंने अधीरता जताते हुए कहा कि सत्ता पक्ष विपक्ष का काम कर रहा है। सब मिल कर बात करेंगे तो कुछ सुनाई नहीं देगा। उन्होंने कहा कि आप एक-एक करके बात करेंगे तो ठीक से सुनेंगे। तभी आर अशोक ने कहा वाल्मीकि कॉरपोरेशन में घोटाला हुआ है। साथ ही, उन्होंने मजाक उड़ाया कि वे अनुदान के लिए अप्रत्यक्ष रूप से अपनी ही सरकार के मुखिया के खिलाफ दंगा कर रहे हैं। विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों ने जहां सरकार के खिलाफ नारे लगाए और हंगामा किया, वहीं सत्ता पक्ष के विधायक अपनी सीटों पर खड़े होकर एक-एक कर अपनी बात रखते रहे। इससे सदन शोरगुल और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पता ही नहीं चला कि कौन क्या बोल रहा है। फिर जब उनके बार-बार कहने पर किसी ने नहीं सुनी तो स्पीकर ने कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी।

स्पीकर ने विधानसभा लॉबी में करीबी सहयोगियों को न लाने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने विधायकों को निर्देश दिया कि वे विधान सभा के लाउंज में अपने निजी सहायकों को न लाएं। विधानसभा अध्यक्ष ने यह निर्देश शुक्रवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद जल्दी पहुंचे विधायकों के नाम पढ़ने के बाद दिया। लाउंज में करीबी सहायकों की मौजूदगी अनावश्यक शोर पैदा करेगी। इसलिए विधायकों को अपने करीबी सहयोगियों को नहीं लाना चाहिए। यदि करीबी सहायक आते हैं, तो शोरगुल वाला माहौल बन जाता है। कई बार विधायकों और मंत्रियों को लाउंज में बैठने की जगह नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व विधायक ने उनसे पूछा कि क्या आपने लाउंज में होटल बनाया है।

इसलिए विधायक अपने सहायकों को अनावश्यक रूप से न लाएं। अगर कोई बुजुर्ग विधायक या पूर्व विधायक मदद के लिए ले आए तो कोई बाधा नहीं है। लेकिन बाकी लोग इस प्रथा को छोड़ दें। इसके अलावा, किसी अन्य को लॉबी में जाने देने के लिए मार्शलों पर दबाव न डालें। वे हमारे बनाये कानूनों और नियमों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि उन पर दबाव डालने और किसी और को लाने का कोई मतलब नहीं है। विधायकों को दोपहर के भोजन के बाद थोड़ी देर आराम करने के लिए विधानसभा गैलरी में बैठने की कुर्सी की व्यवस्था की गई है। यह व्यावहारिक रूप से किया जाता है, एक कुर्सी रखी जाती है। यह घोषणा की गई कि अगले सत्र तक इन कुर्सियों की संख्या बढ़ा दी जाएगी। पीठ ने विधानसभा की लॉबी में सभी विधायकों के लिए नाश्ते और दोपहर के भोजन की व्यवस्था की है। खाना खाने के लिए बाहर जाने में देर न हो इसलिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि वे खाना खाने के बाद आराम करने चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि अब इससे बचने के लिए अल्पकालिक आराम (झपकी) की व्यवस्था की गई है।

कडुगोला कॉरपोरेशन को अनुदान शीघ्र होगा जारी : मंत्री शिवराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ और संस्कृति विभाग मंत्री शिवराज थंगदागी ने आश्वासन दिया है कि वह जल्द ही कडुगोला विकास निगम को अनुदान जारी करने के बारे में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे। विधान परिषद में सदस्य नागराज यादव के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कादुगोला विकास निगम को कुल 15 करोड़ रुपये दिये गये हैं। हमने एक कार्ययोजना बनाई है। अनुदान जारी करने का दबाव है। इसलिए उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से चर्चा कर निर्णय लेंगे। कुछ तकनीकी कारण हैं कि समुदाय के लिए निर्धारित धनराशि अब जारी नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में अधिकारियों से चर्चा करेंगे और ऐसे फैसले लेंगे जिससे आने वाले दिनों में समुदाय को फायदा होगा।

मैं वर्तमान में कडुगोला विकास निगम का अध्यक्ष हूं। मांग है कि ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया जाए जो इस समुदाय के प्रति चिंतित हो। उन्होंने कहा कि जल्द ही कार्रवाई की जायेगी। सदस्य नागराज की इस दलील का जवाब देते हुए कि कडुगोला समुदाय को अनुसूचित श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही केंद्र को सिफारिश कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने संबंधितों से चर्चा भी की। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र जवाब देगा।

घर ढहने से एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। सावनूर तालुक के कराडागी के पास मदापुर में शुक्रवार की सुबह एक घर ढहने से एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। लगातार बारिश के कारण घर ढह गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और परिवार के दो अन्य लोग घायल हो गए। एक ग्रामीण ने बताया कि घटना के समय वे सो रहे थे और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान चन्नम्मा हरकुनी (35), अमूल्य हरकुनी (2) और अनुश्री हरकुनी (2) के रूप में हुई है। यल्लम्मा हरकुनी (70) घायल हो गईं और उन्हें हावेरी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुत्तप्पा हरकुनी को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। हावेरी के सांसद और पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने भी परिवार से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे का दिन बहुत करीबी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे का दिन करीब आ गया है। यहां शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, जो वित्त मंत्री भी हैं, की मंजूरी के बिना उनके ध्यान के बगैर वाल्मीकि विकास निगम का हस्तांतरण नहीं किया जा सकता था। पूर्व मंत्री नागेंद्र और दद्दल ही नहीं बल्कि और भी बड़े लोगों का नाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसका ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश की। उन्होंने सदन में जवाब देने की कोशिश करने, तथ्य छुपाने, सदन और राज्य की जनता को गलत जानकारी और गलत संदेश देने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। यह भी सत्य है कि मुख्यमंत्री इस घोटाले से बच नहीं सकते।

उन्होंने चेतावनी दी कि अनुसूचित जाति और जनजाति का अभिशाप आपको अछूता नहीं छोड़ेगा। ईडी, सीबीआई जांच पहले से ही चल रही है इसलिए उन्हें जवाब देना होगा। विपक्ष के नेता आर.अशोक ने कहा कि इस सरकार के एक मंत्री, एक विधायक, मुख्यमंत्री और कई मंत्रियों ने वाल्मीकि निगम का 187 करोड़ रुपये लूट लिया और उसका इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में किया, जिसका ईडी के प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ हो गया। लूटा गया पैसा कहां गया? उन्होंने कहा कि हमने स्टे नोटिस के जरिए पूछा है कि आप इसे कब वापस लाएंगे। मुख्यमंत्री ने बहादुरी से बात की और कहा कि उनकी सरकार इसमें शामिल नहीं है। तो फिर उनके मंत्री ने इस्तीफा क्यों दिया? उन्होंने पूछा कि क्या उन्होंने बिना सोचे-समझे इस्तीफा दे दिया। आपने खुद माना कि 89 करोड़ की लूट हुई। आत्महत्याओं और लूटपाट की जांच के अलावा क्या यह कहना सही है कि भाजपा सरकार में ऐसा होता था? क्या आपने हमारे खिलाफ 40 प्रतिशत सरकार कहकर पोस्टर नहीं लगाया था? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या 14 महीने बाद भी 40 फीसदी सरकार के मामले में कोई नतीजा निकला है, कुछ नहीं।

दलित की मौत को न्याय मिलना चाहिए। उन्हें लूटा गया पैसा वापस मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस सरकार में अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने हमारी मांगों पर पानी की तरह बात की है। स्पीकर सदन चलाने में विफल रहे हैं, वे मूकदर्शक बनकर बैठे रहे। ऐसे वक्ता से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि स्पीकर का व्यवहार सदन के प्रति सम्मानजनक नहीं है। हम इस घोटाले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे।

बाहर जाते समय घर की चाबियां परिसर में न छोड़ें: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने अपील की कि जनता को यह सुनिश्चित करने के लिए सावधान रहना चाहिए कि शहर में आपराधिक घटनाएं न हों। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने जनता को सलाह दी कि बाहर जाते समय घर की चाबियां परिसर में न छोड़ें। कुछ लोगों के लिए घर में ताला लगाकर चाबी जूता स्टैंड, फ्लावर पॉट, खिड़की और अन्य जगहों पर रखना आम बात है। इस कारण घरों में चोरियां बढ़ रही हैं। इसलिए जनता को सावधान रहना चाहिए। शहर में ऐसी घटनाओं में वृद्धि हो रही हैं। ऐसे में कमिश्नर ने सुझाव दिया कि लोग चाबी जूते-चप्पल में ना रखें। बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं को अपने बैग में कीमती आभूषण और नकदी नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि कुछ लोग सहयात्री बनकर महिलाओं से उनके पैसे और अन्य सामान लूट लेते हैं।

राज्य के कई जिलों में भारी बारिश जारी

जनजीवन अस्त व्यस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के कई जिलों में बारिश का प्रकोप जारी है और बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। शिवमोग्गा, बेलगावी, चिकमगलूरु, उडुपी, कोडागु, उत्तर कन्नड़, हावेरी और कई अन्य जिलों में मूसलाधार बारिश जारी है और जलाशय भरे हुए हैं। गड्ढों और खाईयों में पानी भर जाने से खेतों में पानी भर गया है। कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। हासन आदि स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़क यातायात बाधित हो गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण भारी मात्रा में पहाड़ी मिट्टी हाईवे पर खिसक गई है, जिसे साफ किया जा रहा है। पहाड़ी इलाके में भारी बारिश हो रही है और तुंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। चिकमगलूरु और शिवमोग्गा में बाढ़ की स्थिति है। चिकमगलूरु के कई इलाकों में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। श्रृंगेरी में तुंगा बाढ़ के कारण शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं। गांधी मैदान भारती तीर्थ रोड पर दो दिनों से बाढ़ का पानी जमा है। पश्चिमी घाट में भारी बारिश के कारण तुंगा नदी में भारी मात्रा में पानी बह रहा है और जिले में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। नदी किनारे के गड्ढ उफान पर हैं। शिवमोग्गा के गजनूर में तुंगा जलाशय भर गया है और 71 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। तटीय हिस्से में बारिश जारी है और उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। कई जगहों पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां दे दी गई हैं। चिकमगलूरु में अंबाले और लाक्या होबली के अलावा सभी जगह भारी बारिश हो रही है और बच्चों की सुरक्षा के लिए छुट्टी दे दी गई है। कोडागु में भी बारिश जारी है। मूसलाधार बारिश के कारण भागमंडल और नेपोक्लू में नदियां उफान पर हैं। कावेरी नदी में प्रवाह बढ़ गया है। कावेरी बेसिन में काबिनी, हेमावती, हरंगी, कृष्णराज सागर में भारी मात्रा में पानी बह रहा है। काबिनी पहले से ही भरा हुआ है और भारी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री ने चिकमगलूरु में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रभारी मंत्री केजे जॉर्ज ने जिला प्रशासन को जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने राहत कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठक में चिकमगलूरु की डिप्टी कमिश्नर मीना नागराज सी एन, पुलिस अधीक्षक विक्रम आमटे और जिला पंचायत सीईओ कीर्तना एच एस ने हिस्सा लिया। जिले में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए मंत्री ने युद्ध स्तर पर डेंगू को नियंत्रित करने के उपायों की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने कहा वेक्टर नियंत्रण उपायों को बढ़ाया जाना चाहिए, जन जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ सहयोग और समीक्षा और निगरानी की जानी चाहिए।

राज्य में दिन-ब-दिन कम होता जा रहा है भूजल : प्रियांक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि वह राज्य में दिन-प्रतिदिन घटते भूजल की पृष्ठभूमि में भविष्य के हित को ध्यान में रखते हुए एक उत्कृष्टता केंद्र शुरू करेंगे। विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी ने बताया कि भूजल में गिरावट आ रही है, जिन राज्यों में भूजल में सबसे ज्यादा गिरावट हो रही है उनमें राजस्थान के बाद कर्नाटक का स्थान है। जिसके बाद उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद खतरनाक है। पहाड़ी और तटीय क्षेत्र होने के बावजूद कर्नाटक में भूजल स्तर में काफी गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा, इसलिए हम राजस्व, ग्रामीण विकास और पंचायत राज, आईटीबीटी, कृषि सहित विभिन्न विभागों के समन्वय से इस केंद्र की स्थापना करेंगे। इसके कम से कम 3 से 4 महीने में शुरू होने की उम्मीद है। हमने पहले ही वित्त विभाग को एक प्रस्ताव सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि वहां से मंजूरी मिलते ही काम शुरू कर दिया जायेगा। 2050 तक देश में भूजल स्तर काफी कम हो जाएगा। हमें अगले 100 वर्षों के लिए योजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां भी पानी का मूल्य उपलब्ध होगा, उसका उपयोग किया जायेगा।

काबिनी जलाशय के उफान से दक्षिण कर्नाटक में मैसूरु-नंजनगुड राजमार्ग जलमग्न

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कर्नाटक के मैसूरु जिले में काबिनी जलाशय से भारी मात्रा में पानी निकलने के कारण शुक्रवार को मैसूरु-नंजनगुड राजमार्ग पर मल्लानामूल मठ के पास यातायात प्रभावित हुआ। गुंडलूपेट के रास्ते मैसूरु से नंजनगुड, तमिलनाडु में ऊटी और केरल में वायनाड जाने वाले सभी वाहनों को नंजनगुड के बाहरी इलाके में अदकनहल्ली से भेजा गया। नंजनगुड से मैसूरु की ओर आने वाले वाहनों को तांडवपुरा के रास्ते भेजा जा रहा है। गुरुवार की रात को बहिर्वाह 70,000 क्यूसेक को पार कर गया था, लेकिन शुक्रवार की सुबह घटकर 61,361 क्यूसेक रह गया। जलाशय में आने वाले पानी की दर भी घटकर 49,334 क्यूसेक रह गई। इसलिए, अगर ऊपरी इलाकों में और बारिश नहीं होती है, तो राजमार्ग से पानी कम होने की उम्मीद है।

मेंगलूरु-बेंगलूरु सड़क संपर्क टूटा

सांसद बृजेश कैप्टन चौटा ने अतिरिक्त रेलगाड़ियों की मांग की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण मेंगलूरु और बेंगलूरु को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे सड़क संपर्क टूट गया है। इसके जवाब में, दक्षिण कन्नड़ के सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक और मैसूरु के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र लिखकर मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच अतिरिक्त रेल सेवाओं के तत्काल प्रावधान का अनुरोध किया है।

मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच प्रतिदिन यात्रा करने वाले लोगों की अधिक संख्या और वैकल्पिक परिवहन विकल्पों की कमी को देखते हुए, कैप्टन बृजेश चौटा ने अतिरिक्त रेल सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से इन अतिरिक्त सेवाओं को जल्द से जल्द लागू करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

केआरएस जलाशय में जलप्रवाह में वृद्धि

मांड्या जिले में 92 गांवों की पहचान संवेदनशील के रूप में की गई

नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
कावेरी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश और कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय में जलप्रवाह में वृद्धि की आशंका को देखते हुए मांड्या जिले के अधिकारी पूरी तरह सतर्क हो गए हैं और 92 गांवों की पहचान संवेदनशील के रूप में की गई है। बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी गई है। कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) ने कहा है कि किसी भी समय अतिरिक्त पानी छोड़ा जा सकता है। नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। यह चेतावनी कोडागु जिले में लगातार बारिश के कारण दी गई है, जहां कई स्थानों पर कावेरी नदी उफान पर है। परिणामस्वरूप, केआरएस में आने वाले पानी की दर 44,617 क्यूसेक थी और जलाशय का स्तर शुक्रवार को 124.80 फीट के पूर्ण स्तर के मुकाबले 116.60 फीट था। इसके अलावा, कुशलनगर में हरंगी जलाशय में आने वाला पानी 22,520 क्यूसेक तक पहुंच गया, जबकि बाहर निकलने की दर 15,000 क्यूसेक थी।

शुक्रवार को शाम 4 बजे जलाशय अधिकतम स्तर तक पहुंचने से 4 फीट से थोड़ा अधिक दूर था। हासन जिले में हेमावती जलाशय में भी प्रचुर मात्रा में जलप्रवाह हो रहा है और भंडारण क्षमता का 85 प्रतिशत है। हेमावती में जलप्रवाह की दर 35,871 क्यूसेक थी और जलाशय का स्तर 2916.10 फीट था, जबकि पूर्ण स्तर 2922 फीट है। हेमावती के शिखर द्वार भी खुल जाने के बाद, कावेरी, हरंगी और हेमावती से संचयी प्रवाह केआरएस में जलप्रवाह की दर को बढ़ा देगा। परिदृश्य को देखते हुए, उपायुक्त डॉ. कुमार ने स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि जलाशय से पानी 120 फीट पर पहुंचने पर छोड़ा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि बहाव प्रतिदिन 100,000 क्यूसेक से अधिक हो जाता है तो जिले के 92 गांव प्रभावित हो सकते हैं, जिसके लिए स्थानीय प्रशासन को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। 92 गांवों में से 53 श्रीरंगपटना तालुक में, 15 पांडवपुरा तालुक में और 21 मालवल्ली तालुक में हैं, ये सभी केआरएस कमांड क्षेत्र में आते हैं। इसके अलावा, हेमावती कमांड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले के.आर. पेट के 3 गांव भी प्रभावित होंगे। तालुक स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे पानी छोड़े जाने से पहले संवेदनशील क्षेत्रों में लोगों को सचेत करने के मानक प्रोटोकॉल का पालन करें।

देखभाल के लिए एक समिति भी गठित

अधिकारियों ने किसी भी संकट से निपटने के लिए तालुक और ग्राम पंचायत स्तर पर टास्क फोर्स का गठन किया है।

अधिकारियों को एहतियात के तौर पर लोगों को केआरएस में पानी के स्तर, जिसमें पानी के आने और जाने की दर भी शामिल है, की घोषणा करने का निर्देश दिया गया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तालुक और शहर स्तर पर जोखिम शमन समितियों का गठन किया गया है।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य, बिजली आपूर्ति, सड़क नेटवर्क, वन, झील संरक्षण और फसल क्षति आकलन से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए समितियों की स्थापना की गई है। साथ ही गर्भवती महिलाओं, बच्चों, विकलांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए एक समिति भी गठित की गई है।

भाजपा शासनकाल में हुए घोटालों का होगा पर्दाफाश : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वह सदन में भाजपा शासन के दौरान विभिन्न निगमों में हुए 300 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले का पर्दाफाश करेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में हुए 300 करोड़ के घोटाले को उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सदन में सारी जानकारी देंगे कि कौन से निगम अवैध हैं, उनमें कौन अध्यक्ष था, कौन मुख्यमंत्री था। कुछ निगमों की भ्रष्टाचार के लिए पहले से ही जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ अन्य निगमों की गड़बड़ी की जांच अभी भी चल रही है। वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम की अवैधता की जांच पहले से ही चल रही है। इस पर बहस करना अनावश्यक है, लेकिन हम लोकतांत्रिक व्यवस्था में हैं। उसके लिए हमने चर्चा का अवसर दिया है। हमने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। 89 करोड़ के अवैध धन हस्तांतरण में से 34 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। व्यापक जांच चल रही है। विपक्ष मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग कर रहा है। लेकिन मै पूछना चाहता हूं कि क्या बैंक में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस्तीफा देना चाहिए। बोवी कॉर्पोरेशन में 87 करोड़, एपीएमसी में 47 करोड़, हस्तशिल्प विकास निगम में 27 करोड़, अंबेडकर विकास निगम में 5 करोड़, देवराजू अरसु ट्रक टर्मिनल कॉर्पोरेशन में 47 करोड़, पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड में 10 करोड़, केआईएडीबी से सेलम को हस्तांतरित धन सहित 300 करोड़ का घोटाला है। इस पर सदन में चर्चा करेंगे। इससे पहले बसन गौड़ा पाटिल यतनाल ने दावा किया था कि उनकी पार्टी में हर पद के लिए पैसे तय हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कमेटी ने इसकी कोई जांच नहीं की। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि क्लबों का एक ड्रेस कोड होता है। हालाँकि, मॉल्स में कोई ड्रेस कोड नहीं है। इसलिए धोती पहनकर मॉल में जाने में कोई रुकावट नहीं है। वह विघटनकारी मॉल्स के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। ज्ञातव्य है कि मंगलवार की शाम को, हावेरी जिले के 70 वर्षीय किसान फकीरप्पा को उनके बेटे नागराज और पत्नी मल्लम्मा के साथ बेंगलूरु के मगदी रोड स्थित जीटी वर्ल्ड मॉल में प्रवेश करने से मना कर दिया गया। उन्हें उनके पहनावे के कारण प्रवेश नहीं दिया गया, क्योंकि वे धोती पहने हुए थे। इस घटना के बाद विवाद खड़ा हो गया और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मॉल के प्रबंधन ने माफी मांगी और सुरक्षा गार्ड ने भी घटना के लिए माफी मांगी। फकीरप्पा के परिवार ने एक कन्नड़ फिल्म के लिए टिकट बुक किए थे और टिकट होने के बावजूद उनके परिवार को प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया गया। सुरक्षा गार्ड ने कहा कि धोती पहने लोगों को मॉल में प्रवेश की अनुमति नहीं है। जिसके बाद कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में घोषणा की कि बेंगलूरु के जिस मॉल में किसान का अपमान किया गया और उसे प्रवेश नहीं करने दिया गया, उसे सात दिन के लिए बंद रखा जाएगा। शहरी विकास और नगर नियोजन मंत्री बैरती सुरेश ने सदन में यह घोषणा की। मंत्री सुरेश ने कहा सरकार के कानून के अनुसार, किसान को मॉल में प्रवेश न देने के लिए जीटी मॉल सात दिन के लिए बंद रहेगा।

पिछड़ा वर्ग के लिए 150 छात्रावास शीघ्र किए जाएंगे प्रारंभ : मंत्री शिवराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछड़ा वर्ग मंत्री शिवराज थंगदागी ने कहा कि राज्य भर में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लिए 150 छात्र छात्रावास जल्द ही

शुरू किए जाएंगे। विधान परिषद में सदस्य बबन्ना तलवार के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 75 लड़कियों और 75 लड़कों सहित कुल 150 छात्रावास खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पिछले बजट में इसकी घोषणा की थी। मैसूरु, बेलगावी, धारवाड़ सहित विभिन्न शैक्षणिक जिलों को उच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सबसे पहले जिला केन्द्रों पर छात्र छात्रावास शुरू करने का विचार आया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे छात्रों की संख्या बढ़ रही है, इसे तालुक स्तर पर भी शुरू किया जाएगा। पिछले साल 2,28,000 छात्र पिछड़े, एससी-एसटी छात्रावासों में पढ़ रहे थे। छात्रावासों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिये गये हैं। पहले हर तीन माह में खाद्य पदार्थों की जांच होती थी। उन्होंने कहा कि अब से हर माह जांच कराने का सख्त निर्देश दिया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जिला आयुक्तों और सीईओ की बैठक ली है और चेतावनी दी है कि यदि छात्र छात्रावासों में खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की आपूर्ति की गई, तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। अभी तक खाद्य सामग्री खरीद के लिए जिला स्तर पर टेंडर बुलाए जाते थे। यह उन लोगों के लिए उपलब्ध था जिन्होंने निविदा में भाग लिया था। उन्होंने बताया कि अब से तालुक स्तर पर निविदाएं बुलाई जाएंगी।

पापनाशिनी नदी उफान पर, उडुपी में भयंकर बाढ़

निवासियों ने नाव परिवहन का सहारा लिया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
उडुपी में भारी बारिश के कारण व्यापक बाढ़ आ गई है, जो पापनाशिनी नदी के उफान से और भी बढ़ गई है। प्रभावित क्षेत्रों में मटाडा कुदरू, केमथुर और बोल्जे शामिल हैं, जहां निवासियों ने नाव परिवहन का सहारा लिया, क्योंकि नदी का पानी आवासीय क्षेत्रों में घुस गया है। अरब सागर से आने वाली तेज हवाओं ने नदी के प्राकृतिक प्रवाह को समुद्र की ओर बाधित कर दिया है, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है, खासकर स्कूली बच्चों में, जो अपनी शिक्षा में व्यवधान को लेकर चिंतित हैं। करावली बाईपास के साथ अपर्याप्त जल निकासी बुनियादी ढांचे ने कृत्रिम बाढ़ का कारण बना है, जिससे सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है। बोल्जे जैसे निवासियों ने मरम्मत की जरूरत वाले 37 साल पुराने पुल जैसे पुराने बुनियादी ढांचे पर शिकायतें व्यक्त की हैं। स्थानीय अधिकारियों जैसे कि ग्राम पंचायत और विधायक से अपील के बावजूद, कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सड़कों और स्ट्रीट लाइटों सहित बुनियादी सुविधाओं की यह उपेक्षा, खास तौर पर बरसात के मौसम में बड़ी चुनौतियां पेश करती है। बोल्जे के एक निवासी ने कहा पुल 37 साल पुराना है और इसकी मरम्मत की जरूरत है।

ग्राम पंचायत और विधायक से अपील के बावजूद हमें कोई जवाब नहीं मिला है। सड़कों और स्ट्रीट लाइटों जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी, खास तौर पर बरसात के मौसम में आने-जाने वाले छात्रों के लिए बड़ी चुनौतियां पेश करती है। हम विधायक और अन्य अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि वे हमारी चिंताओं का तुरंत समाधान करें। स्थानीय निवासी जयराम थिंगालय ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा हर साल मानसून के दौरान हमें इस समस्या का सामना करना पड़ता है, कभी-कभी पानी हमारे घरों के अंदर चला जाता है। पुलों के निर्माण के दौरान नदी के वेग को रोकने के लिए मिट्टी से नदी को भर दिया जाता है, लेकिन पुल के निर्माण के बाद मिट्टी को ऐसे ही छोड़ दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप भारी बारिश के दौरान इस क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है।

मटाडा कुदरू के नितिन ने कहा हर साल मानसून के दौरान पापनाशिनी नदी उफान पर आ जाती है और आस-पास के क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है। पिछले दो दिनों से करकला और धर्मस्थल में भारी बारिश के कारण नदी उफान पर है। अगर बारिश जारी रही, तो यहां रहने वाले लोगों को दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की आवश्यकता होगी। उदयावर के अभिनंदन ने मौजूदा स्थिति का वर्णन करते हुए कहा पापनाशिनी नदी के बढ़ते पानी के कारण बार-बार बाढ़ आने के कारण परिवहन के लिए नावों का उपयोग किया जा रहा है। अदमारू मठ से 23 घरों और गायों को नाव के माध्यम से सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। समुदाय ने अधिकारियों से इन चिंताओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है, ताकि मानसून के मौसम में बार-बार नदी के अतिप्रवाह के प्रभाव को कम किया जा सके, क्योंकि इससे घरों को खतरा पैदा होता है और प्रभावित क्षेत्रों में दैनिक जीवन बाधित होता है।

वाल्मीकि निगम घोटाला

राज्य सरकार 85 करोड़ रुपये वसूलेगी : सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को कहा कि सरकार एसटी विकास निगम में गबन किए गए 85.25 करोड़ रुपये की वसूली की प्रक्रिया में है। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधा और भगवा पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान हुए 21 घोटालों का जिक्र किया। सिद्धरामैया विधानसभा में कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम में घोटाले पर बहस का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा पर राजनीतिक हमले किए, जिसके सदस्य सदन के वेल में विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा हमारी सरकार बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई या नरेंद्र मोदी की सरकार नहीं है, जो लूटने वालों को छोड़ दे। हम भ्रष्टाचार से समझौता नहीं करेंगे।

सिद्धरामैया ने कहा कि उनकी सरकार के विशेष जांच दल

(एसआईटी) ने गबन के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। सिद्धारमैया ने कहा यह (गबन) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और कॉरपोरेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ निजी धोखेबाजों की साजिश लगती है। उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि पूर्व मंत्री बी नागेंद्र इसमें शामिल थे या नहीं। चूंकि जांच चल रही है, इसलिए किसी एक व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करना गलत होगा। सिद्धरामैया के अनुसार, गबन किए गए 89.53 करोड़ रुपये में से, अधिकारी 85.25 करोड़ रुपये की वसूली के विभिन्न चरणों में हैं।

बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में, सिद्धरामैया ने बताया कि हैदराबाद में 18 खातों में 89.63 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए गए थे। उन 18 खातों से, पैसा अन्य 199 खातों में चला गया। कुल मिलाकर, 217 खाते थे। विधानसभा में, सिद्धरामैया ने भाजपा से पूछा आपने अपने कार्यकाल के दौरान हुए घोटालों में कितना पैसा वसूल किया है? सीएम ने एसटी निगम के निलंबित एमडी जेजी पद्मनाभ का मामला उठाकर भाजपा पर चुटकी ली। उन्हें अंबेडकर विकास निगम में इसी तरह के घोटाले के लिए 2017-18 में भी निलंबित किया गया था। लेकिन आपकी (भाजपा) सरकार ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। क्या यह भाजपा नहीं थी जिसने उन्हें बड़ी लूट को अंजाम देने की छूट दी थी।

कार्यवाही के दौरान मंत्रियों और विधायकों को सदन में मौजूद रहना होगा : बसवराज होराट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सदन की कार्यवाही के दौरान मंत्रियों के फिर से अनुपस्थित रहने पर अध्यक्ष बसवराज होराट्टी बाहर आए और सरकार को फिर से आड़े हाथों लिया। सुबह जब सदन शुरू हुआ तो सत्ता पक्ष की कतार में मुट्ठी भर मंत्री बैठे थे। इसी समय सभापति ने सवाल-जवाब का दौर शुरू किया और संबंधित सदस्यों को सवाल पूछने का निर्देश दिया।

तब जद(एस) के भोजे गौड़ा ने कहा कि नियमों के मुताबिक सदन में कुल 8 मंत्री होने चाहिए, जिनमें छह मंत्री जवाब देंगे। यहां गिनती के ही मंत्री हैं। क्या अध्यक्ष के शब्द बेकार हैं?

उन्होंने ऊंचे स्वर में सवाल किया कि फिर सदन क्यों बुलाया जाए। इस दौरान स्पीकर बोसराज, सदस्य इवान डिसूजा और अन्य ने भोजे गौड़ा को जवाब देते हुए

कहा कि वह हर चीज में राजनीति न करें।

जिसके बाद भोजे गौड़ा ने फिर कहा कि सदन में बोसराज, एचके पाटिल, ईश्वर खंड्रे, दिनेश गुंडूराव, केएच मुनियप्पा, शरणप्रकाश पाटिल समेत कुल 8 मंत्री होने चाहिए। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि वह कहां गए। तब स्पीकर होराट्टी ने कहा कि कार्यवाही के दौरान मंत्रियों और विधायकों को सदन में मौजूद रहना होगा। अधिकारी नहीं होंगे तो कैसे? उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि मेरे लिए हर दिन ये कहना ठीक नहीं है।

यूपीएससी ने पूजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की उम्मीदवारी रद्द करने के लिए नोटिस किया जारी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने महाराष्ट्र केडर की प्रशिक्षु भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी पूजा खेडकर के कदाचार की विस्तृत और गहन जांच करने के बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और उसका चयन रद्द करने तथा भविष्य की परीक्षाओं से वंचित करने के लिए उसे कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

यूपीएससी ने शुक्रवार को कहा कि जांच में पाया कि पूजा ने नियमों का उल्लंघन किया है। यूपीएससी ने कहा, सिलसेवार जांच से पता चला है कि प्रशिक्षु आईएएस ने धोखाधड़ी से सिविल सेवा परीक्षा की उच्चतम आयु सीमा को बढ़ाया जिसके लिए उसने अपना नाम, अपने पिता-माता का नाम, अपनी तस्वीर/हस्ताक्षर, अपना ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर अपनी फर्जी पहचान बनाकर परीक्षा नियमों के तहत स्वीकार्य सीमा से अधिक प्रयास का लाभ उठाया। इसके लिए उसके खिलाफ पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। उसका चयन रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं से वंचित करने के लिए उसे कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में अपने संवैधानिक जनादेश का सख्ती से पालन करता है और बिना किसी

समझौते के उचित परिश्रम के उच्चतम क्रम के साथ सभी परीक्षाओं सहित अपनी सभी प्रक्रियाओं का संचालन करता है। यूपीएससी ने अत्यंत निष्पक्षता और नियमों के सख्त पालन के साथ अपनी सभी परीक्षा प्रक्रियाओं की पवित्रता और अखंडता सुनिश्चित की है। यूपीएससी ने जनता, विशेषकर उम्मीदवारों से बहुत उच्च स्तर का विश्वास और विश्वसनीयता अर्जित की है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध है कि विश्वास और विश्वसनीयता का ऐसा उच्च क्रम बरकरार रहे और समझौता न किया जाये।

इस सप्ताह की शुरुआत में, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) ने पूजा के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को रोक दिया और उसे वाशिम से अकादमी में वापस बुला लिया। उसने पुणे से स्थानांतरित होने के बाद वाशिम में अपना प्रशिक्षण जारी रखा था। उल्लेखनीय है कि जून 2024 में अपने परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में पुणे कलेक्टरेट में शामिल हुई पूजा पर यूपीएसई सिविल सेवा परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) कोटा का दुरुपयोग करने का भी आरोप है।

पुणे के कलेक्टर सुहास दिवसे द्वारा पूजा की विशेष सुविधाओं की अनुपयुक्त मांगों के बारे में प्रस्तुत की गई एक रिपोर्ट ने मौजूदा विवाद को जन्म दिया है। जून 2023 की एक घटना को लेकर पुलिस ने उसकी मां और पिता पर भी मामला दर्ज किया है। पूजा की मां मनोरमा खेडकर को ग्रामीण पुलिस ने कथित तौर पर बंदूक दिखाकर किसानों को धमकाने के आरोप में गुरुवार को गिरफ्तार किया है। मनोरमा के खिलाफ किसानों को धमकाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि इसी शिकायत के आधार पर मनोरमा को रायगढ़ जिले के महाड स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया गया।

राष्ट्रपति ने सेना व नौसेना प्रमुख सहित 31 अधिकारियों को परम विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी सहित 31 वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को शुक्रवार को परम विशिष्ट सेवा पदकों से सम्मानित किया।

श्रीमती मुर्मु ने यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के दूसरे चरण के दौरान सैन्य कर्मियों को विशिष्ट और लेखनिया सेवा के लिए ये पदक के प्रदान किए। उन्होंने सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक बल के 94 कर्मियों को विशिष्ट सेवा अलंकरण भी प्रदान किए। इन अलंकरणों में 31 परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), चार उत्तम युद्ध सेवा पदक (यूवाईएसएम), दो बार सहित अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), और 57 एवीएसएम पदक शामिल हैं।

हाल ही में सेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख नियुक्त किए गए जनरल दिवेदी और एडमिरल त्रिपाठी को भी परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ अनेक गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अमित शाह ने की खुफिया ब्यूरो के कामकाज की समीक्षा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विभिन्न सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों के साथ शुक्रवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए देश में सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए जिम्मेदार खुफिया ब्यूरो (आईबी) के मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) के कामकाज की समीक्षा की।

जम्मू कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा बलों की आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने देश भर की सुरक्षा एजेंसियों और अन्य खुफिया और प्रवर्तन एजेंसियों के

प्रमुखों को राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार का संपूर्ण और समग्र दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने देश में उभरते सुरक्षा खतरे के परिदृश्य से निपटने के लिए आतंकी नेटवर्क और उनके सहायक इको-सिस्टम को खत्म करने के लिए सभी एजेंसियों के बीच अधिक तालमेल पर जोर दिया। गृह मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि एमएसी को विभिन्न हितधारकों के बीच सक्रिय और वास्तविक समय पर कार्रवाई योग्य जानकारी साझा करने के लिए एक मंच के रूप में दिन रात काम करना जारी रखना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, एमएसी ढांचा अपनी पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए व्यापक तकनीकी और परिचालन सुधार के लिए तैयार है।

बिलकिस बानो मामले में दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से झटका, अंतरिम जमानत की अर्जी खारिज

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में दो दोषियों की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। दोषियों ने 8 जनवरी को गुजरात सरकार के फैसले को रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए अंतरिम जमानत याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को याचिका की वैधता पर सवाल उठाते हुए उसे खारिज कर दिया।

जस्टिस संजीव खन्ना और पीवी संजय कुमार की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अपराधियों को ऐसा कोई लाभ नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की दूसरी बेंच के आदेश पर अपील कैसे की जा सकती है? कोर्ट ने पूछा कि ये

क्या अनुरोध है? इसे कैसे स्वीकार किया जा सकता है? ये बिल्कुल गलत है। हम अनुच्छेद 32 के तहत अपील पर कैसे विचार कर सकते हैं? कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद दोनों अपराधियों ने अपनी याचिका वापस ले ली।

बिलकिस बानो मामले के दोषी राधे श्याम भगवान दास शाह और राजूभाई बाबूलाल सोनी की ओर से पेश वकील ऋषि मल्होत्रा ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसके बाद अदालत ने अनुमति दे दी। इन दोषियों ने अंतरिम जमानत के लिए भी अर्जी दाखिल की थी। उन्होंने मांग की थी कि जब तक उनकी सजा माफ करने पर कोई नया फैसला नहीं हो जाता तब तक उन्हें अंतरिम जमानत दी जाए।

इन दोनों अपराधियों ने उसी साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अंतरिम जमानत के लिए तर्क दिया था कि न्यायाधीशों की दो पीठों ने गुजरात सरकार के फैसले पर अलग-अलग रुख अपनाया था और उनकी सजा में झूठ को खारिज करने वाला 8 जनवरी का फैसला 2022 की संविधान पीठ के खिलाफ था। उन्होंने मांग की कि इस मामले को अंतिम फैसले के लिए बड़ी पीठ के पास भेजा जाए। अपराधियों की ओर से पेश वकील ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि अब इस मामले में कोर्ट के दो फैसले हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना चाहिए कि कौन सा फैसला सही होगा। इस पर जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि दूसरे फैसले को सही माना जाना चाहिए।

गौरतलब है कि उसी साल 8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंग रेप मामले में सभी दोषियों को गुजरात सरकार द्वारा दी गई माफी रद्द कर दी थी। अपने 8 जनवरी के फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला था कि बिलकिस बानो मामले में 11 बलात्कार दोषियों पर लागू छूट नीति महाराष्ट्र (जहां बलात्कार मामले की सुनवाई हुई थी) की नीति थी, न कि गुजरात सरकार की। इसलिए गुजरात सरकार उस हिसाब से फैसला नहीं कर सकती।

भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को देता हैं महत्व

भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता को लेकर अमेरिका के बयान को किया खारिज

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
भारत ने अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी की रणनीतिक स्वायत्तता को लेकर दिये गये बयान शुक्रवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझीदारी में वैचारिक असहमति का भी सम्मान निहित है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी राजदूत के बयान के बारे में पूछे जाने पर कहा, भारत, कई अन्य देशों की तरह, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता है। अमेरिकी राजदूत अपनी राय रखने के

हकदार हैं। जाहिर है, हमारे विचार अलग-अलग हैं। अमेरिका के साथ हमारी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी हमें एक-दूसरे के दृष्टिकोण का सम्मान करते हुए, कुछ मुद्दों पर असहमत होने के लिए सहमत होने का अवसर देती है।

एक पूरक प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने कहा, भारत और अमेरिका, व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझीदार के रूप में, आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर नियमित चर्चा करते हैं। राजनयिक बातचीत का ब्योरा साझा करना हमारी परंपरा नहीं है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमले के बारे में एक सवाल पर श्री जायसवाल ने कहा, हमने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की खबरें देखी हैं। खबर के कुछ ही घंटों के भीतर हमारे प्रधानमंत्री ने हमले पर गहरी चिंता जताई और घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने यह भी कहा था कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। अमेरिका एक साथी लोकतंत्र है और हम उनके अच्छे होने की कामना करते हैं।

बिहार में भी लागू हुई फिल्म प्रोत्साहन नीति

अब बिहार में भी बनेंगी फिल्में, बदलेगा माहौल

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
बिहार में फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। नई शताब्दी में प्रवेश के साथ ही बिहार से यह मांग उठ रही थी।

वर्ष 2005 में जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने बिहार के बदलाव की बात की। उसके बाद से इस मांग ने लगातार तेजी पकड़ी। बिहार आने वाले तमाम अभिनेताओं और निर्माता-निर्देशकों ने बिहार में फिल्म प्रोत्साहन नीति नहीं होने की बात कही। आज 19 जुलाई 2024 बिहार के लिए एक बड़ी तारीख बन गया, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल ने फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 को हरी झंडी दी। इस प्रोत्साहन नीति के कारण अब बिहार में फिल्में आसानी से बनेंगी। अबतक भोजपुरी इंडस्ट्री की भी फिल्में यहां कभी-कभी ही बन पा रही थीं, लेकिन अब बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग भी हो सकेगी।

देश के जाने-माने फिल्म समीक्षक विनोद अनुपम ने कहा, देर आए, दुरुस्त आए। अब बिहार में फिल्मी कलाकार आएंगे। फिल्म बनाने वाले आएंगे। फिल्में बनेंगी। बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति के एक नहीं हजार फायदे होंगे। सबसे बड़ा फायदा यह कि बिहार में रोजगार की संभावना खूब बढ़ जाएगी। फिल्मी दुनिया के लोग शूटिंग करने जहां भी जाएंगे, उस आसपास रोजगार की संभावना बनेगी।

फिल्मों में अवसर मिलने की संभावना बढ़ेगी। फिल्म प्रोत्साहन नीति के कारण अब भोजपुरी के साथ ही बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक भी बिहार से जुड़ जाएंगे। सिंगल विंडो सिस्टम से उन्हें अनुमति और सुरक्षा मिलने लगेगी तो अन्य राज्यों की तरह वह बिहार में फिल्मों की शूटिंग करने आएंगे।

फिल्मकार बिहार का रुख करेंगे तो बिहार छवि भी बदलेगी। उन्हें पता चलेगा कि असल बिहार वह नहीं, जो फिल्मों में दिखा रहे हैं। फिल्मों की कड़ी समीक्षा के लिए मशहूर विनोद अनुपम भी इस बात की तसदीक करते हैं। वह कहते हैं, फिल्मकार असली बिहार देखेंगे तो फिल्मों में भी बिहार की नकारात्मक छवि दिखनी काफी हद तक बंद हो जाएगी। मुझे लगता है कि तीसरी कसम छोड़कर किसी भी फिल्म ने बिहार की छवि को अच्छा नहीं बनने दिया। अब फिल्मकारों का बिहार की ओर आना इस मायने में जरूर फायदेमंद होगा।

अग्निवीरों के लिए हरियाणा सरकार की योजना में मोदी ने दिखाई विशेष रुचि

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात कर हरियाणा में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री से अग्निवीर और प्रदेश तथा केन्द्र सरकार द्वारा गरीब कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद श्री सैनी ने यहां हरियाणा भवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हरियाणा के अग्निवीरों को प्रदेश

सरकार द्वारा बडा लाभ देने का फैसला किया गया है। अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों की भर्ती में 10 प्रतिशत होरीजेनटल आरक्षण का लाभ व आयु में पांच और तीन साल की नियामानुसार छूट, रोजगार के लिए पांच लाख तक ऋण बिना ब्याज देने सहित विभिन्न फैसले लिए गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर योजना पर प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान है। हरियाणा का जो उद्योग अग्निवीर को नौकरी देती है तो उस संस्थान को 60 हजार रुपये की छूट दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने अग्निवीरों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई गई योजना के बारे में ध्यानपूर्वक सुना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब व्यक्ति को चिंता करने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री जिस तरह एक-एक योजना की बारीकी से फीडबैक ले रहे है उससे स्पष्ट है कि अंतिम व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने हरियाणा में संचालित की जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली है। वहीं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी फीडबैक लिया है। दोनों नेताओं ने राज्य में विभिन्न विकास कार्य और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की। श्री सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री का विजन देश को विकसित राष्ट्र बनाने और गरीब व्यक्ति को खुशहाल और मजबूत बनाने का है, इसमें हरियाणा अपना योगदान देगा। हरियाणा में विकास कार्यो को गति देने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी।

सीएम हिमंता बिस्वा के झारखंड दौरे में सुरक्षा पर होने वाला खर्च चुकाएगी असम सरकार

रांची, 19 जुलाई (एजेंसियां)।
असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के झारखंड में होने वाले दौरे में उनकी सुरक्षा के प्रोटोकॉल पर होने वाला पूरा खर्च असम की प्रदेश सरकार चुकाएगी। इसे लेकर असम पुलिस की स्पेशल ब्रांच के एडीजीपी हितेश चंद्र नाथ ने झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा है। इस पत्र में बताया गया है कि सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड में चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया है। ऐसे में उन्हें राजनीतिक कार्यों से लगातार झारखंड का दौरा करना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर हिमंता

बिस्वा सरमा को पूरे भारत में जेड प्लस सिक्योरिटी के साथ-साथ सीआरपीएफ का सिक्योरिटी कवर प्रदान किया जाना है। पत्र में झारखंड पुलिस से आग्रह किया गया है कि वे जब भी झारखंड दौरे पर रहें, उन्हें इसी के अनुरूप सुरक्षा मुहैया कराई जाए।

एडीजीपी हितेश चंद्र नाथ ने पत्र में यह भी कहा है कि सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के दौरे पर सिक्योरिटी पर झारखंड सरकार का जितना भी खर्च हो, उसके बिल उन्हें भेज दिए जाएं ताकि असम सरकार की ओर से इसका भुगतान किया जा सके। बता दें कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने हाल में सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के भाजपा के चुनाव सह प्रभारी के रूप में बार-बार झारखंड दौरे पर सवाल खड़ा किया था। पार्टी के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि असम के सीएम के लगातार दौरे की वजह से झारखंड सरकार को सुरक्षा मद में अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ रहा है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दें

सीएम योगी का बड़ा फैसला

कांवड़ मार्ग में दुकानों पर लिखना होगा नाम

हलाल प्रोडक्ट बेचने पर होगी कार्रवाई

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रियों के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूरे यूपी में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों पर संचालकों-मालिकों का नाम और पहचान बतानी होगी। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके अलावा हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई होगी। उधर, इस फैसले का अखिलेश यादव और मायावती ने कड़ा विरोध किया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सामाजिक सद्भाव की दुश्मन है। समाज का भाईचारा बिगाड़ने का कोई न कोई बहाना ढूंढ़ती रहती है। भाजपा की इन्हीं विभाजनकारी नीतियों के चलते प्रदेश का सामाजिक वातावरण प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को लेकर मुजफ्फरनगर पुलिस ने नया फरमान जारी किया है कि ठेले-ढाबे सहित सभी दुकानदार अपना नाम बाहर जरूर लिखें। इसके पीछे सरकार की मंशा अल्पसंख्यक वर्ग को समाज से अलग बांटने और उन्हें शक के दायरे में लाने की है। जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की नीति और नीयत दोनों विभाजनकारी हैं, जिसे जनता समझ चुकी है। उन्होंने मांग की कि न्यायालय स्वतः संज्ञान ले और प्रशासन के पीछे के शासन तक की मंशा की जांच करवाकर उचित कार्यवाही करे।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग के दुकानदारों का नाम लिखने का मुजफ्फरनगर पुलिस का फरमान गलत परंपरा है। यह सौहार्दपूर्ण माहौल को बिगाड़ सकता है। जनहित में प्रदेश सरकार को इस आदेश को तत्काल वापस लेना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने बृहस्पतिवार को एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि पश्चिमी यूपी व मुजफ्फरनगर के कांवड़ यात्रा रूट में पड़ने वाले सभी होटल, ढाबा, ठेला आदि के दुकानदारों को मालिक का पूरा नाम प्रमुखता से प्रदर्शित करने का नया सरकारी आदेश गलत परंपरा है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने संभल जिले में स्कूली बच्चों के जूते उतारने के मामले पर कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सरकारी बेसिक स्कूलों में शिक्षक व छात्रों को कक्षा में जूते-चप्पल उतार कर जाने का अनुचित आदेश भी चर्चा में है। इस मामले में भी राज्य सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिए।

प्राकृतिक खेती अभियान के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं : मुख्यमंत्री

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राकृतिक खेती हेतु जिस अभियान को आगे बढ़ाया था, उसके अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। पहले लोगों के मन में प्राकृतिक कृषि पद्धति को लेकर संशय की स्थिति थी, लेकिन वर्तमान में इसके प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है। हमें उत्पादों के प्राकृतिक स्वरूप को बीज से लेकर बाजार तक बनाए रखना होगा। उत्तर प्रदेश में इसकी व्यापक सम्भावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में देश की कुल कृषि योग्य भूमि का लगभग 12 प्रतिशत है। इसमें देश के लगभग 20 प्रतिशत खाद्यान्न का उत्पादन किया जाता है। राज्य में पर्याप्त जल संसाधन है। हमें आज की आवश्यकता के अनुरूप उत्पादों की क्वालिटी पर ध्यान देना होगा, ताकि हैप्पीनेस इंडेक्स की अवधारणा को जमीनी धरातल पर उतारा जा सके। इसके लिए प्रदेश में कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। प्रदेश में 04 राज्य कृषि विश्वविद्यालय तथा 02 केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय हैं। 05वां राज्य कृषि विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। राज्य में 89 कृषि विज्ञान केंद्र हैं। इन सभी संस्थाओं, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा मंडी समितियों से प्राकृतिक कृषि उत्पादों/खाद्यान्नों के सर्टिफिकेशन के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने को कहा गया है।

उत्पाद बाजार तक पहुंचने पर तत्काल सर्टिफिकेशन की कार्यवाही से जोड़ा जाना चाहिए। उत्पादों की अच्छी कीमत उपलब्ध कराने तथा प्रचार-प्रसार लिए प्रत्येक मण्डी में इनका स्टोर बनाने की दिशा में कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों से सर्टिफिकेशन लैब को इम्प्रूव करने के लिए कहा गया है। इसके लिए धनराशि की व्यवस्था प्रदेश सरकार द्वारा की जाएगी। मंडी से इस धनराशि की व्यवस्था के लिए पहले से प्रावधान कर दिया गया है। वहां पहले से स्थापित लैब को अपग्रेड करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने में हरित क्रांति का लाभ प्राप्त हुआ है। लेकिन यह अधूरा सच है। यदि आप 17वीं और 18वीं सदी में भारत के कुछ प्रान्तों में प्राकृतिक कृषि पद्धति के माध्यम से की गई खेती की उत्पादन की दरों को देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि विगत डेढ़ सौ वर्षों से जो पढ़ाया जा रहा है तथा वास्तविक तथ्यों में क्या अंतर है। हमें इतिहास के पन्नों को पलटना पड़ेगा। जब धरती के प्राकृतिक स्वरूप में खेती किसानी के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया, तो देश में ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं जिनसे पता चलता है कि उस समय हरित क्रांति से ज्यादा उत्पादकता थी।

उत्तराखंड में भी कांवड़ मार्ग पर वही नियम लागू

देहरादून, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की तरह अब उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकानदारों को होटल और ढाबे वालों को रेट लिस्ट के साथ ही अपना नाम भी लिखना होगा। हरिद्वार पुलिस प्रशासन ने रेस्तरां मालिकों को कांवड़ यात्रा मार्ग पर नाम प्रदर्शित करने का आदेश जारी किया है। उत्तराखंड में भी कांवड़ मार्ग पर जो होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट हैं या जो रेड़ी-पटरी वाले हैं उन्हें दुकान पर मालिक का नाम लिखना होगा।

हरिद्वार के एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने बताया कि कांवड़ मार्ग पर जो होटल, ढाबे, रेस्तरां हैं या जो रेड़ी-पटरी वाले हैं उन्हें उनके मालिक का नाम अनिवार्य रूप से लिखना होगा। ऐसा न करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीते दिनों हरिद्वार में कुछ संगठनों ने पुलिस के सामने मांग उठाई थी कि कांवड़ मार्ग पर शिव भक्तों को कोई परेशानी न हो इसके लिए दुकानदार दुकानों पर अपना नाम जरूर लिखें। जिसके बाद अब पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए यह फैसला लिया है।

मंगलौर क्षेत्र में ढाबे पर लहसुन और प्याज का भोजन परोसे जाने से हुए हंगामे के बाद पुलिस ने ढाबा और होटल संचालकों के साथ बैठक की। इसमें पुलिस ने कहा कि ढाबा और होटलों में कांवड़ यात्रा के दौरान लहसुन और प्याज का खाना नहीं परोसा जाएगा। साथ ही मांसाहार किसी भी स्थिति में नहीं बनाया जाएगा।

लखनऊ पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा

प्राकृतिक खेती करने पर किसानों को मिलेगी सब्सिडी

नहीं संभले तो यह धरती रहने लायक नहीं बचेगी

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए केमिकल और फर्टिलाइजर के प्रयोग का परिणाम हम सबके सामने है। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज को लेकर चिंतित है, लेकिन इसके जिम्मेदार हम खुद हैं। इससे ये सिद्ध हो गया है कि आने वाली पीढ़ी के लिए ये धरती रहने लायक नहीं रहेगी। ऐसे में हमें समय रहते संभलना होगा। इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देने पर विचार कर रही है। ये बातें शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर आधारित भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कही।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत सर्वे भवन्तु सुखिनः: सर्वे सन्तु निरामयाः, को आत्मसात कर आगे बढ़ने वाला देश है। भारत की यह भावना प्राचीन खेती में भी निहित थी। उस समय खेती में केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल नहीं होता था। ऐसे में धरती उपजाऊ होती थी और अन्न पोषक पैदा होते थे। वहीं धीरे-धीरे धरती पर दबाव बढ़ता गया और उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल होने लगा। साथ ही नई-नई वैरायटी के लिए ऐसे बीज का प्रयोग होने लगा जिसमें ज्यादा खाद, पानी और कीटनाशक की जरूरत पड़ने लगी। इससे उत्पादन तो बढ़ा, लेकिन बीमारियां भी बढ़ती गईं। इसके लिए कैंसर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें चलानी पड़ीं। आज हम सभी अपनी सेहत को लेकर काफी गंभीर हैं। यही वजह है कि लोग बिना केमिकल फर्टिलाइजर के कृषि उत्पाद को खरीदने के लिए दोगुने दाम देने को तैयार हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन में कमी आएगी, यह लोगों का भ्रम है। प्राकृतिक खेती से न तो उत्पादन कम होगा और न ही भंडारण में कमी आएगी। उन्होंने ऐसे किसानों को बधाई दी जो बिना केमिकल फर्टिलाइजर के अनाज का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीटनाशक दवाइयों के इस्तेमाल से धरती की उर्वरक क्षमता प्रभावित होती है। इससे कीट मित्र जमीन से खत्म होते जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि दुनिया में आपदाएं बढ़ती जा रही हैं। यह मानव जाति के अस्तित्व पर खतरा है। ऐसे में हमे समय रहते सावधान रहना होगा और धरती के अस्तित्व को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत सरकार धरती के अस्तित्व को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए भारत सरकार प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सब्सिडी देगी। इसके लिए उन्हे प्राकृतिक खेती के सर्टिफिकेशन की भी व्यवस्था करेगी। साथ ही तीन साल तक किसानों की क्षतिपूर्ति के लिए उनके खातों में पैसा भेजेगी। उन्होंने कहा कि बिना केमिकल के उत्पादन के साथ स्वाद भी बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए भारत सरकार संकल्पित है।

दसवीं फेल अंकुश ने 15 वर्षों में बनाया सौ करोड़

सट्टा की कमाई, अब जेल में घिसाई

आगरा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट सट्टे में अपना बड़ा नाम खड़ा करने वाला बुकी अंकुश मंगल दसवीं फेल है। उसने 15 वर्षों में सट्टे की कमाई से सौ करोड़ रुपए की संपत्ति बना ली। आगरा पुलिस ने उस पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा लिखा गया। जिसके बाद क्रिकेट सट्टे के बड़े बुकी अंकुश मंगल ने मंगलवार को कोर्ट में गुपचुप समर्पण कर दिया। दो महीने से पुलिस उसकी तलाश में लगी थी। मगर, गिरफ्तारी नहीं कर सकी। उसे 31 मई तक का कोर्ट से स्टे मिला था।

थाना कमला नगर के तत्कालीन इंस्पेक्टर आनंद वीर सिंह ने सितंबर 2023 में अंकुश के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज कराया था। वह गैंग लीडर था। मुकदमे में अंकित गर्ग, रिंकू कुमार सिंघल, अरुण शर्मा, वरुण अग्रवाल, सोनू अग्रवाल भी नामजद थे। विवेचना इंस्पेक्टर सिकंदरा नीरज कुमार शर्मा को मिली। उन्होंने बताया कि तीन आरोपियों ने कोर्ट में समर्पण कर दिया था। दो अन्य को कोर्ट से राहत मिली हुई है। अंकुश मंगल के पास 31 मई तक का कोर्ट से स्टे था। स्टे खत्म होने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश की। मगर, उसने समर्पण कर दिया। पुलिस को भनक तक नहीं लग सकी। अब विवेचक को बयान लेने के लिए जेल भेजा जाएगा।

दसवीं फेल अंकुश मंगल मूल रूप से जगनेर का रहने वाला है। आरोप है कि उसने क्रिकेट सट्टे और जुए से अकूत संपत्ति अर्जित की। पूर्व में गैंगस्टर एक्ट में संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई भी हो चुकी है। उसने अपना ठिकाना फरीदाबाद में बनाया था। जून 2022 में पुलिस उसे पकड़कर लाई थी। जेल भेजा था। रिहाई के बाद वह बाहर चला गया। उसके गुर्गे आगरा में सक्रिय है। बड़े बुकी श्याम वोहरा के शहर से बाहर जाने के बाद अंकुश मंगल ने अपना नेटवर्क बनाया। वर्ष 2022 में तत्कालीन एसपी सिटी विकास कुमार और एएसपी सत्य नारायण ने ऑपरेशन चलाया था। उसे फरीदाबाद से पकड़कर लेकर आई थी। 3 करोड़ से अधिक की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट में जब्त की थी। उससे पुलिस पूछताछ में कई सनसनीखेज खुलासे हुए थे। वह दुबई की वेबसाइट पर लॉग इन आईडी देता था। हर व्यक्ति से मैच न होने पर भी 4 हजार रुपए महीना लिया करता था। उसने कमला नगर में अपना नेटवर्क बनाया था। बृज धाम कालोनी में मकान खरीदा था।

गैर इरादतन हत्या में तीन भाइयों सहित चार को 10 वर्ष की सजा

जौनपुर,19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश में जौनपुर के अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मोहम्मद शारिक सिद्दीकी की अदालत ने बक्सा थाना क्षेत्र में 12 वर्ष पूर्व मकान के विवाद को लेकर ईंट, पत्थर व लाठी, डंडा से मार कर गैर इरादतन हत्या करने के चार आरोपियों को दोष सिद्ध होने के बाद शुक्रवार को 10 वर्ष के कारावास व 10,500 रूपये जुर्माने से दंडित किया।

अभियोजन के अनुसार वादी मुकदमा राम यज्ञ मिश्र निवासी ग्राम लंभुआ थाना सुल्तानपुर ने बक्सा थाने में मुकदमा पंजीकृत करवाया कि 07 अगस्त 2012 को 10:00 बजे दिन में उसकी ससुराल ग्राम पुराहेमू थाना बक्सा में उसकी सास आरती व साला दिनेश के पट्टीदार मनोज कुमार, शैलेंद्र कुमार, सुनील कुमार पुत्रगण रामबरन व शरद चंद्र पुत्र केदार मकान का प्लास्टर व नापदान का निर्माण कर रहे थे। मकान का विभाजन नहीं हुआ था इसलिए सास आरती व साला दिनेश ने मना किया, जिस पर आक्रोशित आरोपियों ने ईंट, पत्थर, डंडा, फरसा से हमला करके दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना को वादी रामयज्ञ, अवनीश व विकास ने देखा था। दोनों घायलों को सदर अस्पताल में ले जाने पर उसी दिन डॉक्टर ने आरती देवी को मृत घोषित कर दिया और दिनेश को भरती कर लिया। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता लाल बहादुर पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने गैर इरादतन हत्यारोपी तीन सगे भाई मनोज, शैलेंद्र व सुनील तथा एक अन्य शरद चंद को 10-10 वर्ष के करावास व 10 हजार 500 रूपए जुर्माने से दंडित किया।

महोबा में हुआ पानी की पाठशाला का आयोजन

जीवन बीमा नहीं भविष्य के लिए जल बीमा करें

महोबा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश में जल संरक्षण के लिए प्रभावी काम कर जल आंदोलन को जन आंदोलन बनाने के प्रयासों में जुटे पद्मश्री उमाशंकर पांडे ने शनिवार को अटल भूजल योजना तथा राज्य भूगर्भ जल विभाग के सहयोग से बुंदेलखंड में महोबा के पनवाड़ी ब्लॉक में शुक्रवार को पानी की पाठशाला का शुभारंभ किया।

यहां पनवाड़ी ब्लाक संसाधन केंद्र में आयोजित पाठशाला को संबोधित करते हुए पद्मश्री पांडे ने

कहा कि देश में 25 करोड़ से अधिक बच्चे, युवा ,केजी से पीजी तक शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, प्रयोग करते हैं। उन्हें जल संरक्षण की शिक्षा प्राथमिक स्तर से अनिवार्य रूप से देनी चाहिए। उन्होंने कहा जीवन बीमा नहीं भविष्य के लिए जल बीमा करें। जल ही जगन्नाथ है मैंने अपनी चार दिन की जल कोष यात्रा में कबरई विकासखंड के पसवारा ग्राम पंचायत, जैतपुर विकासखंड का अंतिम गांव धवररा तथा पनवाड़ी विकासखंड की देवगनपुरा ग्राम पंचायत, तथा चरखारी विकासखंड की सुपा ग्राम पंचायत में बच्चों, किसानों, पानी के पहरेदारों के साथ जमीनी चर्चा की।

उन्होंने कहा सार्वजनिक जलाशय, तालाब, कुआं, छोटी नदियां सभी के दर्शन किए। महोबा में आज से 1000 वर्ष पहले बुंदेलो और चंदेलों ने अद्भुत समुदाय के आधार पर जल संरक्षण किया था, हम तो ना जल स्रोत बचा पाए और ना ही जल संरक्षण कर पाए।

जल के मामले में हमें गंभीर होना चाहिए छोटे-छोटे उपाय बड़े परिणाम लाते हैं। हर संस्था सरकारी, गैर सरकारी, अर्ध सरकारी, व्यक्तिगत स्तर पर जल ज्ञान के लिए पानी की पाठशालाएं शुरू करें। माह में दो बार आधे घंटे जल संरक्षण व पौधारोपण के लिए दें। आज का दिन शुभ है क्योंकि देश के 1857 की क्रांति के महानायक मंगल पांडे का जन्म दिवस है और बुंदेलखंड में ही आचार्य विनोबा को भूदान के दौरान पहला ग्रामदान मिला था और यहीं पर पहली चलती फिरती, पाठशाला का शुभारंभ हमने किया है। वर्षा की बूंदे जहां गिरे वही रोक मेड़बंदी करें पेड़ लगाए।

इस अवसर पर जल शक्ति विद्यापीठ के सचिव अंकित पांडे ने कहा कि जल बनाया नहीं जा सकता यह समुदाय मिलकर ही पानी को बचा सकता है।

50 हजार रुपए की रिश्वत लेते पुलिस चौकी प्रभारी पकड़ा गया

बरेली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने थाना सुभाष नगर करगैना पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शुक्रवार को 50 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम द्वारा उसे गिरफ्तार कर बरेली कोतवाली में मामला दर्ज कराया गया है।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली उपाधीक्षक यशपाल सिंह ने बताया कि टीम ने उप निरीक्षक धर्मेन्द्र देशवाल निवासी ग्राम टिटोली थाना आदर्श मण्डी,

जनपद शामली हाल पता चौकी इंचार्ज करगैना थाना सुभाष नगर जनपद बरेली से 50,000 रुपये ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता आदर्श दीक्षित निवासी थाना कोतवाली जनपद बरेली से थाना सुभाष नगर बरेली में दर्ज एक मामले में शिकायतकर्ता के मामा का नाम निकालने व मुकदमा सरल करने के एवज में 50 हजार रुपये मांग की गयी थी। टीम ने रिश्वत की धनराशि 50,000 रुपये लेते हुये चौकी इंचार्ज धर्मेन्द्र देशवाल को रंगे हाथ धर दबोचा। एंटी करप्शन टीम ने अभियुक्त धर्मेन्द्र देशवाल के विरुद्ध थाना कोतवाली में मामला दर्ज कराया है।

संपादकीय

रोजगार या नौकरी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि बीते 3-4 साल में करीब आठ करोड़ रोजगार दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय रिजर्व बैंक की एक रपट का हवाला दिया है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, बुनियादी ढांचे की प्रत्येक परियोजना के साथ-साथ रोजगार भी बढ़ता है। इस मुद्दे पर फर्जी आंकड़े और बयान देने वालों की जुबान अब बंद हो जानी चाहिए, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अब भी प्रधानमंत्री के दावे को 'झूठ' करार दे रहे हैं। वह रोजगार के मुद्दे को मोड़ कर पेपरलीक, एनटीए और एनटीआर पर ले आए हैं और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने सरीखे सवाल पूछ रहे हैं। उनकी अपनी कुंठाएं हैं। बेशक रोजगार और महंगाई इस दौर के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दे हैं। आम चुनाव भी बेरोजगारी से प्रभावित हुआ है, ये विश्लेषण अब सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के बयान के संदर्भ में भी सवाल यह है कि ये रोजगार क्या हैं? नौकरी, दिहाड़ी, स्वरोजगार, ठेका अथवा मनरेगा किस्म का रोजगार है! यदि नौकरियां दी गई हैं, तो वे निजी क्षेत्र में भी कितनी स्थायी हैं? निजी क्षेत्र देश के निर्माण और विकास में बराबर का भागीदार है। विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बनने में निजी क्षेत्र का ज्यादा योगदान है। सरकारी क्षेत्र की परिधियां सीमित होती हैं। यदि आज भी करीब 10 लाख सरकारी नौकरियां रिक्त पड़ी हैं, तो यह सरकार की नीयत और इच्छा का ही नतीजा है। सरकारें अपने क्षेत्र को सिकोड़ देना चाहती हैं और सरकारी काम को आउटसोर्स के हवाले कर रही हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बीते दिनों एक बयान दिया था कि भाजपा-एनडीए सरकार ने 2014-23 के दौरान 9 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। यह आंकड़ा यूपीए सरकार के 2004-13 कार्यकाल से बेहतर है, क्योंकि उस सरकार के दौरान 6 लाख सरकारी नौकरियां ही दी गई थीं। ये आंकड़े भी 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुताबिक, 2014-23 के दौरान 12.5 करोड़ रोजगार दिए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री रिजर्व बैंक के जरिए यह भी स्पष्ट करें कि किन क्षेत्रों में रोजगार दिए गए हैं और वे कितने स्थिर हैं? भारत की कुल आबादी करीब 143 करोड़ है, लेकिन 2024 तक कुल कार्यबल 64.33 करोड़ है। यह आंकड़ा 2023 में 59.67 करोड़ था। एक साल में 4.67 करोड़ कार्यबल की बढ़ोतरी हुई है। इतने हाथों में नौकरी, रोजगार या दिहाड़ी उपलब्ध है। प्रधानमंत्री यह भी स्पष्ट करें कि यह देश का सालाना औसत रोजगार है अथवा 2023-24 के ही आंकड़े हैं? यदि ऐसा होता, तो जून में देश की बेरोजगारी दर करीब 9 फीसदी न होती। ऐसा भी न होता कि नौकरी के लिए 10 स्थान खाली हैं और उनके लिए सैकड़ों की भीड़ उमड़ आती है और कंपनी की बाहर की रेलिंग भी टूट जाती है। सरकारी प्रवक्ताओं की ओर से भी यह दावा किया जाता रहा है कि 2017-मार्च 2024 के दौरान 6.2 करोड़ नौकरीपेशा 'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन' (ईपीएफओ) से जुड़े हैं। जाहिर है कि इतने लोगों को सरकारी, अद्र्धसरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियां मिली होंगी! ईपीएफओ की निरंतरता पर भी सवाल किए जाते रहे हैं। 2021 से अब तक करीब 7.8 करोड़ रोजगार का सृजन किया जा चुका है। रोजगार के आंकड़े तैयार करने में भी भ्रष्टाचार किया जाता है। मसलन-कृषि में करीब 6 करोड़ रोजगार ऐसे हैं, जहां महिला अपने पति का हाथ बंटाने खेत पर जाती है। उसे 'स्वतंत्र रोजगार' नहीं मान सकते, क्योंकि उसका कुछ भी मानदेय या वेतन अथवा दिहाड़ी तय नहीं है। बेशक भारत में निजी क्षेत्र का बहुत विस्तार हुआ है। विदेशी कंपनियां आई हैं और उन्होंने उत्पादन के प्लांट स्थापित किए हैं। जाहिर है कि उनमें भारतीय ही प्राथमिकता के स्तर पर काम कर रहे हैं। देश में करीब 3 लाख स्टार्टअप कार्यरत हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय रिजर्व बैंक की एक रपट का हवाला दिया है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, बुनियादी ढांचे की प्रत्येक परियोजना के साथ-साथ रोजगार भी बढ़ता है। इस मुद्दे पर फर्जी आंकड़े और बयान देने वालों की जुबान अब बंद हो जानी चाहिए, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अब भी प्रधानमंत्री के दावे को 'झूठ' करार दे रहे हैं। वह रोजगार के मुद्दे को मोड़ कर पेपरलीक, एनटीए और एनटीआर पर ले आए हैं और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने सरीखे सवाल पूछ रहे हैं। उनकी अपनी कुंठाएं हैं। बेशक रोजगार और महंगाई इस दौर के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दे हैं। आम चुनाव भी बेरोजगारी से प्रभावित हुआ है, ये विश्लेषण अब सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के बयान के संदर्भ में भी सवाल यह है कि ये रोजगार क्या हैं? नौकरी, दिहाड़ी, स्वरोजगार, ठेका अथवा मनरेगा किस्म का रोजगार है! यदि नौकरियां दी गई हैं, तो वे निजी क्षेत्र में भी कितनी स्थायी हैं? निजी क्षेत्र देश के निर्माण और विकास में बराबर का भागीदार है। विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था बनने में निजी क्षेत्र का ज्यादा योगदान है।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा

भारतीय परम्पराओं के अनुपालन से देश बढ़ रहा आगे

प्रह्लाद सबनानी

भारत जो किसी वक्त में सोने की चिड़िया रहा है जिसका किसी वक्त में वैश्विक अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान रहा है, उस भारत के गुलाम होने के बाद उसकी अर्थव्यवस्था को मुगलों ने एवं अंग्रेजों ने तहस-नहस किया है। भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुनः प्राप्त किया जा सकेगा।

भारत में प्राचीन ऋषियों और मनीषियों की परंपरा एक गृहस्थ परंपरा रही है और उस गृहस्थ परंपरा में आध्यात्म के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन भी जुड़ा रहा है। अपने राज्य के ऋषियों के जीवन यापन की चिंता जहां राजा की प्राथमिकता में रहता था वहीं राजा को राज्य चलाने के लिए उचित मार्गदर्शन देने का सांस्कृतिक कार्य उन ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता था। इसलिए उन मनीषियों का चिंतन आर्थिक दिशा में भी सदैव बना रहता था। राजा अपने राज्य का विस्तार करने के साथ-साथ उसे आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध कैसे बनाएं इसके बारे में ऋषि-मुनियों के साथ बैठकर ही राज दरबार में चिंतन होता था और राज्य आर्थिक रूप से सशक्त बन जाते थे। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था।

प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों एवं धार्मिक पर्यटन का भारत के आर्थिक विकास पर पूर्ण प्रभाव रहा है। प्राचीन भारत में धार्मिक आयोजनों से अर्थव्यवस्था को बल मिलता रहा है इसलिए उस कालखंड में धार्मिक आयोजन निरंतर होते रहे हैं। भारत की ऋषि परंपरा ने जन सामान्य को उन सबके साथ जोड़ कर रखा था। त्यौहारों की निरंतरता और उन्हें मनाए जाने का उत्साह भारत की तत्कालीन अर्थव्यवस्था को गति देता रहा है। आज के वक्त में भी धार्मिक पर्यटन के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए

अवसर निर्मित हो रहे हैं। वर्तमान केंद्र सरकार के द्वारा भी पिछले 10 वर्षों में भारत में विभिन्न तीर्थस्थलों को विकसित किया जा रहा है। अभी तक जो तीर्थस्थल विकसित हो चुके हैं, वहां का पर्यटन एकदम से कई गुना बढ़ गया है। वहां की आर्थिक समृद्धि बढ़ गई है। वहां के लोगों का जीवन स्तर बढ़ गया है। वहां संपत्तियों के दाम बढ़ गए हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार अब आगे और कार्य करने जा रही है तथा कई नवीन धार्मिक कारीडोर बनाने जा रही है, क्योंकि इससे रोजगार के लाखों नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत की कुटुंब व्यवस्था अपने आप में एक अनूठी कुटुंब व्यवस्था है। भारत के संयुक्त परिवार विश्व के लिए आश्चर्य का विषय रहे हैं। इन दिनों संयुक्त परिवार विघटित अवश्य होते जा रहे हैं, लेकिन बावजूद उसके आपातकाल में एक दूसरे के लिए सबके एकत्र होने की जो जिजीविषा उन सबके भीतर है वह भारत में कुटुंब व्यवस्था का अनूठा स्वरूप है, तथा यह स्वरूप देश की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने का काम करता है। एक परिवार में दो हाथ कमाने जाते हों और वहीं दस हाथ कमाने जाते हों, दोनों बातों का फर्क होता है। इसलिए कुटुंब व्यवस्था में एक दूसरे के लिए आपस में खड़े होने का जो व्यवहार होता है, वह व्यवहार आर्थिक चिंतन के साथ भी जुड़ कर परिवार को आगे बढ़ाने का काम करता है।

भारत में प्राचीन काल से पर्यावरण को पर्याप्त महत्व दिया जाता रहा है। देश में नदियां शुद्ध रहती थी वृक्ष घने जंगलों के रूप में रहते थे और पूरा पर्यावरण शुद्ध रहता था। पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पर नदियों को, वृक्षों को, धरती को पूजा जाता है। पूरे पर्यावरण से परिवार का जुड़ाव धार्मिक रूप से रहता है। बहुत सारे व्रत और त्यौहार पर्यावरण से जुड़े हुए रहते हैं। इसलिए सनातन काल से भारत में पर्यावरण की चिंता रही है। जैविक विविधता ने भी भारत के सनातन काल को समृद्ध किया। पर्यावरण संरक्षण को उस समय में नैतिक कर्तव्य माना गया है। बाद में जब मुगलों ने भारत में शासन किया और हिंदुओं का धर्मांतरण किया तो बहुत सारी परंपराएं भी खंडित होने लगी। सनातन काल में जिस गौ माता को पूजा जाता था मुस्लिम उस गौ माता को खाने लगे। मुस्लिम शासन काल भारत के पतन और विखंडन का समय था। उनके बाद जब इस देश में अंग्रेज आ गए तो उनकी निगाह में भारतीय अपरिपक्व और मूर्ख रहे इन दोनों के समय में, मुगलों ने और अंग्रेजों न भारत को दोनों हाथों से लूटकर खाली कर दिया। जो भारतीय अर्थव्यवस्था कभी विश्व की अर्थव्यवस्था का 33 प्रतिशत हिस्सा थी वह बहुत नीचे जा चुकी थी। पर्यावरण बिखरने लगा। नालंदा जैसे विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाया गया। उसकी लाइब्रेरी को जला दिया गया। इस सब के पीछे भारत को ज्ञान के स्तर पर समाप्त करने की साजिश काम कर रही थी। मुस्लिम शासक हिंदुओं के धर्मांतरण पर, हिंदुओं को मारने पर और उनकी संपत्ति हड़पने पर काम कर रहे थे। ऐसा कहा जाता है कि औरंगजेब ब्राह्मणों को मारकर रोज सवा मन जनेऊ जलाता था। मंदिरों को नष्ट कर उन पर मस्जिदें बना दी गई। दक्षिण ने अपने आपको इस मुस्लिम आक्रमण से बहुत बचाया और इसीलिए भारत के दक्षिण भाग में आज भी समृद्ध मंदिर हैं, जो उस कालखंड के गौरव की प्रस्तुति के रूप में हमारे सामने खड़े हुए हैं। इसी कालखंड में भारत का भक्ति काल जरूर समृद्ध हुआ और उसने भारत के निवासियों को मानसिक ताकत प्रदान की। तुलसीदास की भक्ति के सामने अकबर जैसा आदमी डर गया और झुक गया।

भारत की आजादी की लड़ाई तो सफलतापूर्वक लड़ी गई परंतु एक दुष्परिणाम भारत विभाजन के रूप में भी सामने आया, जिसमे लाखों हिंदुओं का नरसंहार हुआ।

भारत का सनातन चिंतन जितना अधिक शक्तिशाली था गुलामी के उस दौर में उस पर किए गए आक्रमण उसे कमजोर बनाने में कामयाब रहे। परंतु, अब समय आ गया है कि भारत के प्राचीन आर्थिक चिंतन को गंभीरता के साथ देखते हुए वर्तमान आर्थिक विकास की दृष्टि को उसके साथ सामंजस्य स्थापित करना चाहिए तभी जाकर आर्थिक विकास की दृष्टि से भारत के वैभवकाल को पुन: प्राप्त किया जा सकेगा।

दृष्टि कोण

प्रदूषण से मुक्ति और सुप्रीम कोर्ट

यह सुखद, स्वस्थ समाचार है कि हाल ही में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहा है कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली व आसपास ठोस कचरे का समुचित निस्तारण नहीं होने पर केवल नाराजगी ही नहीं, अपितु चिंता भी जताई है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि हम ठोस कचरे के शोधित न होने के कारण बहुत चिंतित हैं, क्योंकि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने के नागरिकों के मौलिक अधिकारों का यह उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया क्या कहेगी, 2024 में भारत की राजधानी में प्रतिदिन 3800 टन ठोस कचरा अशोधित रह जा रहा है। 2025, 2026 और इसके बाद क्या होगा, हर जगह भयानक स्थिति है। गुरुग्राम, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा जैसे क्षेत्रों में प्रतिदिन ठोस कचरा निकलने और उसे शोधित करने की क्षमता पर आंकड़ों का जिक्र करते हुए शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों पर विचार करें

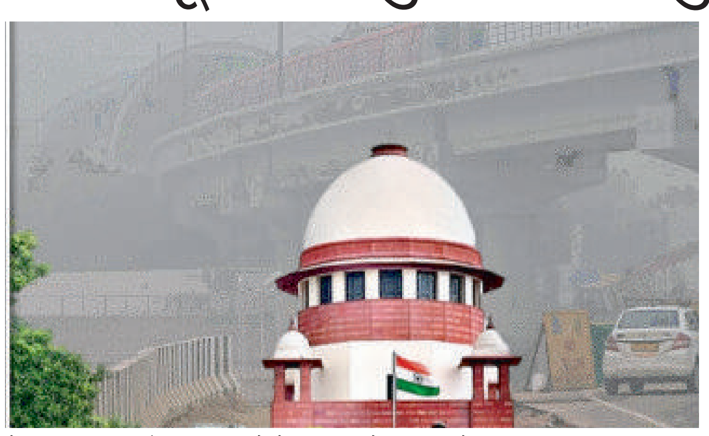

तो यह स्वाभाविक है कि इस कचरे में वृद्धि होगी, पर शहरी विकास सचिव को अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या का समाधान खोजने को कहा और यह भी चेतावनी दी कि अगर अधिकारी कोई ठोस प्रस्ताव खोजने में असमर्थ रहे तो अदालत कठोर आदेश जारी करने पर विचार करेगी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय से हम देशवासियों की एक अपील है : बड़े-बड़े अधिवक्ताओं की मदद लेकर हम लोग अदालत का दरवाजा नहीं खटखटा सकते, पर जब अदालत ने स्वयं ही यह अनुभव कर लिया कि प्रदूषण मुक्त वातावरण हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, तो देश के नब्बे प्रतिशत से ज्यादा नागरिक इस अधिकार से वंचित क्यों? क्या कभी किसी ने आकर देखा कि दिल्ली से दूर भी पूरे देश में कचरे का प्रकोप है। यह कचरा सब जगह ठोस तो नहीं है, पर कूड़े के बड़े-बड़े ढेर, गंदगी, बदबू, उस पर मक्खियों के झुंड, आसपास सीवरेज का गंदा पानी, यह हम लोगों की किस्मत है। जो स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपए अपने देश में खर्च किए जा रहे हैं, स्मार्ट सिटी की घोषणा एक फैशन बन गया है, उसमें अपने देश के आम नागरिक कहीं स्थान नहीं पा रहे हैं क्या? केवल सिविल लाइन क्षेत्र, अमीरों के मोहल्ले, उन्हीं का विकास हो रहा है। वैसे प्रदूषण तो शोर का भी होता है श्रीमान। उस शोर की अभी चर्चा नहीं की जा रही जो दिन रात मोटर गाडियां के हार्न से पैदा हो रहा है। हमारे तो गली मोहल्लों में भी रात-रात भर कुत्तों की चीख पुकार रहती है। एक नहीं अनेक आवारा कुत्ते हमारी सडक़ों पर लोगों का जीवन दूभर कर रहे हैं। लोग कटते हैं, कुछ मरते हैं, कुत्तों की गंदगी गली बाजारों में फैली रहती है, पर सरकार की योजना कि इनकी नलबंदी और नसबंदी करवाएंगे, तब शायद दस बीस वर्ष बाद संख्या कम होगी और उस समय तक जो लोग दुनिया में रहेंगे उन्हें कुत्तों से राहत मिलेगी, यह आम जनता के साथ क्रूर सरकारी मजाक है। सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीश यह जानते होंगे कि सरकारें इन चौपायों के लिए प्यार तो प्रदर्शित करती हैं, पर जनता को इनके प्रहारों से बचाने का कोई प्रयास नहीं करती। जनता को यह कहा गया है कि नलबंदी-नसबंदी के बाद भी कुत्ते लोगों के आसपास ही छोड़े जाएंगे, पर यह नहीं बताया कि क्या ये कुत्ते बाद में भोंकना और काटना बंद कर देंगे। एक बार माननीय अदालत ने यह भी कहा था कि नींद लेना भी मानवीय अधिकार है। पुलिस जब किसी अपराधी को रात-रात भर सोने नहीं देती, उस घटना का संज्ञान लेते हुए देश की किसी बड़ी अदालत ने यह निर्णय दिया था, पर जो हमारे घरों के आसपास, गली बाजारों में रात रात भर कुत्ते चीखते हैं, वे भी तो हमें सोने नहीं देते। हमारा अधिकार कहां गया? इसके साथ ही भीड़ भरे मोहल्लों में शमशानघाट बने हैं। जो बड़े बड़े राजनेता स्वयं शहरों से दूर विशाल भवनों में, वृक्षों के झुरमुट में रहते हैं, वे राजनीतिक दबाव से इन शमशानघाटों को शहरों से दूर नहीं जाने देते, पर स्वयं जहां रहते हैं वहां शमशानघाट का धुआं पहुंचने की भी संभावना नहीं।

कुछ अलग

लो जी, बरसात आ गई...

लो जी! बरसात आ गई! अब बरसात में साल भर पेड़ काटने वाले कंधों पर कुदाल हाथ में मोबाइल ले जहां भी जगह मिलेगी वहीं पौधे लगाने निकल पड़ेंगे। वे पौधा एक लगाएंगे तो उसके साथ सेल्फी दस खिचवाएंगे। लो जी! बरसात आ गई! जिन सरकारी ठेकेदारों द्वारा कराए सरकारी निर्माणों की पेमेंट उनको हो चुकी है, वे आसमान में बादलों के न गरजने के बाद भी मोर बन नाचने लगेंगे। जिन सरकारी ठेकेदारों को उनके द्वारा कराए निर्माणों की पेमेंट अभी अटकी है वे बरसात से दोनों हाथ जोड़ प्रार्थना करेंगे कि हे बरसात! जब तक उनके द्वारा कराए सी ग्रेड सरकारी कामों की सरकार से पेमेंट नहीं हो जाती तब तक बरसना मत प्लीज! सच कहें तो इस निर्माण में हमें कुछ भी नहीं बचा है। ऊपर से नीचे तक इतना चढ़ावा चढ़ाना पड़ा है कि कुछ खाने के बदले उलटा अपनी जेब से लगाया है ताकि उन्हें लगे कि वे सरकार के विकासात्मक हाथों के साथ अपना हाथ मिला देश को गिरा रहे हैं। ऐसे में जो उनके द्वारा बनाया पुल पेमेंट होने से पहले ही जरा सी भी बरसात होने पर ढह बह गया तो उनके पेट पर लात पड़ जाएगी। लो जी! बरसात आ गई! बरसात आने की शुभ सूचना मौसम विभाग से पहले मेरा पड़ोसी देता है। उसे मौसम विभाग से पहले ही पता नहीं कहां से पता चल जाता है कि अब बरसात आने वाली है। जैसे ही उसे उसके विश्वस्त सूत्रों से बरसात आने की पुख्ता सूचना मिलती है, वह अपने घर का सारा पानी मेरे घर की ओर मोड़ देता है। जब वह अपने घर का पानी मेरे घर की ओर मोडऩे लगे तो मैं भी अनुमान लगा लेता हूं कि अब पक्का बरसात आने वाली है। मौसम विभाग को पता हो या न! लो जी! बरसात आ गई! बरसात आते ही मेरे स्वच्छ शहर का सारा कूड़ा कचरा सडक़ों पर पर्यटकों की तरह घूमने निकल पड़ेगा। बरसात आते ही चार महीने से बरसात से निपटने की सरकार की तमाम तैयारियों पर झाड़ू फिर जाएगा। शहर पानी पानी हो जाएगा। तब कोई कागज की कश्ती में ऑफिस जाएगा तो कोई तो कोई बचाव के लिए कागज की कश्ती! कश्ती चिल्लाएगा। लो जी! बरसात आ गई! बरसात के आते ही सारे टीवी चैनलों के बरसाती रिपोर्टर बरसाती पहने नदी नालों के किनारे जम जाएंगे और नदी नालों से नदी नालों को लाइव कवर कर बरसाती चैनलों में सबसे तेज हो जाएंगे। लो जी! बरसात आ गई! अब बारिश किसान से आंख मिचौली खेलेगी। किसान से सभी आंख मिचौली खेलते हैं। कभी उससे दलाल आंख मिचौली खेलता है तो कभी सरकार उससे आंख मिचौली खेलती है। उसे दुख इस बात का है कि वह किसी से भी आंख मिचौली नहीं खेल पाता। लो जी! बरसात आ गई! अब किसान कभी सूखे से फसल को उदास हो बादलों की ओर टकटकी लगाए देखेगा तो कभी बाढ़ में डूबी फसल को देख दिल्ली से हवाई जहाज में आने वालों की ओर देखेगा। लो जी! बरसात आ गई! अब मौसम विभाग जिस दिन कहेगा कि आज मौसम साफ रहेगा उस दिन बरसात झमाझम बरसेगी। मौसम विभाग जिस दिन बारिश का रेड अलर्ट जारी करेगा उस दिन मौसम बिल्कुल साफ रहेगा। जिस दिन मौसम विभाग कहेगा कि आज भारी से भारी बारिश होगी तो सरकार स्कूलों में अवकाश कर देगी। पर उस दिन सूरज चमाचम चमकेगा। मौसम विभाग और बरसात की आपस में पता नहीं क्यों सैंतीस का आंकड़ा है। लो जी! बरसात आ गई! संसद में मानसून सत्र शुरू होते ही सब एक दूसरे पर बरसात की तरह बरसेंगे, बादलों की तरह गरजेंगे। नदी नालों की तरह शोर मचाएंगे। मेंढकों की तरह टर्राएंगे। पर जनता के मतलब के बिल पूरी तरह बरसात न होने के बाद भी बरसात में सिर से पांव तक भीग जाएंगे। उन बिलों को सर्दी हो जाएगी, खांसी हो जाएगी, जुकाम हो जाएगा। डेंगू हो जाएगा, मलेरिया हो जाएगा।

देश दुनिया से

जान-माल की क्षति रोकने को चाहिए ठोस नीति

हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है, में साल 2023 में जून महीने से लेकर अक्तूबर महीने तक सदी की अभूतपूर्व बरसात हुई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सारे प्रदेश में लगभग 503 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी तथा 519 आदमी घायल हुए थे। इनमें 199 आदमियों की सडक़ हादसों में मौत हुई थी। प्रदेश में 2941 घर पूरी तरह ढह गए थे तथा 12302 को आंशिक नुकसान पहुंचा था। इसके अतिरिक्त 421 दुकानों तथा 7247 गौशालाओं को भी नुकसान हुआ था। उस समय प्रदेश में भूस्खलन की 169 और अचानक बाढ़ की 72 बड़ी घटनाएं सामने आई थी। प्रदेश में भूस्खलन यानी छोटे-छोटे डंगे गिरने की हजारों घटनाएं घटित हुई थीं। पिछले साल इन प्राकृतिक आपदाओं से प्रदेश सरकार को आर्थिक तौर पर लगभग 9712 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। फिर भी भगवान की कृपा से प्रदेश के वर्तमान माननीय मुख्यमंत्री और उनकी सरकार ने इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए काफी कुछ उपाय किए, जो सराहनीय हैं। इस बार मानसून आ चुका है, भले ही उतनी बारिश नहीं हो रही, जितनी अपेक्षा है। आने वाले समय में बहुत बारिश हो सकती है, जिसके लिए निकट भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान के बचाव के लिए जरूरी सुझाव लेखक की तरफ से प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री महोदय को एक पत्र के रूप में तिथि 03-05-2024 को भेजे गए हैं, जिनमें से कुछ मुख्य सुझाव यहां दिए जा रहे हैं : प्रदेश में जितने भी 80-100 साल से ज्यादा के पुराने रिहायशी मकान, दुकानें या गौशालाएं हैं, उनको राजस्व विभाग की तरफ से असुरक्षित भवन घोषित किया जाए। इस कार्य को करने के लिए ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, पीडब्ल्यूडी तथा दूसरे विभागों की मदद ली जा सकती है। इन असुरक्षित भवनों को गिराने का कार्य बरसात से पहले-पहले करवाया जाए ताकि इन पुराने भवनों के अचानक गिरने से पहले जान-माल की रक्षा हो सके और प्रदेश सरकार को मुफ्त में इन मकान मालिकों को लाखों-करोड़ों रुपयों का हर्जाना भी न देना पड़े। प्रदेश में जितनी भी सडक़ें हैं, उनके किनारे पानी की निकासी की नालियों को जल्दी से जल्दी पीडब्ल्यूडी के कर्मचारियों से साफ करवाया जाए। इसके साथ जो ल्हासे अभी भी सडक़ों पर गिरे हुए हैं या छोटे-छोटे डंगे पिछली बरसात के दौरान गिरे हुए हैं, उनका निर्माण कार्य अति शीघ्र करवाया जाए ताकि आने वाले समय में भूस्खलन की घटनाएं और जान-माल का नुकसान भी कम से कम हो सके। हमारे इस पहाड़ी प्रदेश में कई बार बरसात के दिनों में कहीं-कहीं रिहायशी मकानों तथा गौशालाओं के ऊपर बड़े-बड़े पेड़ जड़ों से उखड़ कर गिर जाते हैं जिसके कारण कई बार जान-माल का भी नुकसान हो जाता है और प्रदेश सरकार को इन घटनाओं से पीड़ित लोगों के लिए आर्थिक सहायता भी देनी पड़ती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रदेश सरकार को सख्त कानून बनाना चाहिए तथा ग्राम पंचायतों, नगर परिषदों, नगर निगमों और वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को मौके पर जाकर इन खतरनाक पेड़ों को काटने के आदेश तत्काल दिए जाने चाहिए ताकि निकट भविष्य में ऐसी घटनाएं कम से कम हों। प्रदेश में जितने भी छोटे-छोटे चो-नाले हैं या छोटी-छोटी खड्डें हैं, उनके बीच में जो छोटी-छोटी झाडियां उगी हुई हैं या जो लोकल लोगों ने कूड़ा-करकट फैंका हुआ है, इनकी सफाई अति शीघ्र करवाई जाए ताकि वर्षा ऋतु में इन चो-नालों तथा खड्डों का बहाव ठीक बना रहे और बाढ़ की स्थिति पैदा न हो। पहाड़ी प्रदेश होने के नाते यहां की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए इस प्रदेश में आगे से नई जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण बंद करवाया जाए ताकि खड्डों-नालों में बाढ़ का प्रकोप कम हो सके और पर्यावरण भी ठीक से बना रहे। इसकी बजाय माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा सौर ऊर्जा से बनाई जाने वाली मुफ्त की बिजली उत्पादन संबंधी स्कीमों को निकट भविष्य में बढ़ावा दिया जाए। इस प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए 4-लेन वाली सडक़ों के निर्माण पर भविष्य में पाबंदी लगाई जाए, सिर्फ यहां पर 2-लेन वाली सडक़ें ही बनाई जाएं ताकि आने वाले समय में इस प्रदेश में बढ़ते भूस्खलन को रोका जा सके। जहां तक हो सके, सडक़ों के किनारे ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाएं ताकि इस पहाड़ी प्रदेश का जलवायु भी स्वच्छ बना रहे। इस पहाड़ी प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए और साल 2023 की अभूतपूर्व आपदा के अनुभव से प्रदेश सरकार को भवन निर्माण की मंजूरी राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की हिदायतों के अनुसार देनी चाहिए। सारे प्रदेश को टीसीपी के दायरे में लाया जाए ताकि इस प्रदेश में अंधाधुंध बड़े-बड़े ऊंचे बेतरतीब भवनों के निर्माण पर नियंत्रण किया जा सके और आने वाले समय में और ज्यादा होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से इस देवभूमि को अनिवार्य रूप से बचाया जा सके।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार सारे प्रदेश में लगभग 503 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी तथा 519 आदमी घायल हुए थे। इनमें 199 आदमियों की सडक़ हादसों में मौत हुई थी। प्रदेश में 2941 घर पूरी तरह ढह गए थे तथा 12302 को आंशिक नुकसान पहुंचा था। इसके अतिरिक्त 421 दुकानों तथा 7247 गौशालाओं को भी नुकसान हुआ था। उस समय प्रदेश में भूस्खलन की 169 और अचानक बाढ़ की 72 बड़ी घटनाएं सामने आई थी। प्रदेश में भूस्खलन यानी छोटे-छोटे डंगे गिरने की हजारों घटनाएं घटित हुई थीं। पिछले साल इन प्राकृतिक आपदाओं से प्रदेश सरकार को आर्थिक तौर पर लगभग 9712 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। फिर भी भगवान की कृपा से प्रदेश के वर्तमान माननीय मुख्यमंत्री और उनकी सरकार ने इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए काफी कुछ उपाय किए, जो सराहनीय हैं।

आप का नजरिया

बदलते पैमाने

लोकसभा के चरित्र में राजनीतिक पहुंच के पैमाने, कांग्रेस की धुरी बदल रहे हैं, तो राष्ट्रीय बहस के करीब पार्टी का आत्मविश्वास-आत्मबल बढ़ा है। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल में सत्ता का हासिल कांग्रेस को फिर से मजबूत पायदान पर पहुंचा देता है, फिर भी लोकसभा और विधानसभा के चुनावों के आईने अलग-अलग रहे हैं। पूरी चार सीटों पर लोकसभा के रास्ते भाजपा के लिए खुले, लेकिन कांग्रेस की दौड़ राज्य से बाहर नहीं पहुंची। अब जिक्र उन पैमानों का जिनके कारण ठेस लगी और पार्टी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने खोज लिए गुनाह, अपने बंजर हुए चरागाह। मूलतः प्रश्न अगर व्यक्तित्व का है तो कांग्रेस को ऐसा क्यों प्रतीत होता है कि दुनिया लट्टू बनकर मोदी के इर्द-गिर्द घूम रही है और यह भी कि राम मंदिर ने वोट हथिया लिए। अगर व्यक्तित्व की ताल पर मोदी आगे हैं, तो प्रदेश सरकार की ढाल पर मुख्यमंत्री के पद पर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की कांग्रेस और आलाकमान का पूर्ण विश्वास भी तो है। यानी जनता अगर सुक्खू सरकार को अस्थिर होने से बचा रही है, तो राजतिलक में शिमला की सत्ता ने लोकसभा चुनाव की आजमाइश में उतनी गंभीरता नहीं दिखाई जितनी छह जमा तीन उपचुनावों में ताकत सामने आई। यह आत्मविश्वास था और जीतने का मॉडल भी जो लोकसभा में भाजपा की जीत से चार उपचुनाव छीन लाई। अनुराग को दिल्ली का टिकट देने वाली जनता शिमला के पक्ष में सुक्खू सरकार का ओहदा चिन्हित करती है, तो यह एकतरफा मोदी प्यार नहीं हो सकता, बल्कि जनता अपनी अपेक्षाओं के फलक पर दिल्ली और शिमला के बीच राजनीतिक अर्थ को बांट रही थी। जहां तक अयोध्या मंदिर निर्माण की दुहाई दी जा रही है, तो वर्षों पहले बाबरी विध्वंस के उफान पर शांता कुमार सरकार को समय पूर्व गिराने के बावजूद इसी जनता ने उसकी वापसी रोकी थी, यानी हिमाचल में हिंदुत्व का मुद्दा या धार्मिक उन्माद की पहचान से वोट बैंक नहीं बनता। इसे प्रमाणित करते हैं हिमाचल से अयोध्या बस सेवाओं के रूट, जहां रूट पर बची एकमात्र सेवा साप्ताहिक करने के बावजूद यात्री नहीं ढूंढ पा रही है। यह दीगर है कि किसान निधि की किस्त चमत्कारी हो सकती है, लेकिन अपनी दस गारंटियों में से पांच पर अमल करने का दावा करके हिमाचल की सत्ता के प्रति आकर्षण कम नहीं होता। यहां भी औरतों को पंद्रह सौ की पेशकश तथा ओल्ड पेंशन स्कीम का लागू होना सत्ता के पक्षधर वर्ग की शिनाख्त करता है। कांग्रेस के दो कारण पार्टी और सरकार की क्षमता दर्शा रहे हैं। सरकार बनाम संगठन के बीच दूरियां एक स्थापित तथ्य है, जहां शक्तियों का आबंटन असंतुलित, अव्यवहारिक और असंगत रहा है, वरना छह अपने और तीन निर्दलीय रुखसत न होते। जिस सरकार को मात्र सवा साल में अपने नौ समर्थक विधायकों से सीधे चुनाव में भिडऩा पड़ा हो, वहां आज की हार-जीत कल के खतरे बढ़ाती है। उपचुनाव केवल एक परिणाम नहीं, आने वाले कल की तासीर, घुटन और तस्वीर लिए हुए हैं। यहां सत्ता बल या संख्या की मात्रात्मक आपूर्ति के बावजूद सरकार और संगठन के बीच हाथों में मसले बराबर बंटने चाहिए। कुछ इसी तरह का उल्लेख अफसरशाही के बेलगाम इरादों पर उठे हैं।

बांग्लादेश हिंसा में मौतों का आंकड़ा बढ़कर 39 हुआ आमने-सामने आए आवामी लीग समर्थक और छात्र

ढाका , 19 जुलई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ जारी हिंसा जारी है और अब तक इस हिंसा में 32 लोगों की मौत हो चुकी है। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने ढाका स्थित सरकारी टीवी मुख्यालय को आग लगा दी और मुख्यालय में खड़ी कई गाड़ियों को भी तबाह कर दिया। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी आरक्षण को खत्म करने की मांग पर अड़े हैं। शेख हसीना सरकार ने हिंसा को देखते हुए देश के सभी स्कूलों और विश्वविद्यालयों को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश दिया है। साथ ही हालात को काबू करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का निर्देश दिया है। क्या है बांग्लादेश हिंसा की वजह बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था। साल 2018 में बांग्लादेश के युवाओं ने इस आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई महीने तक चले प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश सरकार ने आरक्षण खत्म करने का एलान किया। बीते महीने 5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों से शुरू हुआ ये विरोध प्रदर्शन अब बढ़ते-बढ़ते हिंसा में तब्दील हो गया है। लोगों से कानून व्यवस्था का पालन करने की अपील की और साथ ही प्रदर्शनकारियों की मौतों पर भी दुख जताया। प्रधानमंत्री ने प्रदर्शनकारियों की मौतों की न्यायिक जांच कराने की बात कही, लेकिन इसके बावजूद बांग्लादेश में हिंसा जारी है और हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए रबर की गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे।

न्यूज ब्रीफ

मेलोनी की लंबाई का मजाक उड़ाने के मामले में तीन साल बाद कार्रवाई,पत्रकार पर लगा 4.57 लाख का जुर्माना

रोम । इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की लंबाई का मजाक उडाना पत्रकार को महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पोस्ट पर मजाक उडाने पर पत्रकार को स्थानीय अदालत ने 5465 डॉलर (4.57 लाख) का जुर्माना लगाया है।

यह मामला है अक्तूबर 2021 का। जब एक पत्रकार गिउलिया कॉर्टेस ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की लंबाई को लेकर कमेंट किया। सोशल मीडिया पर पीएम मेलोनी पर किए गए कमेंट के बाद से पत्रकार कॉर्टेस की मुश्किलें बढ़ती गईं। इटली पीएम मेलोनी ने पत्रकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी। दरअसल मेलोनी ने कॉर्टेस द्वारा प्रकाशित उनकी एक तस्वीर को लेकर आपत्ति जताई थी, उनका कहना था कि तस्वीर नकली है। तस्वीर में पृष्ठभूमि में दिवंगत फासीवादी नेता बेनिटो मुसोलिनी की तस्वीर थी। कॉर्टेस ने ट्वीट किया था, जिसका अनुवाद है कि मैं आपसे डरती नहीं हूं। आप तो मुझे नजर भी नहीं आतीं, क्योंकि आपकी लंबाई महज 1.2 मीटर (4 फुट) ही है। बता दें कि मेलोनी की लंबाइ अलग-अलग मीडिया वेबसाइट पर 1.58 से 1.63 मीटर बताई गई है। कॉर्टेस को अदालत ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का मजाक उड़ाने के लिए 5,000 यूरो (5,465 डॉलर) का हर्जाना देने का आदेश दिया है। यही नहीं 2021 में पत्रकार गिउलिया कोर्टेस कोअक्टूबर 2021 में ट्विटर पर मेलोनी की ऊंचाई के बारे में एक कटाक्ष के लिए बॉडी शेमिंग के नाम पर 1,200 यूरो का निलंबित जुर्माना लगाया गया था। इस फैसले के बाद एक्स पर अंग्रेजी में लिखते हुए कॉर्टेस ने कहा कि इटली में स्वतंत्र पत्रकारों के लिए यह कठिन समय है। उन्होंने कहा, आशा करते हैं कि आगे अच्छे दिन आएंगे। हम हार नहीं मानेंगे! हालांकि पीएम मेलोनी के वकील ने कहा कि प्रधानमंत्री मिलने वाली जुर्माना राशि को दान करेंगी। पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज मुकदमों में हुई वृद्धि रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा इस वर्ष पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज किए गए मुकदमों की संख्या में वृद्धि का हवाला दिया गया। जिसके कारण 2024 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में इटली को पांच पायदान नीचे खिसकाकर 46वें स्थान पर ला दिया गया। वहीं मेलोनी पत्रकारों को अदालत में घसीटने से पीछे नहीं हटतीं।

इजराइल-हमास युद्ध के चलते बढ़ा मानवीय संकट, संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जताई चिंता, शांति पर दिया जोर

यूएन । भारत ने संयुक्त राष्ट्र में इजराइल-हमास युद्ध के चलते बढ़ रहे मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई है। भारत ने कूटनीति और बातचीत के जरिये दोनों देशों के बीच उपजे तनाव को कम करने और शांति अपनाने पर जोर दिया। मध्य पूर्व क्षेत्र में हुई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की डिबेट में भारत की ओर से उपस्थायी प्रतिनिधि और राजदूत आर रवींद्र ने कहा कि पिछले साल सात अक्तूबर को इजराइल पर हुए आतंकी हमलों की भारत ने कड़ी निंदा की थी। उन्होंने कहा कि इजराइल-हमास के बीच नौ महीने से चल रहे युद्ध के चलते मानवीय संकट बढ़ रहा है। यह चिंताजनक है। इस युद्ध में सैकड़ों नागरिकों की मौत की हम निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने तत्काल संपूर्ण युद्ध विराम का आह्वान किया है। साथ ही गाजा पट्टी में समय-समय पर सुरक्षित मानवीय सहायता और मदद पहुंचाई। उन्होंने बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल बिना शर्त रिहाई करने की अपील भी की। रवींद्र ने कहा कि ऐसे मामले में कतर और मिस्र की सराहना करते हैं।

राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के दबाव के बीच युवाओं को लुभाने में जुटे बाइडन ऋण माफी का किया विस्तार

वॉशिंगटन । अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को अब चार महीने शेष रह गए हैं। नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। एक बार सत्ता में आने के लिए राष्ट्रपति बाइडन काफी मशक्कत कर रहे हैं। युवाओं का समर्थन पाने के लिए वह 35,000 अमेरिकियों के ऋण को रद्द करके अपने छात्र ऋण माफी कार्यक्रम का विस्तार कर रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडन ने एक बयान में कहा, छात्र ऋण 1.2 बिलियन डॉलर की राशि के लिए लोगों की संख्या अब 4.76 मिलियन हो गई है। जिन लोगों को इस स्कीम से फायदा होगा, उनमें शिक्षक, नर्स, पुलिस अधिकारी और पहली बार ऋण लेने वाले शामिल हैं। बाइडन ने यह घोषणा मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के अंतिम दिन की। बता दें कि यहीं से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से नामांकन दाखिल करेंगे। बाइडन ने कहा कि वह उच्च शिक्षा को किफायती बनाने के लिए काम करना कभी बंद नहीं करेंगे।

हमलावर के पिता ने पुलिस को किया था फोन, ट्रंप पर गोली चलाने वाले क्रुक्स को लेकर नया खुलासा

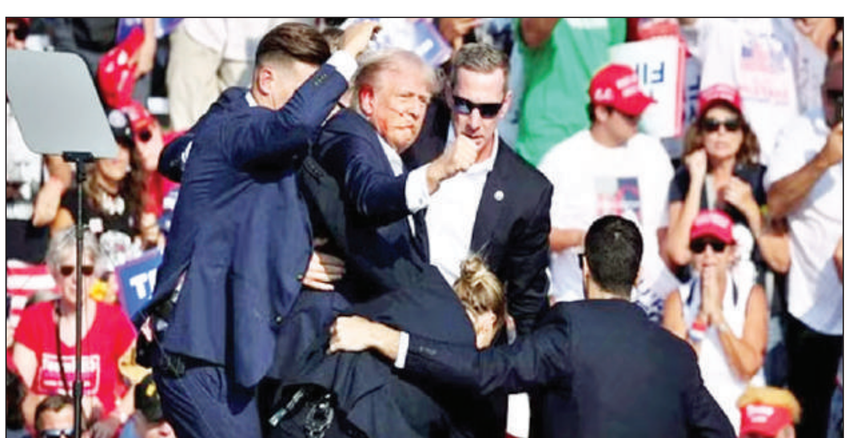

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

डोनाल्ड ट्रंप के हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ट्रंप पर गोली चलाने वाले शूटर के पिता ने हमले से पहले पुलिस को फोन किया था। इस फोन में हमलावर के पिता ने अपनी एआर-15 राइफल के गायब होने और अपने बेटे को लापता होने को लेकर चिंता जाहिर की थी। इस नए दावे से भी सुरक्षा एजेंसियों पर सवाल उठ गए हैं जो पहले ही ट्रंप की सुरक्षा में कथित चूक को लेकर निशाने पर है। हमलावर के पिता ने पुलिस को दी थी अपनी राइफल गायब होने की सूचना मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के पिता ने साल 2013 में एआर-15 राइफल खरीदी थी। हमले से पहले क्रुक्स के पिता ने पुलिस को फोन करके अपनी राइफल और बेटे थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के लापता होने को लेकर चिंता जाहिर की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर थॉमस क्रुक्स ने डोनाल्ड ट्रंप पर हमले से कुछ घंटे पहले ही 50 राउंड कारतूस भी खरीदे थे। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि थॉमस क्रुक्स के पिता ने हमले के बाद पुलिस को फोन किया था। हमलावर ने हमले से कई दिन पहले ही जाहिर कर दिए थे अपने खतरनाक इरादे ट्रंप पर हमले के बाद जब पुलिस ने थॉमस क्रुक्स के घर के घर छापा मारा तो उन्हें तलाशी में क्रुक्स की कार से विस्फोटक डिवाइस भी प्राप्त हुई। साथ ही उसके घर पर दर्जनभर हथियार भी बरामद हुए। जांच में ये भी पता चला है कि हमले से पहले हमलावर ने डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बारे में ऑनलाइन सर्च किया था। हमलावर ने पेंसिल्वेनिया में ट्रंप की रैली की तारीख भी सर्च की थी। साथ ही अगस्त में होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के बारे में भी सर्च किया था। जांच में ये भी पता चला है कि हमलावर ने हमले से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। सोशल मीडिया मंच स्टीम पर साझा पोस्ट में हमलावर ने लिखा था कि 13 जुलाई को उसका भी प्रीमियर है और देखते हैं कि क्या होता है। स्टीम एक ऑनलाइन गेमिंग मंच है।

हमले की वजह अभी भी साफ नहीं

ट्रंप पर हुए हमले के पीछे की वजह का अभी भी पता नहीं चल सका है। अमेरिका की संघीय जांच मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। उल्लेखनीय है कि बीती 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की रैली के दौरान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स ने ट्रंप पर जानलेवा हमला किया था, लेकिन इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। बाद में सीक्रेट सर्विस एजेंट्स की जवाबी कार्रवाई में हमलावर क्रुक्स को मौके पर ही ढेर कर दिया गया था।

ट्रंप राष्ट्रपति बने तो पूरे अमेरिका में इजराइल की तरह लगवाएंगे आयरन डोम

वॉशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप ने मिल्वौकी में हुए रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में राष्ट्रपति पद की नामांकन आधिकारिक रूप से स्वीकार किया। इस दौरान अपने संबोधन में ट्रंप ने अमेरिकी की सुरक्षा के लिए बड़े कदम उठाने का एलान किया। रिपब्लिकन पार्टी ने भी राष्ट्रपति चुनाव के लिए जो अपनी नीतियों का एलान किया है, उसमें से एक है कि अमेरिका भी इजराइल की तरह मिसाइल डिफेंस सिस्टम आयरन डोम को विकसित करेगा और उसकी पूरे देश में तैनात की जाएगी। अब ट्रंप ने भी इसका एलान किया है। ट्रंप बोले- अमेरिका के पास क्यों नहीं होना चाहिए आयरन डोम ट्रंप ने मिल्वौकी में रिपब्लिकन कन्वेंशन में अपने संबोधन के दौरान कहा कि इजराइल के पास एक आयरन डोम है। उनके पास मजबूत मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। इजराइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलें दागी गईं थी, लेकिन इनमें से सिर्फ एक मिसाइल निशाने पर लगी थी। अन्य देशों के पास इस तरह का सिस्टम क्यों नहीं होना चाहिए और हमारे पास ऐसा क्यों नहीं है हम हमारे देश के लिए ऐसा ही आयरन डोम बनाएंगे और ये सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी हमारे देश की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सके और हमारे लोगों को नुकसान न पहुंचा सके। ट्रंप ने जून में विंस्कोंसिन में एक रैली के दौरान कहा था कि अपने अगले कार्यकाल में हम हमारे देश के लिए एक आधुनिक आयरन डोम बनाएंगे। एक ऐसा आयरन डोम, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया होगा और यह सिस्टम पूरे देश के लिए बनाया जाएगा। क्या है आयरन डोम आयरन डोम को इजराइल ने हवाई हमलों से बचने के लिए विकसित किया था। यह कम दूरी और मध्यम दूरी के मिसाइल हमलों के खिलाफ इजराइल के लिए एक ढाल की काम करता है। अरबों डॉलर की इस हथियार प्रणाली ने बीते अप्रैल में ईरान की तरफ से किए गए हवाई हमलों में सफलतापूर्वक इजराइल की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ईरान की तरफ से इजराइल पर करीब 300 मिसाइल और ड्रोन्स दागे थे, लेकिन ईरान आयरन डोम की वजह से इजराइल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका था।

वेदांत पटेल बोले- भारत-अमेरिका भागीदारी अहम, यूक्रेन में न्यायपूर्ण शांति का समर्थन करने की अपील

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका ने भारत को कई प्रमुख क्षेत्रों में अपना भागीदार बताया है। साथ ही नई दिल्ली से यूक्रेन के लिए स्थायी और न्यायपूर्ण शांति प्राप्त करने के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया है। पीएम मोदी की रूस यात्रा के बाद अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल से सवाल किया गया। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम कई प्रमुख क्षेत्रों में भागीदार हैं। यह पिछली गर्मियों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुआ था, जब हमने प्रधानमंत्री मोदी की राजकीय यात्रा की मेजबानी की थी। वहीं, यूक्रेन और रूस की क्षेत्रीय संप्रभुता पर चल रही आक्रामकता और उल्लंघन के संदर्भ में, उन्होंने कहा, हम भारत सहित सभी भागीदारों से यूक्रेन के लिए एक स्थायी और न्यायपूर्ण शांति के प्रयासों का समर्थन करने के लिए कहते रहेंगे। हम रूस से भी आग्रह करते हैं कि वह यूक्रेन के संप्रभु क्षेत्र से अपनी सेना को वापस बुलाए।

पीएम नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई तक रूस की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। 2022 में मॉस्को और कीव के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से यह पीएम मोदी की पहली रूस यात्रा थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने पीएम मोदी की रूस यात्रा पर निराशा व्यक्त कर शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी झटका बताया था।

जबकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष में बच्चों की हत्याओं का मुद्दा उठाया था। कहा कि जब निर्दोष बच्चे मरते हैं तो यह दिल दहला देने वाला होता है। पीएम मोदी ने बैठक के दौरान कहा, चाहे युद्ध हो, संघर्ष हो, आतंकवादी हमले हों, मानवता में विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति को जान का नुकसान होने पर दुख होता है। लेकिन जब निर्दोष बच्चों की हत्या होती है, जब हम निर्दोष बच्चों को मरते हुए देखते हैं, तो यह दिल दहलाने वाला होता है। वह दर्द बहुत बड़ा होता है। मेरी इस मुद्दे पर आपके साथ विस्तृत चर्चा भी हुई है। उन्होंने कहा कि युद्ध का मैदान कोई समाधान नहीं है। बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होती है।

तेल अवीव की सड़कों को ड्रोन से बनाया गया निशाना विस्फोट में एक की मौत और 10 घायल, सेना ने बढ़ाई गश्त

यरूशलम , 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

तेल अवीव में एक बड़ा विस्फोट हुआ। विस्फोट से कम से कम 10 लोग घायल हो गए। साथ ही एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इजराइली सेना विस्फोट की समीक्षा कर रही है। साथ ही निगरानी बढ़ा दी गई है। इजराइल को अब ड्रोन से निशाना बनाया जाने लगा है।

इजराइल में मध्य तेल अवीव की सड़कों पर सुबह-सुबह एक विस्फोट ने अफरा-तफरी मचा दी। दरअसल पिछले नौ महीनों से हमास और इजराइल के बीच युद्ध चल रहा है। इस दौरान हूतियों ने हमास के साथ सहानुभूति दिखाते हुए बार-बार ड्रोन ओर मिसाइल इजराइल पर दागी हैं। लेकिन फिर सभी को या तो इजराइल या क्षेत्र में तैनात पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रोक दिया गया था। बता दें कि दोनों ने अब तक हूतियों पर कोई हमला नहीं किया है, बल्कि इसके सहयोगियों को आगे बढ़ने का मौका दिया। क्योंकि वह गाजा में युद्ध और लेबनान के हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के साथ चल रही लड़ाई पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। विस्फोट से दस लोग बुरी तरह घायल हो गए, वहीं एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों का इलाज जारी है, हमले में एक 50 वर्षीय व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। इस विस्फोट के बाद से ही इजराइली सेना अलर्ट मोड पर है। वे विस्फोट की समीक्षा कर रहे हैं। इस घटना के बाद से ही हवाई गश्त भी बढ़ा दी गई है। जिसकी प्रारंभिक जांच में अब तक यह सामने आया है कि यह हवाई लक्ष्य के कारण हुआ था। हूती विद्रोहियों ने ली हमले की जिम्मेदारी यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल की सड़कों पर हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार यमन के हूती विद्रोहियों ने तेल अवीव पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है।

पाकिस्तान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शहबाज सरकार का एक्शन, एक्स के बाद इन एप्स पर लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद, 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। जिससे यूजर्स को कई इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ यूजर्स को मेटा के अन्य ऐप जैसे कि व्हाट्सएप को भी सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। प्रतिबंध पर सरकार ने नहीं दिया आधिकारिक बयान हालांकि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लगाए गए प्रतिबंधों के बारे में अभी तक पाकिस्तानी सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। जबकि यह प्रतिबंध उच्च न्यायपालिका, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के बीच चल रही

खींचतान के बीच आया है। मुहर्रम के दौरान पंजाब प्रांत में लगा था प्रतिबंध मुख्यमंत्री मरियम नवाज के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पहले 6 से 11 मुहर्रम (13 से 18 जुलाई) तक पंजाब में सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म - यूट्यूब, एक्स, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहा था। ताकि पवित्र महीने के दौरान नफरत फैलाने वाली सामग्री, गलत सूचना को नियंत्रित किया जा सके और सांप्रदायिक हिंसा से बचा जा सके।

दूरसंचार कंपनी सरकार के जवाब का कर रही इंतजार मामले में दूरसंचार कंपनी नायटेल ने एक्स पर कहा- पिछले दो दिनों से देश भर में सभी सेवा प्रदाताओं के साथ फेसबुक और इंस्टाग्राम सेवाए बाधित हैं। यह रुकावट पहले से ही प्रतिबंधित एक्स के अतिरिक्त है। इस रुकावट के कारणों और इस प्रतिबंध को कब हटाया जाएगा, इस बारे में हम पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण से जवाब का इंतजार कर रहे हैं। कई नेता और सेना प्रमुख ने की थी बैन की मांग पाकिस्तान में 8 फरवरी को हुए आम चुनाव में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित उम्मीदवारों के आक्रोश के बाद, 17 फरवरी, 2024 से एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जबकि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर पहले ही सोशल मीडिया को शातिर मीडिया घोषित कर चुके हैं और इस डिजिटल आतंकवाद से लड़ने की जरुरत पर जोर दे चुके हैं। वहीं पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार, जिनके पास विदेश मंत्री का पद भी है।

पीएम स्टार्मर ने यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ की बैठक ब्रेग्जिट के लिए नए दिशा निर्देश तय करने की मांग

लंदन, 19 जुलाई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ऑक्सफोर्डशायर में यूरोपीय संघ के नेताओं का स्वागत किया है। उन्होंने यूरोपीय संघ के 27 सदस्यों वाले आर्थिक संगठन को फिर से तैयार करने पर जोर दिया। बता दें कि वर्ष 2016 में हुए जनमत संग्रह के बाद से ब्रिटेन, यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है। यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने की प्रक्रिया को ब्रेग्जिट कहा जाता है। उस समय ब्रिटेन के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ से अलग होने के लिए जनादेश दिया था। अब कीर स्टार्मर का कहना है कि ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ अवैध आप्रवासन से निपटने के साथ ही सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की। कुल मिलाकर ब्रेग्जिट के बाद ब्रिटेन,

यूरोप के साथ तनावपूर्ण संबंधों को फिर से ठीक करने की कोशिश में जुटा है। ब्लेनहेम पैलेस में बैठक का आयोजन यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) की बैठक का आयोजन ब्लेनहेम पैलेस में किया गया। ब्लेनहेम पैलेस, पूर्व प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल का जन्म स्थान है। बैठक में कीर स्टार्मर ने यूरोप के साथ ब्रेग्जिट के बाद के संबंधों को लेकर लेबर पार्टी सरकार के लिए नए दिशा-निर्देश तय करने की मांग की। ऐसा इसलिए ताकि वे अवैध आप्रवासन और रूस-यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर एकजुट हो सकें। हम कंजर्वेटिव सरकार की नीतियों को नहीं मानते- स्टार्मर कीर स्टार्मर ने बैठक के दौरान कहा कि ब्रिटेन की नई सरकार पिछली कंजर्वेटिव पार्टी की नीतियों को नहीं मानती। उन्होंने कहा कि रवांडा के अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने की योजना ठीक नहीं थी और इसलिए इस योजना को समाप्त कर दिया गया। स्टार्मर ने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिटेन कभी भी मानवाधिकारों पर यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएचआर) से पीछे नहीं हटेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा,'ईपीसी, यूरोप के प्रति ब्रिटेन की सरकार के नए दृष्टिकोण पर विचार करेगा तो हम सभी को फायदा होगा। इससे आने वाली पीढ़ियों को भी फायदा मिलेगा।' स्टार्मर ने यूरोप में मानव तस्करी पर लगाम कसने पर जोर दिया। उन्होंने यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की कार्रवाइयों के खिलाफ खड़े होने पर भी प्रतिबद्धता जताई।'मौजूदा रिश्तों को मजबूत करेंगे और नए रिश्ते बनाएंगे' स्टार्मर ने आगे कहा, 'मैं अपने देश के हित के लिए विचारधाराओं पर काम नहीं करता। इसलिए हम मौजूदा रिश्तों को मजबूत करेंगे और नए रिश्ते बनाएंगे। इसमें यूरोपीय संघ के साथ हमारे संबंधों नए सिरे से तय करना भी शामिल है। यह बैठक अवैध आप्रवासन के लिए नए रास्ते चुनने के लिए भी महत्वपूर्ण है।' इस बाद स्टार्मर ईपीसी के प्रवासन कार्य समूह में शामिल हुए। इस समूह में इटली, अल्बानिया, जर्मनी, माल्टा, डेनमार्क, हंगरी, नीदरलैंड्स और स्लोवाकिया भी शामिल हैं।

कमला हैरिस अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित, वेंस के खिलाफ टिप्पणी पर तुलसी गबार्ड ने साधा निशाना

वॉशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस की पूर्व सदस्य तुलसी गबार्ड ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर निशाना साधा। गबार्ड ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथी जेडी वेंस के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उपराष्ट्रपति की आलोचना की। गबार्ड ने कहा कि हैरिस अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा से प्रेरित हैं, उन्हें उपराष्ट्रपति के पद पर नहीं रहना चाहिए। बता दें कि ट्रंप ने जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना प्रत्याशी चुना है, जिसके बाद कमला हैरिस ने वेंस पर टिप्पणी की। कमला ने अमेरिकियों को चेतावनी दी थी कि वेंस केवल ट्रंप के प्रति वफादार रहेंगे, अमेरिका के प्रति नहीं। गबार्ड ने हैरिस को अतीत की याद दिलाई और कहा कि जेडी वेंस ने 9/11 के हमलों के बाद खुद को मरीन कॉर्प्स में भर्ती कराया। 2005 में उन्हें इराक में तैनात किया गया। उन्होंने पूछा, क्या कमला हैरिस किसी भी समय हमारे देश की सेवा में अपनी जान की बाजी लगाने को तैयार थीं। हवाई की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का यह बयान कमला हैरिस के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जेडी वेंस डोनाल्ड ट्रंप और उनके चरम एजेंडे के लिए रबर स्टैंप के रूप में काम करेंगे। एक वीडियो में, हैरिस ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने नए साथी जेडी वेंस को चुना है। ट्रंप किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में थे, जिसे वह जानते थे कि वह उनके चरम एजेंडे के लिए रबर स्टांप होगा। उन्होंने आगे कहा, कोई गलती न करें, जेडी वेंस केवल ट्रंप के प्रति वफादार होंगे, हमारे देश के प्रति नहीं। रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस ने कहा, यदि वेंस निर्वाचित होते हैं तो वह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए चरम परियोजना 2025 को लागू करने में मदद करेंगे, जो हेड स्टार्ट और मेडिकेयर जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को लक्षित करेगा। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

शैफाली और स्मृति के तूफान से पाकिस्तान थर्राया, भारत का विजयी आगाज

दांबुला 19 जुलाई (एजेंसियां)। शैफाली वर्मा (40) और स्मृति मांधना (45) के बीच 85 रन की फटाफट पारी की मदद से भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को एशिया कप के शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान को सात विकेट से आसानी से धो दिया।

टॉस जीत कर पहले खेलते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 19.2 ओवर में 108 पर आउट हो गई। जवाब में भारत ने विजय लक्ष्य को 35 गेंद शेष रहते हुये तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। दीप्ति शर्मा (20 रन पर तीन विकेट), रेणुका सिंह (14 रन पर दो विकेट), श्रेयांका पाटिल (14 रन पर दो विकेट) और पूजा वस्त्राकर (31 रन पर दो विकेट) ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाजों को बांध कर रखा और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाये।

नतीजन पाकिस्तान की टीम को अपने स्कोर को तीन अंको तक ले जाने में भी पसीना बहाना पड़ा।

दूसरी ओर विस्फोटक शैफाली वर्मा ने क्रीज पर पांव जमाते ही पाकिस्तानी गेंदबाजों की बखिया उधेड़नी शुरु कर दी। दूसरे छोर पर उन्हे स्मृति का भरपूर साथ मिला।

दोनो बल्लेबाजों ने करीब नौ रन के औसत से रन बटोरे। उनका अंदाज देख कर लग रहा था कि भारत विजय लक्ष्य को 11वें ओवर में ही हासिल कर लेगा लेकिन इस बीच सैयादा अरुब शाह (9 रन पर दो विकेट) ने लगातार दो ओवरों में एक के बाद एक कर सलामी बल्लेबाजों को चलता किया लेकिन भारत की जीत उस समय तक पक्की हो चुकी थी। शैफाली ने छह चौकों और एक छक्के के साथ 137 के स्ट्राइक रेट से रन बटोरे वहीं मंधाना ने 31 गेंदों की पारी में नौ बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब एफसी ने आगामी सीज़न के लिए लुका माजसेन को फिर से किया अनुबंधित

मोहाली। पंजाब एफसी ने आगामी 2024-25 सीज़न से पहले लुका माजसेन के साथ फिर से एक साल का करार किया है। लुका ने पिछले दो सीज़न पंजाब एफसी के साथ बिताए, इंडियन सुपर लीग के अपने पहले सीज़न में टीम की कप्तानी की, जब पंजाब एफ़सी आई-लीग से आईएसएल में पदोन्नत होने वाला पहला क्लब बना। लुका एक अनुभवी स्ट्राइकर हैं और उनके नेतृत्व में क्लब को पिछले दो सीज़न में प्रभाव डालने में मदद की है। लुका का 2023-24 सीज़न प्रभावशाली रहा, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए और दो बार सहायता की। 2022-23 आई-लीग सीज़न में लुका ने 20 मैचों में 16 गोल किए, जिससे टीम को आईएसएल में पदोन्नति मिली और उन्होंने हीरो ऑफ़ द लीग और गोल्डन बूट पुरस्कार भी जीते। 35 वर्षीय स्लोवेनियाई खिलाड़ी पिछले चार सीज़न से भारतीय फुटबॉल में अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। वह भारतीय फुटबॉल के शीर्ष तीन स्तरों में खेलने वाले केवल तीसरे विदेशी हैं। लुका 2022 में पंजाब एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स, बेंगलुरु यूनाइटेड और गोकुलम केरल के लिए खेल चुके हैं। लुका ने अपने करियर की शुरुआत लुब्लियाना स्थित स्लोवेनियाई टीम इंटरब्लॉक के साथ की थी। भारत आने से पहले वह अन्य स्लोवेनियाई क्लबों जैसे रूडर वेलेंजे, कोपर, ट्रिग्लव क्रांज, गोरसिया और क्रका के लिए भी खेल चुके हैं। लुका एक स्लोवेनियाई इंटरनेशनल यूथ हैं जो अंडर-18, 19, 20 और 21 श्रेणियों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अनुबंध के बारे में, पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक, निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, लुका एक बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्हें क्लब और भारतीय फुटबॉल की बहुत अच्छी समझ है। उन्होंने हमारे लिए पिछले दो सीज़न में उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है और हमें लगा कि वह इस सीज़न में भी तत्काल प्रभाव डाल सकते हैं।

गावस्कर ने तेज गेंदबाजों के बार-बार ड्रिंक ब्रेक लेने के प्रचलन को गलत बताया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आजकल जिस प्रकार तेज गेंदबाजों के लिए बार-बार ड्रिंक ब्रेक का प्रचलन शुरु हुआ है। वह सही नहीं है और इसे समाप्त कर देना चाहिये। खेल के दौरान आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक के अलावा इस प्रकार का कोई ब्रेक जरुरी नहीं है। आजकल देखा गया है कि कई बार टीमें अपने तेज गेंदबाजों के लिए सीमा रेखा के पास ड्रिंक भी उपलब्ध कराती हैं। गावस्कर ने इन खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें केवल छह गेंदों के बाद पानी की जरूरत कैसी होती है। वहीं बल्लेबाज आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक का इंतजार करते हैं। गावस्कर ने लिखा, क्रिकेट में, गेंदबाजों, खासकर तेज गेंदबाजों द्वारा ओवर पूरा करने के बाद बाउंड्री लाइन पर ताजा पेय लेने की आधुनिक प्रथा अधिकारियों द्वारा इस प्रथा की अनदेखी का एक उदाहरण है। अगर गेंदबाज छह गेंदों पर पूरी ताकत लगाने के बाद अपने को हाइड्रेट करने जा रहे हैं, तो फिर ड्रिंक्स ब्रेक का मतलब क्या रह जाएगा जबकि बल्लेबाज को ओवर के बाद ड्रिंक लेने का मौका नहीं मिलता।

पेरिस ओलंपिक शूटर सिफ्त कौर के लिए सामान्य टूर्नामेंट

नई दिल्ली। भारतीय राइफल शूटर सिफ्त कौर समरा अपने पहले ओलंपिक में दबाव महसूस नहीं कर रही हैं, बल्कि वह हर चार साल में होने वाले इस शोपीस इवेंट को एक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के रूप में देख रही हैं ।सिफ्त कौर ने पेरिस ओलम्पिक से तुलना करते हुए कहा कि 'सिर्फ़ टूर्नामेंट का नाम बदलता है, लोग या तकनीक नहीं ।सिफ्त कौर, जो वर्तमान में लक्ज़मबर्ग में अपने प्रशिक्षण केंद्र में हैं। 23 जुलाई से फ्रांस की राजधानी में शुरू होने वाले पेरिस खेलों में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में प्रतिस्पर्धा करेंगी ।469.6 के विश्व रिकॉर्ड के साथ एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि ओलंपिक चार साल बाद आ रहा है, इसलिए यह अन्य सामान्य विश्व कप की तुलना में बहुत बड़ा है लेकिन उनके लिए यह एक और प्रतियोगिता है। वह पिछले टूर्नामेंट और प्रशिक्षण सत्रों में इस्तेमाल की गयी तकनीकों पर कड़ी मेहनत को ही अपनाएंगी। यह हमारे लिए एक सामान्य विश्व कप जैसा ही है।

कीर्ति कार्यक्रम से देशभर से एथलीटों की पहचान और कौशल विकास होगा: मांडविया

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आईडेंटिफिकेशन (कीर्ति) कार्यक्रम देशभर से प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान कर उनके कौशल को विकसित करेगा।

डॉ. मांडविया ने आज यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कीर्ति कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य देशभर से प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान कर उनके कौशल को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि देश में बौद्धिक क्षमता, जनशक्ति या प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीर्ति कार्यक्रम के तहत 100 दिनों के भीतर एक लाख उभरते युवा एथलीटों की पहचान करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कीर्ति कार्यक्रम के तहत गांव और शहर सभी को खेल कौशल को विकसित करने के अवसर दिए जाएंगे, फिर चाहे किसी भी पृष्ठभूमि से हों। उन्होंने कहा एक राष्ट्रव्यापी प्रतिभा खोज की शुरुआत की गयी, जो 2047 तक भारत को ओलंपिक खेलों में शीर्ष पांच देशों में शामिल होने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

डॉ. मांडविया ने कहा, भारत विविधता और संभावनाओं से भरा हुआ है। देश में कभी भी बौद्धिक क्षमता, जनशक्ति या प्रतिभा की कमी नहीं रही है। न केवल शहरों में, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे पूर्वोत्तर, तटीय, हिमालयी और आदिवासी क्षेत्रों से भी अच्छे खिलाड़ी उभर कर रहे हैं।

कीर्ति का उद्देश्य इन प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान कर उनके कौशल को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे जीवन में खेलों के महत्व पर जोर दिया है। भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के दृष्टिकोण के साथ, सरकार ने प्रतिभाशाली एथलीटों को निखारने में सक्रिय कदम उठाए हैं। हमारे खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अच्छे उपकरणों की जरुरत है और यहीं पर कीर्ति, खेल उत्कृष्टता के लिए महत्पूर्ण कदम साबित हो रही है।

विश्व जूनियर स्क्वैश टीम स्पर्धा में भारत का विजयी आगाज

चेन्नई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को अमेरिका के ह्यूस्टन में विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप की टीम स्पर्धा में विजयी शुरुआत की। भारत के लड़कों ने ग्रुप एफ में कुवैत को 3-0 से हरा दिया जबकि लड़कियों ने ग्रुप डी में चीनी ताइपे को समान अंतर से हराया। भारत की पुरुष टीम का आज यानी शुक्रवार को ब्राज़ील से मुकाबला होगा वहीं बालिका वर्ग में ब्राज़ील और ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ मैच खेले जाने हैं।

परिणाम: बालक (समूह एफ): भारत ने कुवैत को 3-0 से हराया (अरिहंत केएस ने अब्दुल्ला अली को 11-9,11-8,11-6 से हराया, अयान वजीरल्ली ने खालिद वालेद अल फौजैन को 11-6, 5-11,11-8, 11-4 से हराया, युवराज वाधवानी ने जसीम अदेल अल ग़रीब को 11-4, 10-12,11-5,11-0) से हराया।

बालिका (समूह डी): भारत ने चीनी ताइपे को 3-0 से हराया (निरुपमा दुबे ने शू-यू ली को 11-1, 11-2, 11-1 से हराया, शमीना रियाज़ ने शॉ जेन-जू पर्ल को 11-3, 11-3, 11-5 से हराया, अनाहत सिंह ने चेंग यू-चेन को 11-1,11-1,11-4 से हराया।

महान क्रिकेटर ज्योफ्री बॉयकॉट ने कराई कैंसर की सर्जरी, बेटी ने कहा मैं उनसे मिली नहीं हूं लेकिन...

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां) । इंग्लैंड के महान क्रिकेटर सर ज्योफ्री बॉयकॉट के गले से ट्यूमर को हटाने के लिए सर्जरी की गई। यह जानकारी उनकी बेटी एम्मा बॉयकॉट ने दी। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने इससे पहले भी गले के ट्यूमर के लिए 2002 में कीमोथेरेपी का सहारा लिया था। इस 83 साल के पूर्व दिग्गज को मई में पता चला कि वह फिर से इस कैंसर की चपेट में आ गए हैं।

एम्मा ने बॉयकॉट के एक्स अकाउंट पर लिखा, सभी को यह बताना चाहती हूं कि मेरे पिता ज्योफ्री को गले के कैंसर को हटाने के लिए तीन घंटे के ऑपरेशन से गुजरना पड़ा। उनकी सर्जरी पूरी हो गई है। उन्होंने कहा, मैं अभी उनसे मिली नहीं हूं लेकिन चिकित्सकों का कहना है कि यह सफल रहा। उन्होंने मुझसे इस जानकारी को साझा करने के लिए कहा।

बॉयकॉट ने 1964 से 1982 तक के अपने शानदार करियर में 108 टेस्ट मैचों में लगभग 48 की औसत से 8,000 से अधिक रन बनाये। उनके नाम प्रथम श्रेणी में 100 से अधिक शतक है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी और मुख्य कोच डेरेन लेहमन के साथ इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ियों एलन बुचर और माइकल वॉन के साथ इस खबर पर प्रतिक्रिया दी। वॉन ने इस पोस्ट को दिल वाली इमोजी री-पोस्ट की।

लेहमन ने लिखा, इस जानकारी के लिए धन्यवाद, कृपया हमारी शुभकामनाओं को पूरे परिवार तक पहुंचाएं। खुशी है कि सर्जरी सफल रही। बुचर ने लिखा, बहुत अच्छी खबर। बॉयकॉट ने दो सप्ताह पहले बताया था, मेरा एमआरआई स्कैन, सीटी स्कैन, एक पीईटी स्कैन और दो बायोप्सी हुई है, जिसमें पुष्टि हुई है कि मुझे गले का कैंसर है, जिसकी सर्जरी की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, बीते अनुभव से मुझे महसूस हुआ है कि दूसरी बार कैंसर से निपटने के लिए मुझे बेहतरीन चिकित्सा की जरूरत होगी और अगर भाग्य का साथ मिला, सर्जरी सफल रहती है तो हर कैंसर मरीज जानता है कि उसे फिर से इस बीमारी की चपेट में आने की आशंका के साथ जीना होता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड ने रचा इतिहास, बना डाला सबसे तेज 50 रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 19 जुलाई । इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इतिहास रच दिया. ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे इस टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने सिर्फ 4.2 ओवर में 50 रन बनाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है. इंग्लैंड के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 रन बनाने का रिकॉर्ड हो गया है.

किसी टीम द्वारा टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 50 रन बनाने का रिकॉर्ड अब इंग्लैंड के नाम हो गया है. इंग्लैंड ने यह कारनामा वेस्टइंडीज के खिलाफ किया. ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने सिर्फ 4.2 ओवर में 50 रन बना डाले. इससे पहले भी किसी टीम द्वारा सबसे तेज 50 रन बनाने का रिकॉर्ड भी इंग्लैंड के ही नाम था. 1994 में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4.3 ओवर में 50 रन बनाए थे.

पांचवें ओवर में 50 रन पूरे

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी. ओपनर जैक क्रॉली खाता खोले बिना ही आउट हो गए थे. हालांकि, बेन डकेट पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने ताबड़तोड़ बैटिंग से अपनी टीम के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड कर दिया. डकेट ने टेस्ट में भी टी20 जैसी बैटिंग की. इंग्लैंड ने जब पांचवें ओवर में 50 रन पूरे किए तो बेन डकेट 14 गेंद में 33 रन पर थे. उनके साथ ओली पोप 9 गेंद में 16 रन पर थे।

बिना छक्का मारे बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंग्लैंड ने सिर्फ 4.2 ओवर यानी 26 गेंद में ही 50 रन बनाकर टेस्ट क्रिकेट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज 50 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया. आपको जानकर हैरानी होगी कि इंग्लैंड की तरफ से इस दौरान कोई छक्का नहीं लगा. इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने सिर्फ चौके मारे और वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

भारतीय टीम को मोहम्मद शमी और इस खिलाड़ी के भविष्य के बारे में बात करके आगे का प्लान बनाना चाहिए, पूर्व कोच ने दी अहम सलाह

नई दिल्ली, 19 जुलाई ।

भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हांब्रे ने कहा कि नए टीम प्रबंधन को मोहम्मद शमी और रविचंद्रन अश्विन के भविष्य के बारे में बातचीत करने की जरुरत है। म्हांब्रे ने साथ ही कहा कि नए टीम प्रबंधन को आगे का प्लान बनाने की जरुरत है। शमी और अश्विन भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का प्रमुख हिस्सा रहे हैं।

रविचंद्रन अश्विन ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना 100वां टेस्ट खेला था। वहीं, मोहम्मद शमी पिछले साल विश्व कप के बाद से क्रिकेट एक्शन से दूर हैं। तेज गेंदबाज इस समय ठीक होने में जुटे हुए हैं। वर्ल्ड कप 2023 के बाद शमी ने सर्जरी कराई थी। शमी ने गेंदबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया है।

सीनियर-जूनियर का हो संयोजन

पारस म्हांब्रे ने बातचीत में कहा कि सीनियर गेंदबाजों को ध्यान में रखते हुए योजना बनाने की जरुरत है। युवाओं को सीनियर साथियों के साथ मिलाने की जरुरत है। म्हांब्रे ने कहा, शमी और अश्विन से भविष्य की योजना के बारे में बातचीत करके आगे का प्लान बनाने की जरुरत है।

उन्होंने आगे कहा, जब हमने युवाओं में निवेश करने का फैसला किया तो हमने सुनिश्चित किया कि वो मैदान में अकेले सभी जिम्मेदारियां नहीं उठाएं। चाहे अर्शदीप हो या फिर आवेश खान, हमने सुनिश्चित किया कि वो सीनियर गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करें।

पांच साल लग गए

पारस म्हांब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाजी पूल बनाने में कितना समय लगेगा, इसका पता लगा पाना मुश्किल है। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच ने बताया कि उन्होंने 2015 से तेज गेंदबाजों का पूल बनाना शुरू किया और 2020 में वो इस काम को पूरा कर पाए।

भारतीय टीम सितंबर में अगली टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसमें वह बांग्लादेश का सामना करेगी। मोहम्मद शमी और रविचंद्रन अश्विन को इस सीरीज में वापसी की उम्मीदें हैं। देखना दिलचस्प होगा कि पारस म्हांब्रे की अहम सलाह को नया टीम प्रबंधन कितना ध्यान में रखेगा।

20 अक्टूबर को होगी वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां) । राजधानी की सड़कों की शोभा बढ़ाने के लिए, विश्व की प्रतिष्ठित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2024 का 19वां संस्करण दिल्ली और उसके नागरिकों की जीवंत भावना का उदाहरण देने के लिए तैयार है जिसमें दुनिया भर से प्रतिभागी एकजुट होंगे। इसका आयोजन इस साल 20 अक्टूबर को किया जाएगा। प्रोकैम इंटरनेशनल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सहभागी खेल आयोजन के लिए पंजीकरण शुरू करने की घोषणा की।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन की भौतिक और आभासी दौड़ के लिए पंजीकरण प्रातः 7:00 बजे से शुरू होंगे। 260,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस में दुनिया भर के शौकीनों के साथ कुछ सबसे तेज़ एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, दिल्ली पुलिस के आयुक्त, संजय अरोड़ा ने कहा, वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन एक सामुदायिक कार्यक्रम है जो पूरी दिल्ली को एकजुट करता है।

मैराथन के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि हम खुद के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, इसलिए प्रोकैम इंटरनेशनल , वेदांता और सभी इवेंट हितधारक को बधाई। विश्व स्तर पर विविधतापूर्ण प्राकृतिक संसाधन कंपनी, वेदांता ने अपने सहयोग के पिछले दो वर्षों में सरनफॉरजीरोहंगर के उद्देश्य को आगे बढ़ाया है। प्रत्येक किलोमीटर दौड़ के लिए, इसने अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के तहत अपने सामाजिक प्रभाव पहल के माध्यम से बेहतर पोषण की आवश्यकता वाले एक बच्चे को भोजन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। एसोसिएशन को जारी रखने के लिए उत्साहित, प्रिया अग्रवाल हेब्बार, गैर-कार्यकारी निदेशक, वेदांता लिमिटेड और चेयरपर्सन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने कहा, यह वर्ष का वह समय है जब पूरा देश सरनफॉरजीरोहंगर नामक एक उद्देश्य के लिए एक साथ आता है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में प्रत्येक किलोमीटर दौड़ के लिए, हम एक भोजन का योगदान देंगे और इस वर्ष हमारा लक्ष्य 5 मिलियन भोजन का है।

आइए एक साथ आएं और भारत के लिए एक उज्जवल, भूख-मुक्त भविष्य बनाने के लिए दौड़ें। सभी शारीरिक दौड़ श्रेणियों के लिए पंजीकरण - हाफ मैराथन, ओपन 10के , ग्रेट दिल्ली रन (4.5 किमी), सीनियर सिटीजन रन (2.5 किमी), और चैंपियंस विद रहेगा। प्रोकैम इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने कहा,हम वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए पंजीकरण की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं, एक ऐसा आयोजन जो एथलेटिक उत्कृष्टता और सामुदायिक जुड़ाव की सीमाओं को आगे बढ़ाता है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार, विदेश मंत्रालय भारत सरकार, गृह मंत्रालय भारत सरकार, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के अथक समर्थन के लिए आभारी हैं।

चार करोड़ व अधिक कीमत वाले मकानों की बिक्री 27 फीसदी बढ़ी, सीबीआरई की रिपोर्ट में मिली जानकारी

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

मजबूत मांग के कारण देश के सात प्रमुख शहरों में इस साल की पहली छमाही (जनवरी-जून) में चार करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लग्जरी मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़कर 8,500 इकाई पहुंच गई। जनवरी-जून, 2023 में इन शहरों में कुल 6,700 लग्जरी मकान बिके थे। रियल एस्टेट कंसल्टेंट सीबीआरई ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, लग्जरी मकानों की सबसे ज्यादा बिक्री तीन शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और हैदराबाद में हुई है। कुल 8,500 बिके मकानों में इन शहरों की हिस्सेदारी करीब 84 फीसदी रही है। बिक्री बढ़ने की प्रमुख वजह: सीबीआरई के सीईओ-चेयरमैन अंशुमान मैगजीन ने कहा, लग्जरी मकानों की बिक्री बढ़ने की प्रमुख वजह है कि लोग ऐसा घर खरीदना चाहते हैं, जो उनकी समृद्ध जीवनशैली के हिसाब से हो।

इस साल के बाकी समय में आवासीय बाजार में मजबूत गति की उम्मीद है। दिल्ली-एनसीआर में बिके सर्वाधिक मकान जनवरी-जून में दिल्ली-एनसीआर में सर्वाधिक 3,300 लग्जरी मकान बिके। यह सालाना आधार पर 14 फीसदी ज्यादा है। मुंबई में भी बिक्री 14 फीसदी बढ़कर 2,500 इकाई पहुंच गई। हैदराबाद में बिक्री 44 फीसदी बढ़कर 1,300 इकाई पहुंच गई। चेन्नई और कोलकाता में क्रमश: 100 व 200 मकान बिके।

पुणे में बिक्री 450 फीसदी की बड़ी तेजी के साथ 1,100 इकाई पहुंच गई। बंगलूरू में बिक्री शून्य रही। रियल एस्टेट: अप्रैल-जून में 1.56 अरब डॉलर के सौदे रियल एस्टेट क्षेत्र में अप्रैल-जून, 2024 में 1.56 अरब डॉलर के 19 सौदे हुए। यह आंकड़ा पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) के 20 करोड़ डॉलर से आठ गुना अधिक है। ग्रांट थॉर्नटन ने रिपोर्ट में कहा, इस साल की दूसरी तिमाही में भारतीय रियल्टी बाजार ने जोरदार गतिविधियां दिखाई है। इस तेजी में चार बड़े मूल्य के सौदों की बड़ी भूमिका है। इस अवधि में निजी इक्विटी सौदों का मूल्य 8.5 गुना होकर 143.9 करोड़ डॉलर पहुंच गया, जो पिछली तिमाही में 16.8 करोड़ डॉलर था। टियर-2 शहरों में 94 प्रतिशत तक बढ़े मकानों के दाम मकानों की ऊंची मांग की वजह से चार वर्षों में शीर्ष-30 टियर-2 शहरों में मकानों के दाम 94 फीसदी तक बढ़े हैं।

न्यूज ब्रीफ

एल्युमीनियम कबाड़ आयात पर शून्य शुल्क की मांग

नई दिल्ली । बजट से पहले पुनर्चक्रण उद्योग निकाय एआई ने सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर आयात शुल्क हटाने की मांग करते हुए कहा कि इससे उद्योग में स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। मैटेरियल रिसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) के अनुसार एल्युमीनियम कबाड़ (स्क्रैप) की पुनर्चक्रण प्रक्रिया से प्रति टन उत्पादन पर केवल तीन लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होता है, जबकि स्मेल्टर के जरिये एक मीट्रिक टन एल्युमीनियम के उत्पादन पर 14 टन कार्बन उत्सर्जन होता है। इसमें बिजली आपूर्ति के लिए कोयला आधारित क्षमता बनाए रखना शामिल है। एआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय एल्युमीनियम पुनर्चक्रण उद्योग के सामने सबसे बड़ी चुनौती एल्युमीनियम कबाड़ पर 2.5 प्रतिशत आयात शुल्क है। यह एल्युमीनियम पुनर्चक्रण के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है और सरकार को इसे तब तक शून्य करना चाहिए जब तक कि घरेलू बाजार में गुणवत्तापूर्ण सामग्री (कबड़ा) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न हो जाए। वित्त मंत्री 23 जुलाई को संसद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण केंद्रीय बजट पेश करेंगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की अनुमानित उच्च वृद्धि तथा महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे के विकास के कारण अगले कुछ वर्षों में एल्यूमीनियम की मांग काफी अधिक होने वाली है। एआई के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि एल्युमीनियम कबाड़ पर आयात शुल्क लगाना प्रतिगामी हो सकता है और इससे सतत लक्ष्यों तक पहुंचने के हमारे प्रयासों में कमी आएगी। निकाय ने तांबा तथा पीतल कबाड़ पर भी शून्य शुल्क की मांग की है, जिन पर वर्तमान में 2.5 प्रतिशत शुल्क लगता है। जस्ता तथा सीसा पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क है।

2024 की पहली छमाही में रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी निवेश 15 प्रतिशत बढ़कर 3 अरब डॉलर हुआ

मुंबई। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में प्राइवेट इक्विटी (पीई) निवेश 2024 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 3 अरब डॉलर हो गया है, जो कि एक वर्ष पहले समान अवधि में 2.6 अरब डॉलर था। नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी-जून की अवधि में पीई द्वारा रियल एस्टेट सेक्टर में किए गए कुल निवेश का 52 प्रतिशत वेयरहाउसिंग में आया है। इसमें से रेजिडेंशियल में 29 प्रतिशत और ऑफिस में 20 प्रतिशत निवेश हुआ है। रेजिडेंशियल सेक्टर में पीई निवेश 2024 की पहली छमाही में 209 प्रतिशत बढ़कर 854 मिलियन हो गया है, जो कि एक वर्ष पहले 277 मिलियन था। मुंबई में पीई निवेश 2024 की पहली छमाही में बढ़कर 1.70 अरब डॉलर हो गया है, जो कि 2023 की पहली छमाही में 1.24 अरब डॉलर था।

एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी पहुंचा बायजू बीसीसीआई से विवाद मामला

नई दिल्ली । संकट में फंसे बायजू ने एनसीएलटी के उस हालिया आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) का रुख किया है जिसमें क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई की याचिका को अनुमति दी गई थी। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि कंपनी इस मामले में तत्काल सुनवाई की मांग कर रही है। बायजू ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों के अनुसार, बायजू ने एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ के उस हालिया आदेश को चुनौती देते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण, एनसीएलएटी का रुख किया, जिसने एडटेक फर्म के 158.9 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान करने में विफल रहने के बाद मूल कंपनी थिंक एंड लर्न के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए क्रिकेट बोर्ड की याचिका को स्वीकार कर लिया था। इस मामले में संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल को रिपोर्ट करेंगे। एनसीएलटी ने पंकज श्रीवास्तव को अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त किया है। बायजू ने पहले भारतीय क्रिकेट टीम को प्रायोजित किया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, बायजू ने कहा था कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ सौहार्दपूर्ण समझौते तक पहुंचने की उम्मीद कर रहा है।

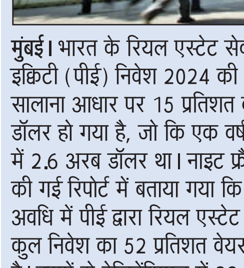

अमेरिकी राजदूत ने अडाणी के खावड़ा परियोजना स्थल का किया दौरा

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अदाणी समूह की दुनिया की सबसे बड़ी खावड़ा अक्षय ऊर्जा परियोजना का दौरा किया। यह इस बात का ताजा संकेत है कि समूह हिंडनबर्ग हमले से आगे बढ़ गया है और उसे नया समर्थन मिल रहा है। गार्सेटी ने 16 जुलाई को खावड़ा का दौरा करने के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा केंद्र की मेरी यात्रा से प्रेरणा मिली, जहां मैंने अदाणी ग्रीन की अभिनव परियोजनाओं के बारे में जाना, जो भारत के शून्य-उत्सर्जन के लक्ष्य को आगे बढ़ा रही हैं। ग्रीन ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण की आधारशिला है, और हमारी द्विपक्षीय साझेदारी इस क्षेत्र और दुनिया के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य के समाधान को आकार देने की कुंजी है।

गौरतलब है कि अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड गुजरात के कच्छ में खावड़ा में बंजर भूमि पर 30 हजार मेगावाट की दुनिया की सबसे बड़ी अक्षय ऊर्जा परियोजना विकसित कर रही है। 538 वर्ग किलोमीटर की यह परियोजना पेरिस से पांच गुना बड़ी है और मुंबई शहर के बराब है। एजीईएल ने काम शुरू करने के 12 महीनों के भीतर दो हजार मेगावाट के उत्पादन के साथ परियोजना का लगभग छह प्रतिशत चालू कर दिया है और पूरी परियोजना 2030 तक पूरी होनी है।

ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने गार्सेटी के साथ एक तस्वीर पोस्ट करके और उनके दौरे के लिए धन्यवाद देकर जवाब दिया, खावड़ा और मुंद्रा पोर्ट पर अदाणी के 30 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी साइट पर उनके दौरे के लिए भारत में अमेरिका के राजदूत का आभारी हूं। इस दौरान उनके साथ भू-राजनीति, ऊर्जा संक्रमण और भारत-अमेरिका संबंधों पर खुली चर्चा हुई। कड़क चाय पीने से लेकर होली मनाने, क्रिकेट खेलने, हिंदी में बात करने और रोज छोले भटूरे खाने और भारतीय संस्कृति के प्रति उनकी दीवानगी अद्भुत है!

इस यात्रा और इसे सार्वजनिक करने को भारत के सबसे बड़े बुनियादी ढांचा समूह में अमेरिकी सरकार के भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

यह अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा अदाणी समूह पर कॉर्पोरेट धोखाधड़ी और स्टॉक हेरफेर का आरोप लगाने के कुछ महीनों बाद आया है। अदाणी समूह ने सभी आरोपों का खंडन किया है और अपनी अधिकांश सूचीबद्ध कंपनियों के साथ वापसी की है, जो हिंडनबर्ग रिपोर्ट के कारण हुए घाटे को कम कर रही हैं।

अदाणी समूह भारत की रणनीतिक बुनियादी ढांचा पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, विशेष रूप से इसकी सीमाओं के बाहर, जहां यह चीन की व्यापक स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करता है।

चीनी हितों को पीछे छोड़ते हुए इजराइल में हाइफा बंदरगाह का अधिग्रहण, चीनी प्रतिस्पर्धा के सामने इसके बढ़ते वैश्विक प्रभाव को उजागर करता है।

हिंडनबर्ग ने अदाणी समूह पर निंदनीय रिपोर्ट तब प्रकाशित की, जब उसने हाइफा का अधिग्रहण किया था। वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी संबंधों वाले एक व्यवसायी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट को कमीशन दिया था। उनका दावा है कि चीनी जासूस अनला चेंग और उनके पति मार्क किंगडन ने अदाणी पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग को काम पर रखा था।

रुपया डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में

मुंबई । विदेशी निवेशकों और तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने, लगातार विदेशी फंड प्रवाह से मिल रहा समर्थन बेअसर होने से शुरुआती कारोबार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार शुरू किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल के महंगे होने से रुपया प्रभावित हुआ है। इसके अलावा कमजोर एशियाई और यूरोपीय मुद्राओं से निवेशकों की धारणा पर और असर पड़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। इसने अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.62 का उच्चतम स्तर और 83.65 का न्यूनतम स्तर छुआ। रुपया पांच पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.63 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.24 पर रहा।

जून तिमाही में दोगुना हुआ पेटीएम का घाटा, रेवेन्यू में भी आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली,19 जुलाई (एजेंसियां)।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिये हैं। कंपनी ने अपने पहली तिमाही के वित्तीय प्रदर्शन की जानकारी दी। पेटीएम ब्रांड ने बताया कि जून तिमाही में कंपनी का नेट लॉस बढ़कर 840 करोड़ रुपये हो गया है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी का कुल घाटा 358.4 करोड़ रुपये था।

कैसी रही कंपनी की परफॉर्मेंस

नेट लॉस के साथ कंपनी के रेवेन्यू में भी गिरावट आई है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 33.48 फीसदी गिरकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गया। यह एक साल पहले इसी अवधि में 2,464.2 करोड़ रुपये था। अगर कंपनी के घाटे की बात करें तो सालाना आधार पर कंपनी को 839 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 550 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है, जो तिमाही आधार पर 53 फीसदी बढ़ा है।

आरबीआई के एक्शन का असर

भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट बैंक पर प्रतिबंध लगा दिया। इस साल 31 जनवरी को आरबीआई द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया था कि 29 फरवरी 2024 के बाद से पेटीएम पेमेंट बैंक के अकाउंट में कस्टमर द्वारा पैसे जमा नहीं किये जा सकते हैं। इसके अलावा यूजर्स वॉलेट, प्रीपेड सर्विसेज, फास्टैग और दूसरी सर्विसेज में भी पैसे डिपॉजिट नहीं कर सकते हैं। हालांकि, 29 फरवरी 2024 की समयसीमा को बाद में बढ़ाकर 15 मार्च कर दिया गया।

पेटीएम के शेयर का हाल

तिमाही नतीजों के एलान के बाद कंपनी के शेयर में लगभग 1 फीसदी की तेजी देखने को मिली। वहीं, अगर शेयर की परफॉर्मेंस की बात करें तो पिछले 1 साल में कंपनी के शेयर 45.93 फीसदी की गिरावट आई है। खबर लिखते वक्त पेटीएम के शेयर 10.10 रुपये की बढ़त के साथ 455.40 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आभासी जगत की...

माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विस के ठप्प होने के कारण भारत और अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों की एयरलाइंस प्रभावित हुई हैं। कई एयरलाइंस कंपनियों की फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। इस आउटेज के कारण फ्लाइट बुकिंग, कैंसिलेशन से लेकर चेक-इन तक की सेवाएं प्रभावित हुईं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रंटियर, एलीगेंट और सनकंट्री जैसी बड़ी एयरलाइंस कंपनियों की सेवाएं माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के कारण ठप्प हो गईं। माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के कारण दुनिया के कई बैंकों के काम भी ठप्प पड़ गए। इसके अलावा वे बिजनेस भी प्रभावित हुए हैं जो क्लाउड पर निर्भर थे। कई मीडिया हाउस की वेबसाइट के भी ठप होने की खबर है। इसके कारण कई बिजनेस के आईटी नेटवर्क प्रभावित हुए हैं। फ्रंटियर एयरलाइंस ने कहा कि वह सामान्य परिचालन फिर से शुरू करने की प्रक्रिया में है। भारत में इंडिगो, आकाशा और स्पाइसजेट ने भी सेवा ठप्प होने को लेकर एडवाइजरी जारी की।फ्रंटियर एयरलाइंस ने पहले कहा था कि एक माइक्रोसॉफ्ट तकनीकी खराबी ने उसके परिचालन को अस्थायी रूप से प्रभावित किया है। सनकंट्री ने कहा कि थर्ड पार्टी वेंडर ने उसकी बुकिंग और चेक-इन सुविधाओं को प्रभावित किया। एलीगेंट ने कहा, माइक्रोसॉफ्टर एज्योर में दिक्कत के कारण एलीगेंट वेबसाइट भी डाउन हुई है। इस आउटेज के कारण फ्रंटियर को 147 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और 212 उड़ानों का समय बदलना पड़ा। इसके अलावा एलीगेंट की 45 फीसदी उड़ानें विलंबित हुईं। सनकंट्री की 23% उड़ानें काफी देर से शुरू हो पाईं। कम्युनिकेशन में दिक्कत के कारण अमेरिकन एयरलाइंस ने भी अपनी सभी उड़ानें रोक दी हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि यह आउटेज भारतीय समयानुसार 19 जुलाई को सुबह करीब करीब 3.30 बजे शुरू हुई। कंपनी ने कहा है कि आईटी की टीम इसे ठीक करने के लिए लगातार काम कर रही है।

अचानक स्तब्ध हो ...

अभी तक यह भी साफ नहीं है कि यह बग हार्डवेयर की वजह से है या सॉफ्टवेयर की वजह से, क्योंकि कई यूजर्स ने यह भी कहा है कि उन्होंने हाल ही में नया सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया है और अपडेट को भी इंस्टॉल किया है उसके बाद भी उनके सिस्टम में यह दिक्कत आ रही है। यह आउटेज सीधे तौर पर माइक्रोसॉफ्ट के कारण नहीं, बल्कि माइक्रोसॉफ्ट पीसी और तमाम कंपनियों को साइबर सिक्योरिटी सर्विस देने वाले प्लेटफॉर्म क्राउड स्ट्राइक के डाउन होने के कारण हुई है। क्राउड स्ट्राइक विंडोज पीसी को एडवांस साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशन देती है। क्राउड स्ट्राइक के ही डाउन होने के कारण भारत, अमेरिका, कनाडा, जापान समेत दुनियाभर के कई देश प्रभावित हैं। क्राउड स्ट्राइक ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि वह फाल्कन सेंसर से संबंधित विंडोज होस्ट पर क्रैश की रिपोर्ट से अवगत है और उसके इंजीनियर इसे फिक्स करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

2041 तक ...

बेटियों से शादी न कर सकें। जनसंख्या असंतुलन का सवाल, देश के लोगों के जीने मरने का सवाल है। हिमंत बिस्व सरमा की बातें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ-साथ केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठा रही है। असम के सीएम ने पिछले दिनों झारखंड में भी जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा उठाया था और कहा था कि झारखंड को मुस्लिमों का जमाई टोला नहीं बनने देना है। सीएम सरमा झारखंड राज्य के उप प्रभारी भी हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा विधानसभा चुनाव के लिहाज से झारखंड में सक्रिय हैं और भाजपा संगठन को मजबूत करने को काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि इस चुनाव में राज्य से जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार जाने वाली है।असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जनसांख्यिकी में बदलाव मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। असम में मुस्लिम आबादी आज 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 1951 में यह 12 प्रतिशत थी। हमने कई जिले खो दिए हैं। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह मेरे लिए जीवन और मृत्यु का सवाल है। झारखंड के बारे में भी सरमा ने कहा, झारखंड में भी कानून नहीं लागू हो रहा है। आदिवासी बेटियों के साथ घुसपैठ करके शादी कर रहे हैं, लेकिन इस पर सरकार को पाबंदी नहीं लगा रही। बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर उन्होंने कहा कि वो पहले पश्चिम बंगाल आते हैं फिर झारखंड बिहार और छत्तीसगढ़ आते हैं।हिमंत ने कहा कि इंटरनेशनल बॉर्डर से जब घुसपैठिए आते हैं, तब उन्हें रोकने का काम बीएसएफ का होता है, लेकिन जब एक बार घुसपैठिए अंदर आ चुके हैं, तब ये राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है। झारखंड हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार को यह निर्देश दिया है कि घुसपैठियों को तत्काल निकालने की कार्रवाई की जाए। सीएम हिमंत ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार घुसपैठियों के संरक्षण में जुटी है। भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू की धरती घुसपैठियों की धर्ती बन रही है। संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल गई है। सरमा ने कहा, लव जेहाद, लैंड जिहाद चरम पर है। आदिवासी बेटियों से बांग्लादेशी घुसपैठ करके शादी कर रहे हैं और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

चुनावी हार...

अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के लिए मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराया। 543 सदस्यीय 18वीं लोकसभा में 26 मुस्लिम सांसद चुने गए हैं। इनमें से भाजपा के केवल एक मुस्लिम सांसद हैं। 2019 में इनकी संख्या 22 थी। 1980 में सबसे ज्यादा मुसलमान सांसद चुने गए थे। तब भी इनकी संख्या 49 थी।

कांग्रेस विधायक...

और उनके बेटे के खिलाफ मामला भी बंद कर दिया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया था कि उनके बेटे का नाम एक कंपनी के साथ लेनदेन के कारण ईडी की जांच में आया था और कथित घोटाले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। विधायक दान सिंह ने हाल ही में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से चुनाव लड़ा था। वह भाजपा के धर्मबीर सिंह से 41,000 से अधिक मतों के अंतर से हार गए थे।कांग्रेस के एक प्रमुख अहीर नेता 68 वर्षीय राव दान सिंह, महेंद्रगढ़ से चार बार के विधायक हैं। दान सिंह तब सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने 2000 में भाजपा के बड़े नेता राम बिलास शर्मा को लगभग 39,000 वोटों से हराया था। शर्मा 1982 से चार बार इस सीट पर जीत हासिल कर चुके थे। दान सिंह ने 2005 और 2009 में भी महेंद्रगढ़ सीट से जीत हासिल की थी। 2014 में वह राम बिलास शर्मा से हार गए थे। हालांकि, 2019 के चुनाव में दान सिंह ने राम बिलास को हरा दिया था। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करते समय चुनाव आयोग को सौंपे अपने हलफनामे में दान सिंह ने उल्लेख किया कि उन पर कोई आपराधिक मामला नहीं चल रहा है। उन्होंने अपनी संपत्ति 18.04 करोड़ रुपए घोषित की है।राज्य कांग्रेस अध्यक्ष उदय भान ने कहा, यह उनकी फितरत है। जहां भी चुनाव होते हैं, चाहे महाराष्ट्र, झारखंड और अब हरियाणा, छापेमारी होती है। ईडी सक्रिय हो गया है। उन्होंने छापेमारी को राजनीति से प्रेरित और सत्तारूढ़ सरकार के इशारे पर की जा रही कार्रवाई करार देते हुए कहा, हमें न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा है। उन्हें अपना काम करने दीजिए। लोगों को भी अब एहसास हो गया है कि वे क्या कर रहे हैं। वहीं, रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा की कार्यशैली को हर कोई जानता है। कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने के लिए ईडी और अन्य जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। सोनीपत में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि ईडी का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है और इस तरह की छापेमारी नई नहीं है क्योंकि एजेंसी का दुरुपयोग पूरे देश में व्यापक रूप से हुआ है।इस बीच, बहादुरगढ़ (झज्जर) में एक समारोह में राव दान सिंह के ठिकानों पर ईडी के छापे के बारे में पूछे जाने पर भिवानी-महेंद्रगढ़ से भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा, यह ईडी का नियमित काम है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता लेकिन हमें इसे राजनीतिक नजरिये से नहीं देखना चाहिए। दान सिंह मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं लेकिन वे मेरे मित्र भी हैं। उन्हें बेहतर पता होगा कि मामला क्या है?

करनाल में संवाददाताओं से बात करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने ईडी को एक स्वतंत्र एजेंसी करार दिया, जो जांच करती है और जहां जरूरी होता है, कार्रवाई करती है। गौरतलब है कि ईडी की कार्रवाई से दो दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह महेंद्रगढ़ में थे। वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सम्मेलन को संबोधित करने के लिए महेंद्रगढ़ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान पर कटाक्ष किया था।हरियाणा में कांग्रेस विधायक के परिसरों पर छापे को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दबाव बनाने के रूप में भी देखा जा रहा है। हाल ही में कर्नाटक में करोड़ों रुपए के आदिवासी निगम घोटाले के सिलसिले बुधवार को बेंगलुरु और बल्लारी में प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व कांग्रेस मंत्री बी नागेंद्र और कर्नाटक महर्षि वाल्मिकी अनुसूचित जनजाति विकास निगम के अध्यक्ष बसनगौड़ा दद्दल के आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी की थी।इससे पहले कर्नाटक कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी से जुड़ी संपत्तियों पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा फरवरी 2024 में छापे मारे गए थे। इस दौरान जांच एजेंसी ने कहा था कि कांग्रेस नेता ने 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले के महीनों में 42 करोड़ रुपए नकद जुटाए थे। माना जाता है कि इन फंडों का इस्तेमाल गैरकानूनी लेनदेन के लिए किया गया है। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर हुई यह छापेमारी, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत चल रही जांच का हिस्सा थी।

बलात्कारी और...

इसके बाद केरल में बड़े पैमाने पर आक्रोश देखने को मिला था। इस मामले में एकमात्र आरोपी इस्लाम को घटना के 49 दिन बाद गिरफ्तार किया गया। सूर्या का क्षत-विक्षत शव उसकी मां को मिला। जब उसके साथ हुई यातनाओं के भयानक विवरण सामने आए, तो केरल में भारी आक्रोश फैल गया और लोग विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर उतर आए थे।सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट से मामले का मूल रिकॉर्ड मांगा है। कोर्ट ने जेल अधीक्षक, केंद्रीय कारागार और सुधार गृह, जहां इस्लाम बंद है, उसको जेल में उसके द्वारा किए गए काम की प्रकृति और जेल में उसके आचरण और व्यवहार के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। पीठ ने सरकारी मेडिकल कॉलेज, त्रिशूर को दोषी का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन करने के लिए एक टीम गठित करने और रिपोर्ट सौंपने को कहा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सजा से संबंधित जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से उसके साथ व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किए जाएं और दोषी की ओर से उसके एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड के माध्यम से 12 सप्ताह के भीतर शमन जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसमें कहा गया है कि गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए साक्षात्कार एक अलग स्थान पर आयोजित किए जाएंगे, जहां कोई जेल अधिकारी या पुलिस कर्मचारी मौजूद नहीं होगा।

सरकार बताए...

सीआरपीएफ, बीएसएफ और सीआईएसएफ के महानिदेशकों ने कहा था, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ में सिपाही के 10 फीसदी पद भूतपूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित कर दिए हैं। अग्निवीरों को केंद्रीय पुलिस बलों में नौकरी भी मिलेगी। उन्हें फिजिकल टेस्ट में छूट दी जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर्व कल

सर्वार्थसिद्धि योग में मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक गुरु पूर्णिमा है। यह शुभ दिन गुरु की पूजा और उनका सम्मान करने के लिए समर्पित है, जो ज्ञान और आत्मज्ञान के मार्ग पर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि रविवार 21 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गुरु पूर्णिमा रविवार 21 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाई जाएगी। गुरु पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इस योग में गुरु की पूजा से हर तरह के सिद्धियों की प्राप्ति होती है और जीवन में आने वाली समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। रविवार 21 जुलाई को पूरे दिनभर सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। भारत में इस दिन को बहुत श्रद्धा- भाव से मनाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों में भी गुरु के महत्व को बताया गया है। गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि गुरु ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिन्दू धर्म में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। इनकी पूजा का दिन होता है गुरु पूर्णिमा, जो हर साल आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरुजनों को समर्पित है। शिष्य अपने गुरु देव का पूजन करेंगे। वहीं जिनके गुरु नहीं है वे अपना नया गुरु बनाएंगे। पुराणों में कहा गया है कि गुरु ब्रह्मा के समान है और मनुष्य योनि में किसी एक विशेष व्यक्ति को गुरु बनाना बेहद जरुरी है। क्योंकि गुरु अपने शिष्य का सृजन करते हुए उन्हें सही राह दिखाता है। इसलिए गुरु पूर्णिमा के दिन लोग अपने ब्रह्मलीन गुरु के चरण एवं चरण पादुका की पूजा अर्चना करते हैं।

गुरु पूर्णिमा के दिन अनेक मठों एवं मंदिरों पर गुरुओं की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा से ही वर्षा ऋतु का आरंभ होता है और आषाढ़ मास की समाप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और दान का भी विशेष पुण्य बताया गया है।

प्राचीनकाल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निशुल्क शिक्षा ग्रहण करने जाते थे, तो इसी दिन वे श्रद्धाभाव से प्रेरित होकर गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पित करते थे। गुरु के बिना ज्ञान की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। गुरु की कृपा से सब संभव हो जाता है। गुरु व्यक्ति को किसी भी विपरित परिस्थितियों से बाहर निकाल सकते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुओं का पूजन किया जाता है। गुरु की हमारे जीवन में महत्व को समझाने के लिए गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा पर लोग अपने गुरुओं को उपहार देते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। जिन लोगों के गुरु अब इस दुनिया में नहीं रहे वे लोग भी गुरुओं की चरण पादुका का पूजन करते हैं। माना जाता है कि इस दिन गुरुओं का आशीर्वाद लेने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। शास्त्रों में गुरु को परम पूजनीय माना गया है।

पूर्णिमा तिथि

हिन्दू पंचाग के अनुसार आषाढ़ पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 20 जुलाई को शाम 5:09 मिनट से शुरू होगी। जो अगले दिन 21 जुलाई को दोपहर बाद 3:56 मिनट तक रहेगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को होगी।

जीवन में गुरु का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान

जीवन में गुरु का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। धर्म शास्त्रों में भी कहा गया है कि बिना गुरु के ईश्वर नहीं मिलता। इसलिए जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। सनातन धर्म में गुरु की महिमा का बखान अलग-अलग स्वरूपों में किया गया है। इसी कड़ी में आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का विशेष पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा को गुरु की पूजा की जाती है।

गुरु का अर्थ

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार और रु का का अर्थ- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाता है। प्राचीन काल में शिष्य जब गुरु के आश्रम में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन पूर्ण श्रद्धा से अपने गुरु की पूजा का आयोजन करते थे।

इसलिए मनाते हैं गुरु पूर्णिमा का पर्व

भारतीय संस्कृति में गुरु देवता को तुल्य माना गया है। गुरु को हमेशा से ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना गया है। वेद, उपनिषद और पुराणों का प्रणयन करने वाले वेद व्यास जी को समस्त मानव जाति का गुरु माना जाता है। महर्षि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा को लगभग 3000 ई. पूर्व में हुआ था। उनके सम्मान में ही हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। कहा जाता है कि इसी दिन व्यास जी ने शिष्यों एवं मुनियों को सर्वप्रथम श्री भागवतपुराण का ज्ञान दिया था। अत: यह शुभ दिन व्यास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है।

वेद व्यास के शिष्यों ने शुरु की थी यह परंपरा

इसी दिन वेदव्यास के अनेक शिष्यों में से पांच शिष्यों ने गुरु पूजा की परंपरा प्रारंभ की। पुष्पमंडप में उच्चासन पर गुरु यानी व्यास जी को बिठाकर पुष्प मालाएं अर्पित कीं, आरती की तथा अपने ग्रंथ अर्पित किए थे। जिस कारण हर साल इस दिन लोग व्यास जी के चित्र का पूजन और उनके द्वारा रचित ग्रंथों का अध्ययन करते हैं। कई मठों और आश्रमों में लोग ब्रह्मलीन संतों की मूर्ति या समाधि की पूजा करते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

महत्व

गुरू के बिना एक शिष्य के जीवन का कोई अर्थ नहीं है। रामायण से लेकर महाभारत तक गुरू का स्थान सबसे महत्वपूर्ण और सर्वोच्च रहा है। गुरु की महत्ता को देखते हुए ही महान संत कबीरदास जी ने लिखा है- गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाये, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो मिलाये। यानि एक गुरू का स्थान भगवान से भी कई गुना ज्यादा बड़ा होता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व महार्षि वेद व्यास के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। वेदव्यास जो ऋषि पराशर के पुत्र थे। शास्त्रों के अनुसार महर्षि व्यास को तीनों कालों का ज्ञाता माना जाता है। महार्षि वेद व्यास के नाम के पीछे भी एक कहानी है। माना जाता है कि महार्षि व्यास ने वेदों को अलग-अलग खण्डों में बांटकर उनका नाम ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद रखा। वेदों का इस प्रकार विभाजन करने के कारण ही वह वेद व्यास के नाम से प्रसिद्ध हुए।

गुरु के महत्व को बताते हुए संत कबीर का एक दोहा बड़ा ही प्रसिद्ध है। जो इस प्रकार है -

गुरु गोविन्द दोनों खड़े, काके लागूं पांय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।।

इसके अलावा संस्कृत के प्रसिद्ध श्लोक में गुरु को परम ब्रह्म बताया गया है -

गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ।।

सावन के प्रमुख त्यौहार

देवों के देव महादेव का प्रिय महीने सावन की शुरुआत 22 जुलाई 2024 से हो रही है, जो कि 19 अगस्त 2024 तक रहेगा । सावन में भोलेनाथ की भक्ति करने वालों की अधूरी इच्छाएं पूरी होती हैं।

मान्यता है कि सावन में जो लोग जलाभिषेक, रुद्राभिषेक करते हैं उन्हें समस्त सुखों की प्राप्ति होती है। सावन माह में कई महत्वपूर्ण व्रत-त्योहार आते हैं जैसे हरियाली तीज, नाग पंचमी, रक्षाबंधन आदि। जानें सावन 2024 के व्रत-त्योहार की पूरी लिस्ट।

22 जुलाई (सोमवार) - सावन शुरू, पहला सावन सोमवार व्रत
23 जुलाई (मंगलवार) - पहला मंगला गौरी व्रत
24 जुलाई (बुधवार) - गजानन संकष्टी चतुर्थी व्रत
27 जुलाई (शनिवार) - कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
29 जुलाई (सोमवार) - दूसरा सावन सोमवार व्रत
30 जुलाई (मंगलवार) - दूसरा मंगला गौरी व्रत
31 जुलाई (बुधवार) - कामिका एकादशी
1 अगस्त (गुरुवार) - प्रदोष व्रत
2 अगस्त (शुक्रवार) - सावन मासिक शिवरात्रि
4 अगस्त (रविवार) - हरियाली अमावस्या, सावन अमावस्या
05 अगस्त (सोमवार) - तीसरा सावन सोमवार व्रत
06 अगस्त (मंगलवार) - तीसरा मंगला गौरी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी
07 अगस्त (बुधवार) - हरियाली तीज
08 अगस्त, (गुरुवार) - विनायक चतुर्थी
09 अगस्त (शुक्रवार) - नाग पंचमी
10 अगस्त (शनिवार) - कल्कि जयंती
11 अगस्त (रविवार) - तुलसीदास जयंती
12 अगस्त (सोमवार) - चौथा सावन सोमवार व्रत
13 अगस्त (मंगलवार) - चौथा मंगला गौरी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी
16 अगस्त,(शुक्रवार) - पुत्रदा एकादशी, सिंह संक्रांति, वरलक्ष्मी व्रत
17 अगस्त (शनिवार) - प्रदोष व्रत
19 अगस्त (सोमवार) - रक्षाबंधन, सावन पूर्णिमा, पांचवां सावन सोमवार व्रत, पंचक

सावन में पढ़ लें केवल यह एक मंत्र

सभी दिव्य ज्योतिर्लिंगों का मिलेगा आशीर्वाद

सावन में आप शिव की भक्ति से परम पद की प्राप्ति कर सकते हैं। जीवन और मरण के बंधन से मुक्त होकर शिव धाम में स्थान मिल सकता है। इस वजह से शिव भक्त हर वो उपाय करते हैं ताकि महादेव प्रसन्न होकर उन पर अपनी कृपा बरसाएं। सावन में शिव जी की मूर्ति के अलावा शिवलिंग की पूजा करते हैं। पृथ्वी पर भगवान भोलेनाथ के कुल 12 ज्योतिर्लिंग स्थित हैं, जिनका दर्शन करने मात्र से ही व्यक्ति का जीवन धन्य हो जाता है। यदि आप सावन में सभी 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी एक का भी दर्शन नहीं कर पाते हैं तो परेशान न हों। इससे संबंधित एक मंत्र है, जिसको सावन में पढ़ने से आपको पुण्य लाभ तो होगा ही, शिव जी का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा।

शिव पुराण में शिवलिंग की पूजा का महत्व बताया गया है, जिसमें शिव जी के द्वादश ज्योतिर्लिंगों का भी उल्लेख है। शिव पुराण के अनुसार जो भी व्यक्ति इन ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर लेता है, उसकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग कौन-कौन से हैं?

सोमनाथ, महाकालेश्वर, मल्लिकार्जुन, केदारेश्वर, ओंकारेश्वर, विश्वेश्वर यानी विश्वनाथ, भीमाशंकर, वैद्यनाथ, त्र्यंबकेश्वर, नागेश्वर, रामेश्वर, घुष्मेश्वर या घृष्णेश्वर।

सावन के हर दिन आप द्वादश ज्योतिर्लिंग के मंत्र का उच्चारण करके शिव जी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। जो व्यक्ति प्रत्येक दिन सुबह में स्नान आदि से निवृत होकर इन 12 ज्योतिर्लिंगों का नाम लेता है, उसके सभी पाप मिट जाते हैं और वह सिद्धियां प्राप्त करता है। इस मंत्र में 12 ज्योतिर्लिंग के नाम और उसके स्थान के बारे में बताया गया है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंत्र
सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकालं ओम्कारम् अमलेश्वरम्।।
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशङ्करम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने।।
वाराणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमीतटे।
हिमालये तु केदारं घुश्मेशं च शिवालये।।
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः।

सावन में शिव पूजा के खास दिन

सावन में महादेव को प्रसन्न करने के लिए सावन सोमवार के अलावा, सावन प्रदोष व्रत, सावन शिवरात्रि, नाग पंचमी, हरियाली तीज बहुत महत्वपूर्ण दिन माने जाते हैं। इस दौरान माता पार्वती और भोलेनाथ की आराधना करने वालों पर कभी संकट के बादल नहीं मंडराते, वैवाहिक जीवन में सुख मिलता है। कुंवारी लड़कियों के मनचाहा वर पाने की इच्छा पूरी होती है।

भोजन के दौरान बाल का आना, किस बात का संकेत हो सकता है?

भोजन को लेकर हमेशा कहा जाता है कि, जैसे अन्न खाओगे..मन वैसा ही रहेगा। क्योंकि भोजन ही जीवन का आधार है। इसलिए शास्त्रों में भोजन या अन्न की महत्ता बताई गई है। साथ ही भोजन करने से जुड़े कई नियम भी शास्त्रों में बताए गए हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि भोजन से भी शुभ-अशुभ घटनाओं के संकेत मिलते हैं। जी हां, ये बात बिल्कुल सच है, बस हमें इसे समझना जरूरी होता है। जैसे खाने में बार-बार बाल मिलना भी जीवन से जुड़ा संकेत होता है।

यदि आपको भोजन के दौरान बार-बार बाल मिले और ऐसा अक्सर आपके साथ हो तो ऐसा भोजन बिल्कुल न करें। भोजन में बार-बार बाल मिलना शुभ नहीं होता है। मान्यता है कि इससे घर या जीवन में अशुभ राहु का प्रभाव बढ़ा हुआ है।

खराब राहु ना सिर्फ स्वाथ्य समस्याओं को बढ़ाता है, बल्कि यह धनहानि, आर्थिक तंगी और अकारण नुकसान का कारण भी बनता है। बीमारी या अन्य कारणों से राहु कभी हाथ में पैसा टिकने नहीं देता।

वहीं भोजन में हमेशा बाल मिलना पितृ दोष का भी संकेत होता है। अगर आप खाने बैठे और तुरंत बाल दिख जाए या फिर पहले कोर में बाल मिल जाए तो यह पितृ दोष का संकेत है। कहा जाता है कि जिन घरों में पितृ दोष होता है वहां भोजन पकाने या खाने के दौरान अवरोध उत्पन्न होते हैं।

अगर आपके साथ भी ऐसा होता है यानी खाने के दौरान बाल मिलते हैं तो तुरंत राहु और पितृदोष से संबंधित उपाय करें। साथ ही भोजन करते समय बाल बांधकर खाएं और भोजन पकाते समय भी स्वच्छता का ध्यान रखें।

इसके अलावा शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि, भोजन परोसते समय हाथ से बार-बार गिरना, भोजन खाते समय किसी तरह का अवरोध पैदा होना, भोजन खाते समय कोई अशुभ समाचार मिलना भी शुभ नहीं माना जाता है।

यूपी का अनोखा मंदिर, यहां 473 सालों से जल रही अखंड ज्योत

तुलसीदास से जुड़ी है मान्यता

हम बात कर रहे हैं धर्म नगरी चित्रकूट के रामघाट में बने तोता मुखी हनुमान मंदिर की, जहां गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा जलाई गई अखंड ज्योत आज भी जल रही है। यह ज्योत 473 सालो से जल रही है।

मान्यता है कि गोस्वामी तुलसीदास इस जोत को जलाकर प्रभु श्री राम के दर्शन के लिए तपस्या करते थे। आज भी यह ज्योत लगातार जल्दी चली आ रही है और इसके दर्शन करने के लिए श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचते हैं और इस ज्योत को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं।

वही मंदिर के पुजारी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह एक अखंड ज्योत है। जिसको जलाकर तुलसीदास तपस्या किया करते थे। यह ज्योत लगातार 473 सालों से जलती आ रही है।

अखंड ज्योत का चित्रकूट में काफी बड़ा महत्व है और दीपावली के दिन यहां लाखों की तादाद में श्रद्धालु आते हैं और दीपदान करते हैं। उनका कहना है कि अखंड ज्योत के दर्शन करने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं और जीवन प्रकाश में हो जाता है। इसलिए श्रद्धालु इसके दर्शन के लिए दूर-दूर से चित्रकूट आते हैं।

नागवधू में बोल्ड सीन्स को लेकर पहले डरी हुई थीं सुबुही जोशी

मशहूर एक्ट्रेस सुबुही जोशी टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग और कॉमेडी टाइमिंग के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह वेब सीरीज नागवधू: एक जहरीली कहानी में बोल्ड सीन्स को लेकर चर्चाओं में है। सीरीज में उनके काम को लेकर मिल रही दर्शकों की प्रतिक्रिया से वह बेहद खुश हैं।नागवधू: एक जहरीली कहानी में सुबुही जोशी नई दुल्हन आभा के किरदार में हैं।सुबुही ने कहा, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, मुझे बहुत पॉजिटिव रिस्पांस मिला। मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने कुछ बोल्ड सीन किए थे। लेकिन, सभी ने इसके बारे में अच्छी बातें कहीं, क्योंकि स्क्रीन पर बिल्कुल भी ऐसा नहीं लग रहा था कि यह गैर-जरूरी हो। मुझे कुल मिलाकर बहुत अच्छे कमेंट्स मिले हैं।एक्ट्रेस ने आगे कहा कि फीडबैक बहुत पॉजिटिव रहा है।दर्शकों को यह कहानी के लिए जरूरी और दिलचस्प लगा, जो मेरे लिए राहत की बात थी। तारीफों ने सीन्स की सुंदरता को बढ़ा दिया।सुबुही ने कहा कि वह सभी तरह के प्रोजेक्ट करने के लिए तैयार हैं।एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नागवधू जैसा कुछ फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि कहानी के लिहाज से, यह अच्छा था। जिन चीजों को लेकर मैं सबसे ज्यादा डर रही थी, वे असल में अच्छी निकलीं, इसलिए मुझे उन्हें फिर से करने में कोई आपत्ति नहीं है।सुबुही ने इस बात पर भी जोर दिया कि एक एक्टर के लिए हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को फिर से तलाशना बहुत जरूरी है।एक्ट्रेस ने कहा, हर प्रोजेक्ट के साथ आपको नई चीजें करने और नए किरदार निभाने का मौका मिलता है। यह नयापन दर्शकों को जोड़े रखने के लिए बहुत जरूरी है।उन्होंने कहा कि दर्शकों के पास कंटेंट के कई ऑप्शन हैं, जिससे ऑडियंस का अटेंशन पाना मुश्किल हो जाता है।ऑन-स्क्रीन बोल्ड कंटेंट के बारे में एक्ट्रेस ने कहा, आजकल बोल्ड कंटेंट को इसलिए स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि लोग इन चीजों के बारे में ज्यादा खुले हैं। लोग इसे लेकर काफी सहज हैं, हालांकि अभी भी कुछ जगहें ऐसी हैं जहां इसे ज्यादा पसंद नहीं किया जाता क्योंकि परिवार एक साथ शो देखना चाहता है।नागवधू शो की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह उन युवकों की हत्या करती है जो उसके साथ रात बिताते हैं।इसमें पोलोमी दास ने संवरी की भूमिका निभाई है। यह शो ऑल्ट पर स्ट्रीम हो रहा है।

तापसी पन्नू स्टारर फिर आई हसीन दिलरुबा 9 अगस्त को होगी रिलीज

दिखेगी प्यार, धोखा और अपराध की दिल दहलाने वाली कहानी

तापसी पन्नू साल 2021 में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म लेकर आईं थीं, जिसका नाम था हसीन दिलरुबा। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी, जिसकी कहानी ने सभी का दिल जीत लिया था। फिल्म में तापसी के अलावा विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे भी अहम भूमिका में नजर आए थे। फिल्म की कहानी एक ऐसी पत्नी की होती है, जिसके पति की हत्या में शक उसपर गहराता है। अब मेकर्स इस फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज करने वाले हैं, जिसकी रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। अब तापसी पन्नू फिर से हसीन दिलरुबा बनकर लौटने वाली हैं। नेटफ्लिक्स पर यह फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसकी रिलीज डेट से मेकर्स ने पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म की घोषणा कुछ वक्त पहले मेकर्स ने एक छोटे से टीजर के जरिए की थी। तब से फैंस इस फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार कर रहे थे। अब रिलीज डेट के लिए भी मेकर्स ने एक शानदार टीजर रिलीज किया है, जो कि काफी रोमांचक है। टीजर की शुरुआत ऋषि कपूर की फिल्म कर्ज के गाने इस हसीना थी, इक दीवाना था के जरिए होती है। फिर तापसी पन्नू की किताब के साथ एक फोटो सामने आती है और आवाज आती है कि 9 अगस्त को टपकेगा खून, आएगा कातिलाना मानसूनळ। इसके बाद विक्रांत मैसी की एंट्री होती है और किताब पर लिखा होता है, 9 अगस्त की हसीन रात दिलरुबा के साथळ। फिल्म में इस बार विक्की कौशल के भाई सनी कौशल भी नजर आए हैं। उनकी एंट्री के साथ किताब पर लिखा होता है, 9 अगस्त को दिल पिघलेंगे, इश्क का जहर निगलेंगे। फिर वॉइसओवर चलता है कि, सबको इश्क का पाठ पढ़ाने फिर आई हसीन दिलरुबा 9 अगस्त को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। बता दें कि इस फिल्म के पहले पार्ट में तापसी पन्नू ने रानी का किरदार निभाया हैं और विक्रांत मैसी ऋषभ सक्सेना उनके पति की भूमिका में होते हैं। हसीन दिलरुबा विनी मैथ्यू द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित है। इसके अलावा तापसी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अगली बार अपनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म वो लड़की है कहां में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ प्रतीक बब्बर और प्रतीक गांधी भी नजर आएंगे। फिल्म अरशद सैयद द्वारा लिखित और निर्देशित है।

लंदन से सामने आई अनुष्का शर्मा के बेटे की पहली झलक

पापा विराट कोहली की गोद में नजर आए नन्हे अकाय

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली और बच्चों के साथ लंदन में हैं। बताते चलें कि अनुष्का शर्मा पहले से ही लंदन में थीं, वहीं विराट कोहली टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारत आए और इसके बाद लंदन रवाना हो गए थे। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के वीडियोज और फोटोज आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। अब अनुष्का शर्मा और विराट कोहली का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उनके बेटे अकाय की भी झलक दिखी है। ये पहला मौका है जब अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के साथ उनके बेटा अकाय नजर आया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर रिएक्शन दे रहे हैं।

विराट कोहली फैन क्लब ने शेयर किया वीडियो

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपनी फैमिली के साथ लंदन में हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली का एक वीडियो सामने आया है। ये कपल एक फ्लॉवर शॉप पर नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में एक चीज ने लोगों का ध्यान खींचा है। दरअसल, विराट कोहली की गोद में उनका बेटा अकाय नजर आ रहा है। हालांकि, वामिका वीडियो में नजर नहीं आई। इस कपल को काफी दूर से कैमरे में कैद किया गया है इसलिए वीडियो क्लियर नहीं आया है। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के बेटे अकाय को लेकर ये पहला मौका है जब उसकी ये झलक देखने को मिली है। इस पर लोग रिएक्शन दे रहे हैं। बताते चलें कि इस वीडियो को विराट कोहली फैन क्लब से शेयर किया गया है।

लंदन में कीर्तन में शामिल हुए थे विराट और अनुष्का

बताते चलें कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को लेकर काफी समय से कहा जा रहा कि दोनों लंदन में शिफ्ट हो रहे हैं। हालांकि, दोनों की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है। फिलहाल, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के लंदन से वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। हाल ही में ये कपल लंदन में कृष्ण दास के कीर्तन में नजर आया था। गौरतलब है कि कृष्ण दास का असली नाम जेफरी कैगेल था। वह बाबा नीम करौली शिष्य हैं और कीर्तन करते हैं। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बाबा नीम करौली के भक्त हैं।

साड़ी में दिशा पाटनी ने बिखेरा जलवा

रिवीलिंग, अदाएं देख तेज हो गईं फैंस की धड़कनें

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एथनिक आउटफिट में उनका हॉट लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है।दिशा पाटनी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने रिवीलिंग व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारने के लिए बालों को ओपन वेवी स्टाइल लुक देकर अपने आउटलुक क ो कंप्लीट किया है।बता दें कि दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी लंबी है।दिशा पाटनी को हाल ही में कल्कि मूवी में देखा गया। इस फिल्म में उनके किरदार को लोगों ने काफी पसंद किया।

4 साल में खत्म हुआ नताशा और हार्दिक का रिश्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के अगल होने की खबरें काफी समय से आ रही थीं। अब इस कपल ने एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर अलग होने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या के अलग होने की खबर से उनके तमाम चाहने वाले फैंस को झटका लगा है। बताते चलें नताशा स्टेनकोविक हाल ही में अपने पेरेंट्स के घर चली गई थीं। वहीं, हार्दिक पांड्या ने अपनी फैमिली के साथ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी को अटेंड किया था। आइए जानते हैं कि नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या ने अपने स्टेटमेंट में क्या लिखा है।

नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सेम पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में लिखा है, 'चार साल साथ में रहने के बाद, हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। हमने अपनी पूरी कोशिश की और इस रिश्ते को बचाने के लिए अपना सबकुछ लगा दिया लेकिन अब हमें लगता है कि हम दोनों के लिए यही सही फैसला है। ये हमारे लिए बेहद ही मुश्किल फैसला था। साथ में बिताए खुशी के पल, आपस की रिस्पेक्ट और एक-दूसरे का साथ जो भी हमने साथ में बिताया है और एंजॉय किया है। एक फैमिली के तौर पर आगे बढ़े। हम बेटे अगस्त्य को अपनी लाइफ में पाकर खुशकिस्मत हैं जो हमेशा ऐसे ही हमारी जिंदगी का आधार रहेगा। हम दोनों ही मिलकर उसकी देखभाल करेंगे। हम पूरी कोशिश करेंगे कि उसे दुनिया की सारी खुशियां मिले और उसकी खुशी के लिए हम जो कर पाएंगे वो करेंगे।

टी-सीरीज के को-ओनर और एक्टर कृष्ण कुमार की बेटी कैंसर से हारी जंग

ये स्टार्स भी अपने बच्चों की अर्थी को दे चुके हैं कंधा

बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आने वाले एक्टर और टी-सीरीज के को-ओनर कृष्ण कुमार के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दरअसल, कृष्ण कुमार की बेटी तिशा का 21 साल की उम्र में निधन हो गया है। तिशा कैंसर से जूझ रही थी और आखिरकार 18 जुलाई को उसने दुनिया को अलविदा कह दिया। इस घटना के बाद फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। बताते चलें कि सिनेमा की दुनिया में कई स्टार्स के बच्चों का निधन उनके सामने हुआ है। आइए जानते हैं कि कृष्ण कुमार के अलावा किन स्टार्स ने अपने बच्चों की अर्थी को कंधा दिया है।

कबीर बेदी - वेटरन एक्टर कबीर बेदी अपने बेटे की मौत से काफी दुखी हुए थे। कबीर बेदी के बेटे सिद्धार्थ बेदी ने डिप्रेशन में आत्महत्या कर ली थी।

गोविंदा- गोविंदा भी अपने बच्चे के गुजर जाने के दर्द में रहे चुके हैं। गोविंदा की एक बेटी जन्म के 4 महीने बाद ही दुनिया को अलविदा कह गई।

मौसमी चटर्जी- पॉपुलर एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी की बेटी का निधन हो गया था। बताया जाता है कि मौसमी चटर्जी की बेटी डायबिटीज पीड़ित थी।

शेखर सुमन- शेखर सुमन बेटे की मौत के सदमे से गुजर चुके हैं। शेखर सुमन के बेटे का सिर्फ 11 साल की उम्र में निधन हो गया था।

प्रकाश राज- पॉपुलर एक्टर प्रकाश राज के 5 साल के बेटे का निधन हो गया था। प्रकाश राज को इस सदमे से उबरने में काफी समय लगा था।

जगजीत सिंह- मशहूर गायक जगजीत सिंह अपने इकलौते बेटे के निधन से बुरी तरह टूट गए थे। जगजीत सिंह के बेटे का एक कार एक्सीडेंट में निधन हो गया था।

महमूद- एक्टर महमूद ने अपनी बेहतरीन अदाकारी से लोगों को खूब हंसाया था। वहीं, जब महमूद के बेटे की मौत हुई तो वह बुरी तरह से तोड़ दिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की ज़रूरतों को समझने की संवेदनशीलता है। अगर आप ख़ुद को अभिव्यक्त करने पर ज़ोर देंगे, तो सफलता आपके क़दम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। किसी वृद्ध के स्वास्थ को लेकर हुई परेशानी आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रूमानी बनाने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा–स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढ़ाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाक़ात हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी। देव मंदिर मे श्रीफल अर्पित करें मानसिक शान्ति का अहसास होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए बच्चे आपसे मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्क़तें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 20 जुलाई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 06:01 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा रात्रि 01:49 तक
योग : वैधृति रात्रि 12:07 तक
करण : गर प्रात: 06:56 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 06:01 से रात्रि 04:57 तक , कोकिला व्रत

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सिरसा में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

सालासर जाते समय कार हुई दुर्घटनाग्रस्त, राजस्थान में हुआ हादसा

सिरसा,19 जुलाई (एजेंसियां)। सिरसा से सालासर बालाजी दर्शन के लिए जा रहे डबवाली के एक ही परिवार के छह लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। भारत माला हाईवे पर जैतपुर के पास यह हादसा हुआ। जिसमें तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सामने चल रहे ट्राले में घुस गई। मरने वालो में माता–पिता उनके दो बेटे और दो बेटियां शामिल हैं। डबवाली में कॉलोनी के लोगों ने बताया कि परिवार उतरप्रदेश का रहने वाला था और सालों पहले डबवाली आकर बस गया था। बीकानेर के महाजन थाना इलाके की पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, बीकानेर से 110 किलोमीटर पहले भारत माला हाईवे पर जैतपुर के पास यह हादसा हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि पुलिस को कार को काटकर शवों को बाहर निकालना पड़ा। हादसे में मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि एक बच्ची की हनुमानगढ़ के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई है।

हादसे में मारे गए लोग कई वर्षों से डबवाली में रह रहे थे। मृतक शिव कुमार गुप्ता का डबवाली में मलोट रोड पर गुप्ता मेडिकल स्टोर के नाम से मेडिकल है। चार दिन पहले औषधि विभाग ने कार्रवाई करते हुए मेडिकल स्टोर सील कर दिया था। जिसके बाद परिवार ने सालासर बालाजी जाने की योजना बनाई। सालासर बालाजी जाने के लिए शिव कुमार गुप्ता पत्नी आरती (45 वर्षीय), 25 वर्षीय बेटे नीरज गुप्ता, 12 वर्षीय बेटे डुग्गू , 20 वर्षीय बेटी स्नेहा और 7 वर्षीय बेटी भूमिका के साथ रवाना हुए थे।

नीरज अपने दोस्त की कार मांगकर लाया था। ऐसे में परिवार रात डबवाली से रवाना हुआ और करीबन साढ़े 10 से 11 बजे के बीच भारत माला हाईवे पर जैतपुर के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार चालक नीरज कार से बाहर जा गिरा। उसके पिता शिवकुमार, मां आरती, बहन सुनयना, भूमिका व भाई डुग्गू कार के क्षतिग्रस्त होने से उसमें फंस गए। शिव, आरती, नीरज, डुग्गू और सुनयना की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भूमिका ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक शिव कुमार गुप्ता का गुप्ता मेडिकल के नाम से मलोट रोड पर मेडिकल स्टोर है। मंगलवार को 1032 टैबलेट्स गाबा पेंटीन व 860 कैप्सूल गाबा पेंटीन मिलने पर मेडिकल संचालक खरीद–बिक्री का कोई रिकॉर्ड पेश नहीं कर पाया था। इसलिए पर ड्रग इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने मेडिकल स्टोर को सील कर दिया था।

जगन्नाथ मेले के दौरान हुड़दंग मचाने वाले 8 आरोपी पुलिस हिरासत में

रूपबास में चल रहा है तीन दिवसीय मेला

अलवर,19 जुलाई (एजेंसियां)। अरावली विहार थाना क्षेत्र स्थित रूपबास जगन्नाथ मेले के दौरान हुड़दंग मचाने वाले और स्टंट करने वाले आठ आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अरावली विहार थाना अधिकारी गुरुदत्त सैनी ने बताया कि रूपबास स्थित रूप हरि मंदिर में इन दिनों तीन दिवसीय मेला चल रहा है। मेले में बीती रात कुछ युवकों ने हुड़दंग मचाया और आने–जाने वाले लोगों के साथ बदतमीजी की। मेले में माहौल खराब करने के कारण पुलिस ने आरोपी युवकों को हिरासत में ले लिया है। एसएचओ ने बताया कि मेला स्थल पर शांतिपूर्ण व्यवस्था है, जिसे ध्यान में रखते हुए पुलिस की चौकसी है। पुलिस का कहना है कि यहां आने वाले युवाओं को हुड़दंग करना भारी पड़ सकता है।

डॉ. प्रिया की सूझबूझ से दिल्ली एयरपोर्ट पर बच गई बुजुर्ग की जान

जयपुर,19 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर रेलवे हॉस्पिटल में तैनात सीनियर डीएमओ, जयपुर निवासी डॉ. प्रिया ने दिल्ली एयरपोर्ट पर सूझबूझ का परिचय देते हुए एक बुजुर्ग की जान बचा ली। बुजुर्ग को हार्ट अटैक आया था। सही समय पर डॉक्टर ने सीपीआर देकर बुजुर्ग की जान बचाई। बुजुर्ग की जान बचाने का वीडियो सोशल मीडिया जैसे ही वायरल हुआ लोगों ने डॉक्टर की सराहना की।

हार्ट अटैक आने के 5 से 6 मिनट के भीतर सीपीआर देने से बुजुर्ग व्यक्ति की जान बच गई। इसके बाद उनको समय पर अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट की इस घटना के बाद डॉ. प्रिया की सराहना हो रही है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इंस्टाग्राम सहित तमाम सोशल साइट्स पर पर विडीयो डालकर डॉ. प्रिया की तारीफ की है। इस बारे में डॉ. प्रिया से बात की गई तो उन्होंने बताया कि डॉक्टर का पेशा ईश्वर के समान होता है। उन्होंने अपने फर्ज अदा किया। डॉ. प्रिया ने कहा कि हमारी फ्लाइट थी और हम सब अमरनाथ यात्रा से लौट रहे थे। हमारी फ्लाइट डेढ़ घंटे लेट थी, हम जिस स्टॉल पर खड़े थे, वहां पर हमने एक बुजुर्ग को गिरते हुए देखा। हम उनकी तरफ गए। मेरे पति रमाकांत गोयल मेरे साथ थे।

सर्वर ठप होने से जयपुर एयरपोर्ट से कई फ्लाइट रद्द

जयपुर,19 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर हवाई अड्डे पर सर्वर फेल्योर के चलते यात्रियों के बोर्डिंग पास नहीं बन पा रहे हैं, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। सर्वर फेल होने से बोर्डिंग पास बनाने के लिए जरूरी 'गो नाउ' सॉफ्टवेयर भी काम नहीं कर पा रहा है, जिसके चलते इंडिगो ने यात्रियों को हैंड रिटन बोर्डिंग पास दिए। इस तकनीकी समस्या के कारण यहां जाने वाली चार फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं और नौ फ्लाइट्स में एक से ज्यादा घंटों की देरी हो रही है।रद्द की गई फ्लाइट्स में इंडिगो की जयपुर से बेंगलुरु, दिल्ली, चंडीगढ़ और हैदराबाद की उड़ानें शामिल हैं। जयपुर हवाई अड्डे पर रोजाना 60 फ्लाइट्स का आवागमन। देश के 19 शहरों और 6 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़े इस हवाई अड्डे पर तकनीकी समस्या के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डंपर की टक्कर ने ली बेजुबान की जान

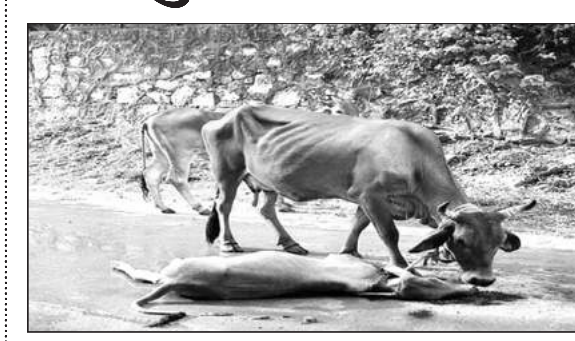

अजमेर,19 जुलाई (एजेंसियां)। मां की ममता से बढ़कर इस संसार मे कुछ नहीं है, यह बात आज उस समय एक बार फिर सामने आई जब धार्मिक नगरी पुष्कर के गनाहेड़ा में जेपी होटल के पास एक निर्दयी डंपर चालक गाय के बछड़े को मौत की नींद सुलाता हुआ भाग गया। अपने बच्चे की अपनी आंखों के सामने इस दर्दनाक मौत ने गाय माता का सीना छलनी कर दिया और वह बेसुध हो गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अज्ञात डंपर की टक्कर से गाय के बछड़े की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वहां पर मौजूद लोगों मृत बछड़े को सड़क के बीच से उठाकर किनारे पर रखा और संबंधित विभाग को सूचना दी।

मनोकामना पूरी होते ही महाकाल की शरण में पहुंचे सांसद कुलदीप इंदौरा

उज्जैन,19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान से कांग्रेस के सांसद और मध्यप्रदेश प्रभारी कुलदीप इंदौरा सांसद बनने के बाद शुक्रवार को पहली बार बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचे। जहां उन्होंने मनोकामना पूर्ण होने पर बाबा महाकाल का पूजन–अर्चन कर उन्हें चांदी का छत्र अर्पित किया और अपने क्षेत्र की जनता की सुख–शांति और उज्जवल भविष्य की कामना को लेकर भगवान से आशीर्वाद भी मांगा।

राजस्थान के गंगानगर क्षेत्र में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रत्याशी और अनूपपुर परिषद की सभापति प्रियंका बेलान को पराजित कर सांसद बने कुलदीप इंदौरा ने अपनी मनोकामनाएं पूरी होने के चलते परिवार के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे। वे चांदी का छत्र अर्पित करने पहुंचे थे। चांदी का छत्र एक किलो से अधिक वजन का बताया जा रहा है। मीडिया से चर्चा में सांसद इंदौरा ने बताया कि वे बाबा महाकाल के अनन्य भक्त हैं, जब भी उन्हें मौका मिलता है वे बाबा महाकाल के दर्शन करने चले आते हैं। शुक्रवार को वे बाबा को छात्र चढ़ाने के साथ ही उनके क्षेत्र की जनता की सुख–शांति, समृद्धि की कामना लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बाबा महाकाल से सभी के उज्जवल भविष्य की कामना का आशीर्वाद मांगा है। आपको बता दें कि वर्तमान में कुलदीप इंदौरा मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भी हैं।

बाइक के आगे कुत्ता आने से संतुलन बिगड़ा

पांच बहनों के इकलौते भाई की मौत, 2 युवक गंभीर

जींद ,19 जुलाई (एजेंसियां)। जींद के नरवाना रोड बाईपास पर कुत्ता आगे आने से बाइक का संतुलन बिगड़ गया। इससे बाइक सवार तीन लोग सड़क पर गिर गए। हादसे में पांच बहनों के इकलौते भाई की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। दोनों घायलों को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां से चिकित्सकों ने एक की गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। मृतक 21 वर्षीय युवक सोनीपत जिला के बरोदा का रहने वाला था और अपने ताऊ के घर पिंडारा में रहता था। सदर थाना पुलिस ने नागरिक अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है।

वीरवार शाम को सोनू, अपने ताऊ के बेटे मोनू और दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर नरवाना रोड स्थित पत्थर मार्केट में काम के सिलसिले में गया हुआ था। तीनों युवक पत्थर लगाने का कार्य करते थे। काम निपटाकर तीनों नरवाना बाईपास पर पहुंचे तो अचानक से उनकी बाइक के सामने कुत्ता आ गया। उसे बचाने में उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। तीनों युवक सड़क पर गिर गए। ज्यादा चोट लगने के कारण सोनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोनू और सागर को काफी गंभीर चोट आई। दोनों घायलों को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने सागर की गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। सोनू के बुआ के बेटे रवि ने बताया कि सोनू पांच बहनों का इकलौता भाई था। उसकी मौत से घर का चिराग बुझ गया है।

जिला परिषद में अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के लिए मतदान

कैथल,19 जुलाई (एजेंसियां)। कैथल जिला परिषद अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के लिए शुक्रवार को मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाई गई। इस प्रक्रिया के तहत 20 में से 17 जिला पार्षद मतदान के लिए पहुंचे। जबकि अन्य तीन पार्षद मतदान के लिए नहीं पहुंचे। इस मतदान प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए स्वयं डीसी प्रशांत पंवार पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एडीसी व सीईओ सी जया श्रद्धा, डिप्टी सीईओ रितू लाठर, डीडीपीओ कंवर दमन आदि अधिकारी मौजूद थे।

मतदान की प्रक्रिया के समय जिला परिषद भवन परिसर पुलिस बल को भी तैनात किया गया था। मतदान प्रक्रिया के तहत मतदान तो हुआ, लेकिन पंजाब एवं हाईकोर्ट के आदेशों के चलते जिला प्रशासन ने परिणाम जारी नहीं किया। इस पूरी प्रक्रिया में 17 जिला पार्षदों में हिस्सा लेने के चलते एक तरफा मतदान होने का अनुमान है। वहीं, इस प्रक्रिया में जजपा समर्थित अध्यक्ष दीपक मलिक उर्फ दीप जाखौली सहित तीन अन्य पार्षद मतदान के लिए नहीं पहुंचे थे।

पूर्व सीएम हुड्डा का अमित शाह को जवाब

हरियाणा मांगे हिसाब अभियान से भाजपा मुश्किल में, कांग्रेस बहस को तैयार

रोहतक ,19 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि कांग्रेस के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान से भाजपा परेशानी में है। क्योंकि भाजपा ने काम कराए ही नहीं, इसलिए कोई जवाब नहीं है। इतना ही नहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महेंद्रगढ़ की सेंट्रल यूनिवर्सिटी के मंच से कांग्रेस से हिसाब मांगा था। केंद्रीय मंत्री को यह पता करना चाहिए था कि यह यूनिवर्सिटी किसके कार्यकाल में बनी, किसने नींव रखी थी। हुड्डा शुक्रवार को डी पार्क स्थित आवास पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

हुड्डा ने कहा कि विकास मतलब शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, नौकरियां व निवेश है। भाजपा ने 10 साल के कार्यकाल में कोई कदम नहीं उठाया। उल्टा महम में मंजूर हवाई अड्डा व सोनीपत में मंजूर रेल कोच फैक्टरी यूपी भेज दी। कोई मेडिकल कॉलेज नहीं बनाया। जबकि कांग्रेस ने एक मेडिकल कॉलेज व 12 विवि बनाए थे। रोहतक में गांधी कैंप के बीचोंबीच से रेलवे लाइन को कांग्रेस बाहर लेकर जाना चाहती थी, लेकिन भाजपा ने बाहर नहीं जाने दिया। अगर लाइन बाहर चली जाती तो शहर का नक्शा बदल जाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में मानेसर, फरीदाबाद व रोहतक में आईएमटी बनाई, जिससे नए–नए उद्योग लगे। मानसेर में जापान ने 70 प्रतिशत निवेश किया था।

एक सवाल के जवाब में हुड्डा ने कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं के साथ भद्दा मजाक है। भाजपा सरकार युवाओं को 10 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कह रही है। इसे 2026 में लागू करेगी, लेकिन जब तक प्रदेश में भाजपा सरकार नहीं रहेगी। पूर्व मुख्यमंत्री का कहना है कि उन्होंने 26 सैन्य अधिकारियों से बात की है। हर किसी का कहना है कि अग्निवीर योजना सेना के हित में भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी से गठबंधन के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस का गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर था। प्रदेश में कांग्रेस का गठबंधन नहीं था। न ही गठबंधन पर कोई बातचीत हुई। दूसरा, किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी पहले से इनेलो के साथ है।

महेंद्रगढ़ में कांग्रेस विधायक राव दानसिंह के आवास पर ईडी की जांच के सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुराना केस है। ईडी अपना काम कर रही है।

नीतीश कुमार कैबिनेट की अहम बैठक

मंत्रिपरिषद् में 27 प्रस्तावों पर लगी मुहर

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम आने के बाद अब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी में जुट गई है। लोकसभा चुनाव परिणाम के करीब सवा महीने के दरम्यान बिहार कैबिनेट की चौथी बैठक मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में संपन्न हुई। पहले यह बैठक गुरुवार को तय थी, लेकिन फिर शुक्रवार की तारीख तय हुई। शुक्रवार को कैबिनेट में 27 प्रस्तावों पर मुहर लगी। अरसे बाद बिहार सरकार ने खेल पर ध्यान दिया है, फैसलों को देखकर यह लगता है। सरकार ने कुछ महीने पहले ही कला-संस्कृति एवं युवा विभाग से खेल को अलग किया था।

इसके अलावा फिल्म प्रोत्साहन नीति को हरी झंडी और विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पास केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए जमीन अधिग्रहण के नाम पर 87.99 करोड़ की राशि जारी किया जाना एक बड़ा फैसला है। बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तहत बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय जमुई, नालंदा और कैमूर में 500-500 की आवासन क्षमता वाले अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के भवन निर्माण के लिए कुल मिलाकर करीब 170 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। केन्द्रीय मोटरवाहन नियमावली के अन्तर्गत लागू किये गये भारत (इक)नंबर के निबंधित वाहनों के मोटरवाहन कर की अवधि एकमुश्त 14 वर्ष निर्धारित करने की बिहार में भी की स्वीकृति दे दी गई।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बेहतर प्रबंधन और संचालन के लिए मंत्रिमंडल ने 301 पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा के राजगीर स्थित क्रिकेट स्टेडियम के सुगम संचालन के लिए विभिन्न कोटि के 81 पदों के सृजन की स्वीकृति भी शुक्रवार को कैबिनेट ने दी। मंत्रिमंडल ने राजधानी पटना के गर्दनीबाग में पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए 20 आवासों के जजेज एनक्लेव निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट ने फिल्म प्रोत्साहन नीति 2024 को स्वीकृति दी है, जिसके बाद अब बिहार में फिल्म निर्माण की संभावना तैयार होगी। मंत्रिपरिषद् ने पंचायत निर्माण कार्य मैनुअल को भी स्वीकृति दी। एक अन्य प्रस्ताव के तहत राजनैतिक दलों के कार्यालय के लिए आवंटित भवन के नवीनीकरण की बाध्यता समाप्त करने के लिए संशोधित नीति को मंजूरी दी गई। पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत बिहार जिला परिषद् भू-सम्पदा लीज नीति, 2024 की स्वीकृति दी गई। सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग की बिहार वेब मीडिया नियमावली, 2021 की कंडिका-1(प) एवं 2.5 (क) में संशोधन हेतु बिहार वेब मीडिया (संशोधन) नियमावली, 2024 की स्वीकृति दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 से मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना का प्रवर्तन एवं कार्यान्वयन की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिपरिषद् की बैठक के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कैबिनेट के फैसलों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत टर्न-की आधार पर औरंगाबाद, डिहरी एवं सासाराम शहरों के लिए सोन नदी में उपलब्ध सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने के काम के लिए 1347.32 करोड़ की प्रशासनिक एवं व्यय की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह, मुख्यमंत्री तालाब मात्स्यिकी विकास योजना हेतु कुल 45.66 करोड़ की लागत से योजना के आगे कार्यान्वयन की स्वीकृति दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (कृषोन्नति योजना)-दलहन योजना के तहत कुल 5509.060 लाख रुपये योजना कार्यान्वयन तथा निकासी एवं व्यय की स्वीकृति दी गई।

एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में गांजा बरामद

दो तस्कर भी गिरफ्तार

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी में इंडो नेपाल बॉर्डर पर एसएसबी 71वीं बटालियन और महुआवा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारत नेपाल सीमा के बॉर्डर के पिलर संख्या 380/2 कोरैया गांव के पास से फिर भारी मात्रा में तस्करी का गांजा बरामद हुआ है। बॉर्डर से लगभग 200 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में उक्त कार्रवाई एसएसबी और पुलिस के द्वारा जॉइंट रूप से की गई है। सभी तस्कर रात में गांजे की खेप नेपाल से भारतीय सीमा में प्रवेश कराकर बाहर भेजने की फिराक में थे।

एसएसबी के अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अहले सुबह में महुआवा थाना क्षेत्र के कोरैया गांव के रास्ते भारी मात्रा में नेपाली गांजे की खेप नेपाल बॉर्डर के रास्ते निकलने वाली है। इसे लेकर गांव के सभी रास्तों पर जवानों की तैनाती की गई थी। इसी दौरान नेपाल से आ रहे संगठित तस्करी गिरोह के सदस्यों को पकड़ लिया गया।

तस्करों के पास से 78 किलोग्राम नेपाली गांजा लाल रंग की प्लास्टिक में बंधा बरामद हुआ। साथ ही दो तस्करों को पकड़ा गया है। जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ तस्कर गन्ने के खेत के रास्ते नेपाल सीमा में भाग गए, जिनकी पहचान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए दो तस्करों की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के सागर चुरामन निवासी प्रमोद महतो (33) और निकेश महतो (23) के रूप में हुई है। गिरफ्तार तस्करों से स्थानीय थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस तस्करी में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान कर रही है। पांच दिनों के अंदर यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसमें भारी मात्रा में नेपाली गांजे को पुलिस और एसएसबी ने बरामद किया है।

फिलिस्तीनी झंडा लहराने के मामले में पुलिस ने 9 नामजद समेत 100 अज्ञात लोगों पर की एफआईआर

बेतिया (एजेंसियां)। बेतिया में बुधवार को मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराने और नारे लगाने का सोशल मीडिया पर वीडियो तथा वायरल हुए थे। इस मामले में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए एफआईआर दर्ज की है। वहीं, मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर छापामारी कर पूर्व पार्षद सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि दो अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया है।

प्रशिक्षु डीएसपी डॉ. सपना रानी ने बताया कि अखाड़ा मुहर्रम पर्व के अवसर पर जुलूस के लाइसेंस धारक पूर्व पार्षद वकील मियां, डीजे संचालक दिलीप और जामा मस्जिद रोड निवासी मोहम्मद शहनवाज गिरफ्तार किया गया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराए जाने की सूचना के साथ ही उसका वीडियो क्लिप सामने आया था, जिसकी जांच-पड़ताल की गई है।

उन्होंने बताया कि वीडियो फुटेज के आधार पर ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में नौ नामजद सहित 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें तीन लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। बाकी लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। मो. शहनवाज झंडा लहराने वाले युवक के साथ एक जगह तलवार लेकर खड़े होकर पोज देते देखा गया है, जिसके आधार पर उसकी गिरफ्तारी की गई है। हालांकि जिस युवक का वीडियो झंडा लहराते सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, वह अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। उसकी पहचान कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि बुधवार को मुहर्रम जुलूस के दौरान शिकारपुर थाना क्षेत्र के नरकटियागंज नगर के शिवगंज चौक पर असामाजिक तत्वों द्वारा फिलिस्तीनी झंडा लहराया गया था और फिलिस्तीन जिंदाबाद के नारे लगाए गए थे। उस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद दो लोगों को छोड़ दिया गया। जबकि तीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हालांकि पुलिस की इस कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचा हुआ है। झंडा कहां से आया, पुलिस इस बारे में गहनता से छानबीन कर रही है।

गोपालगंज में पेड़ से हो रही बारिश

पिछले पांच दिन से बरसात देखने के लिए उमड़ रही लोगों की भीड़

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के भोरे गांव के दक्षिण टोला में एक अजीबोगरीब घटना हुई है, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। दक्षिण टोला में एक पेड़ से पिछले पांच दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसके कारण पेड़ के आसपास के खेतों में पानी भर गया है। वहीं, कुछ लोग इसे दैवीय प्रकोप मान रहे हैं तो कुछ लोग इसे वैज्ञानिक घटना। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के भोरे प्रखंड मुख्यालय स्थित दक्षिण टोला के चंवर के पास एक फरहद के पेड़ के पत्तों से पानी की बूंदें टपक रही थीं। ग्रामीण जयप्रकाश सिंह उधर से वापस आ रहे थे। उन्होंने देखा तो उन्हें आश्चर्य हुआ। पहले तो उन्हें लगा कि बारिश हो रही थी। लेकिन जब उन्होंने यह देखा कि पेड़ के सटे जितने भी खेत है, उनमें पानी भरा हुआ है। अन्य जगहों पर नहीं भरा है। उन्होंने इसकी जानकारी गांव में दी। ग्रामीण जब वहां पहुंचे तो आश्चर्य में पड़ गए। पिछले पांच दिनों से इस पेड़ से लगातार बारिश हो रही है। बारिश होने की जानकारी मिलने के बाद लगातार लोगों की भीड़ वहां उमड़ रही है। लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।

ग्रामीण राजू सिंह ने बताया कि यह एक प्राकृतिक घटना है। वहीं, मौके पर मौजूद अन्य ग्रामीणों का कहना है कि यह एक दैवीय प्रकोप है। हालांकि जब इस संबंध में पड़ताल की गई तो पता चला कि फरहद का पेड़ जमीन से जब ज्यादा पानी अवशोषित कर लेता है, तो उसके पत्तों के किनारों पर 'स्टोमाटा' बन जाता है। इस वजह से अवशोषित पानी बारिश के रूप में गिरता है। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इसका खुलासा तब होगा जब कोई आधिकारिक बयान सामने आएगा।

गया पुलिस की घोषणा

12 कुख्यात अपराधियों का पता बताने वालों को मिलेगा पुरस्कार

गया (एजेंसियां)। गया पुलिस ने जिले के 12 मोस्ट वांटेड अपराधियों की सूची जारी की है। बिहार सरकार गृह विभाग के द्वारा गया जिले के कुख्यात अपराधियों के विरुद्ध अगले दो साल के लिए पुरस्कार की घोषणा की गई है।

गया एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि अपराध नियंत्रण और कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर काफी गंभीर है। कोई भी पुलिसकर्मी जो फरार अपराधियों को गिरफ्तार करेगा या कोई भी नागरिक फरार अपराधियों के संबंध में सूचना देकर उसकी गिरफ्तारी में सहयोग करेगा, उसे निर्धारित पुरस्कार की राशि दी जाएगी।

गया जिले के परैया थाना क्षेत्र के नीरज दास उर्फ सतेंद्र दास, बिजली पासवान, इमामगंज थाना क्षेत्र के सोनू कुमार, रोशनगंज थाना क्षेत्र के भोला ठाकुर उर्फ रंजीत ठाकुर, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मुकेश कुमार टिकारी थाना क्षेत्र के गुड्डू पासवान उर्फ पंकज पासवान, भदवर थाना क्षेत्र के चंदन कुमार और नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के खुशबू कुमारी, गुड्डू चौहान, रवि चौहान, विवेक यादव उर्फ विवेकानंद यादव, ब्रजेश पासवान सहित कुल 12 अपराधियों पर 50-50 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है।

सावन में कांवड़ियों को होगा बाबा गरीबनाथ का लाइव दर्शन, तैयारियां शुरू

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। आगामी 22 जुलाई से शुरू हो रहे सावन महीने के महज कुछ दिन शेष रह गए हैं। मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। वहीं, पहलेजा घाट से जलबोझी करके बाबा गरीब नाथ को जलाभिषेक करने आने वाले श्रद्धालु को लाइव दर्शन होगा। इसको लेकर तैयारी शुरू कर दिया गया है और इसका ट्रायल भी किया जा रहा है। डीएम सुब्रत सेन ने इसको लेकर मंदिर में जायजा लिया है और बचे कार्य को जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

100 किमी को दूरी से सारण जिले के दक्षिणवाहिनी गंगा जल को लेकर के पैदल यात्रा करते हुए आने वाले भक्त इस वर्ष भी बाबा गरीब नाथ मंदिर में अरघा के माध्यम से जलाभिषेक को करेंगे। इसको लेकर तैयारी की जा रही है और एक दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा। आपको बता दें, अरघा के द्वारा होने वाली जलाभिषेक के दौरान में कांवरिया भक्त अपने जल को बाबा पर चढ़ते हुए सीधा लाइव दर्शन कर सकेंगे। इसको लेकर अरघा के पास ही मंदिर के पास में एलईडी स्कीन लगाई जा रही है। अरघा से जलाभिषेक के दौरान बाबा का दर्शन भक्तों को सीधा नहीं हो पाता था, जिसको लेकर भक्त श्रद्धालु में मायूसी रहती थी। अब उन्हें यह परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। 22 जुलाई से शुरू हो रहे देव के देव महादेव के महापर्व में इस बार विशेष इंतजाम किए गए हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रवेश के साथ ही शहर में अंदर सबसे पहले कांवरिया का जत्था आरडीएस कॉलेज मैदान में बन रहे टेंट सिटी में प्रवेश करेंगे, जिसके बाद वहां आराम करने के बाद रामदयालु रोड अघोरिया बाजार चौक होते हुए सीधा हरिसभा चौक पहुंचेंगे। जहां से सीधा क्लब रोड होते हुए जिला स्कूल मैदान में जायेंगे। जहां से अमर सिनेमा रोड से बने बैकेंडिंग में प्रवेश करते हुए छोटी कल्याणी चौक से साहु रोड मक्कन शाह चौक होते हुए बाबा गरीब नाथ मंदिर में प्रवेश करेंगे, जहां बाबा का जलाभिषेक करेंगे।

एसडीएम पूर्वी अमित कुमार ने बताया कि सावन माह की तैयारी करीब-करीब पूरी कर लिया गया है। अंतिम रूप दिया जा रहा है। बैलेडिंग का काम अंतिम चरण में चल रहा है। बिजली पानी साफ-सफाई की व्यवस्था करवाई जा रही है। बाबा गरीबनाथ मंदिर के पास जलाभिषेक के साथ बाबा की लाइव दर्शन एलईडी स्क्रीन के माध्यम से करवाई जायेगी, ताकि भक्त अपने आस्था के जल को बाबा पर चढ़ते हुए देख सकेंगे।

मरीज को देख अस्पताल छोड़ भागे डॉक्टर और चिकित्साकर्मी

लापरवाही से जच्चा-बच्चा की मौत देख डरे

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के हथुआ अनुमंडलीय अस्पताल के सामने चल रहे एक निजी अस्पताल में प्रसव के बाद जच्चा-बच्चा की मौत हो गई।

ऑपरेशन के बाद हालात बिगड़ने पर पहले बच्चे ने दम तोड़ दिया फिर उसके तुरंत बाद महिला की भी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि हथुआ अनुमंडलीय अस्पताल से एक आशा ने बहका फुसला कर निजी अस्पताल में प्रसूता को एडमिट करा दिया था। घटना के बाद क्लीनिक बंद कर डॉक्टर और सभी कर्मी फरार हो गए।परिजन शव को क्लीनिक के सामने रख प्रदर्शन करने लगे। पूरा मामला जिले के हथुआ अनुमंडलीय अस्पताल के समीप लाइफ केयर इमरजेंसी सेवा सदन का है।

परिजनों ने बताया कि बुधवार शाम सुनीता देवी को प्रसव पीड़ा हुई जिसके बाद परिजन अनुमंडलीय अस्पताल हथुआ लेकर आए। जिसके बाद डॉक्टरों ने स्थिति देख उसे सदर अस्पताल रेफर करने की बात कही। इसी बीच गांव के ही आशा ने उन्हें अच्छा अस्पताल बता कर गर्भवती महिला को निजी क्लीनिक में एडमिट कराया जहां उसका ऑपरेशन किया गया। लेकिन, गुरुवार को पहले बच्चे ने दम तोड़ा, उसके बाद फिर मां ने भी दम तोड़ दिया ।

परिजनों का कहना है कि गुरुवार की सुबह एक इंजेक्शन देने के बाद प्रसूता की हालात काफी बिगड़ गई और मुंह से ब्लड आने लगा। इसके तुरंत बाद उसकी मौत हो गई लेकिन डॉक्टर द्वारा ऑक्सीजन लगा उसे गोरखपुर के लिए रेफर किया गया। रास्ते से परिजन उसे वापस लेकर हॉस्पिटल पहुंचे तब तक सभी डॉक्टर एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी फरार हो चुके थे। इधर, पत्रकारों ने भी डॉक्टर से संपर्क करने की कोशिश की, वह नहीं मिले। वहीं घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

महिला के पूर्व से भी दो छोटे छोटे और बच्चे है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी डॉक्टर की तलाश की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com